www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

■ वर्ष 31 अंक 174 ■ जबलपुर सोमवार 15 दिसम्बर 2025 ■ पृष्ठ 12 ■ मूल्य रु. 3.00

रेलवे की पकड़ में आए 3.03 करोड़ 'भूत'

आईआरसीटीसी ऐप के 50000000 अकाउंट्स पर लगा ताला

नई दिल्ली

फर्जी आईडी से टिकट बुकिंग पर लगाम कसने के लिए रेलवे ने आईआरसीटीसी के 3 करोड़ से अधिक अकाउंट्स को डिएक्टिवेट कर दिया है। इसके अलावा, करीब 2.70 करोड़ अकाउंट्स को अस्थाई तौर पर सस्पेंड कर दिया गया है। भारतीय रेलवे ने कदम ऑन लाइट टिकट बुकिंग को आसान बनाने और असल यात्रियों को बिना झंझट टिकट मुहैया कराने के मकसद से उठाया है। रेलवे का टिकट बुक करने के लिए जब भी आईआरसीटीसी का ऐप खोलिए, सिर्फ दो ही मैसेज वहां लिखे हुए नजर आते हैं। पहला- वेटिंग लिस्ट और दूसरा- सोल्ड आउट। इसकी वजह थे लाखों की संख्या में वे 'डिजिटल भूत', जो बॉट्स के जरिए सेकेंडों में सारी टिकट हड़प लेते थे। इन 'डिजिटल भूतों' पर लगाम कसने के लिए भारतीय रेलवे ने आइडेंटिटी वेरिफिकेशन का मजबूत जाल बिछाना शुरू किया। रेलवे की यह मुहिम रंग लाई। देखते ही देखते 3.03 करोड़ 'डिजिटिल भूत' रेलवे की जाल में फंस गए। दरअसल, ये डिजिटल भूत कोई और नहीं, बल्कि वे लाखों फर्जी आईडी, जिनकी लगाम बॉट्स और दलालों के हाथों में थीं। फेस्टिवल या छुट्टियों का सीजन आते ही ये फर्जी यूजर्स सेकंडों में सारी टिकटें हड़प लेते थे, और फिर मनचाही कीमत पर ब्लैक में बेचते थे। टिकट बुकिंग को पारदर्शी बनाने के लिए रेलवे ने आइडेंटिटी वेरिफिकेशन शुरू किया, जिससे असली यात्री आसानी से टिकट पा सकें। इस अभियान के दौरान रेलवे ने करीब 3.03 करोड़

से अधिक फर्जी आईडी पर बने अकाउंट्स की पहचान की है।

2.70 करोड़ ऐसी यूजर आईडी सस्पेंड

जिनके खिलाफ कार्रवाई करते हुए रेलवे ने सभी 3.03 करोड़ फर्जी अकाउंट्स को पूरी तरह डीएक्टिवेट कर दिया है। भारतीय रेलवे की मुहिम यहीं पर नहीं रुकी, बल्कि 2.70 करोड़ ऐसी यूजर आईडी की पहचान की गई, जिनकी आइडेंटिटी पर रेलवे को संदेह है। लिहाजा, रेलवे ने इस भी अकाउंट्स को अस्थायी तौर पर सस्पेंड कर दिया है। रेलवे के अनुसार, इस अभियान का असर है कि जहां पहले आईआरसीटीसी एप पर रोजाना करीब एक लाख नई यूजर आईडी बनती थीं, जिसमें ज्यादातर फर्जी होती थीं, अब उनककी संख्या घटकर सिर्फ 5 हजार रह गई है।

दलालों पर कसेगी लगाम

आईआरसीटीसी टिकटिंग सिस्टम को बेहतर और पुख्ता बनाने के लिए कुछ नए कदम भी उठा रही है, जिससे हर यात्री सिर्फ अपनी असली और सत्यापित आईडी से आसानी से बुकिंग कर सके। ये कदम न सिर्फ दलालों पर लगाम कसेगा, बल्कि ऑन लाइन टिकट बुकिंग को बेहद आसान बनाएगा। लिहाजा, यदि आपने अपने आईआरसीटीसी एप का सत्यापन नहीं किया है, तो बिना समय गवाए उसको वैरिफाई करवा लें। नहीं तो टिकट बुक कराते समय आपको भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

मेसी के टूर ऑर्गनाइजर को जमानत नहीं

कोलकाता। अर्जेंटीना के फुटबॉल आइकन लियोनेल मेसी के इंडिया टूर के ऑर्गनाइजर सतादू्रु दत्ता को जमानत नहीं मिली है। बिधाननगर कोर्ट ने मेसी के इंडिया टूर 2025 के प्रमोटर और आयोजक सताद्रु दत्ता को 14 दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। सताद्रु पर इवेंट में मिसमैनेजमेंट के आरोप हैं। पब्लिक प्रॉसिक्यूटर ने कोर्ट में कस्टडी की मांग करते हुए कुछ कॉन्स्टेबलों को चोट लगने और मेसी के मैदान में आने पर भीड़ को मैनेज करने में हुई दिक्कतों का हवाला दिया था। दरअसल, 13 दिसंबर को स्टेडियम से मेसी के जल्दी निकल जाने के बाद फैंस भड़क गए।

नितिन नबीन बीजेपी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बने

नई दिल्ली। बिहार सरकार में मंत्री नितिन नबीन को भाजपा का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। रविवार को भाजपा के पार्लियामेंट्री बोर्ड के इस फैसले की जानकारी राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह ने दी। नबीन की उम्र 45 साल है, वे 2010 से बांकीपुर सीट से विधायक हैं। नबीन नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव तक यह जिम्मेदारी संभालेंगे। भाजपा ने साल 2020 में जेपी नड्डा को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया था। 2024 में उनका कार्यकाल खत्म हुआ था। तब से वे एक्सटेंशन पर थे। नड्डा अभी केंद्र में स्वास्थ्य मंत्रालय संभाल रहे हैं।

एआई प्रतिस्पर्धा क्षमता में भारत तीसरे स्थान पर

नयी दिल्ली (वार्ता)। भारत एआई प्रतिस्पर्धा क्षमता में अमेरिका और चीन के बाद तीसरे स्थान पर है। स्टैनफोर्ड यूनीवर्सिटी की वैश्विक रिपोर्ट में यह बात कही गयी है। इस रिपोर्ट में भारत को 21.59 अंक दिये गये हैं। अमेरिका 78.6 अंक के साथ पहले स्थान पर है। वहीं, चीन 36.95 अंक के साथ दूसरे स्थान पर है। दक्षिण कोरिया और ब्रिटेन भारत के बाद क्रमश: चौथे और पांचवें स्थान पर हैं। रिपोर्ट में अनुसंधान एवं विकास में भारत को अमेरिका और चीन के बाद तीसरे स्थान पर रखा गया है। जिम्मेदार एआई और अर्थव्यवस्था के पैमानों पर भारत को शीर्ष तीन में जगह नहीं दी गयी है। प्रतिभा के मामले में भारत को सिंगापुर के बाद दूसरे स्थान पर रखा गया है। बुनियादी ढांचा और नीति एवं प्रशासन के मामले में भी भारत को पहले तीन में स्थान नहीं मिला है।

मेरे सवालों पर संसद में कांप रहे थे शाह

रामलीला मैदान में एसआईआर को लेकर राहुल गांधी ने बोला हमला

नई दिल्ली

कांग्रेस ने रविवार को राजधानी दिल्ली के रामलीला मैदान में 'वोट चोर, गद्दी छोड़' नाम से एक बड़ी रैली का आयोजन किया। इस रैली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, विपक्ष के नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, सांसद मनीष तिवारी समेत कांग्रेस के दिग्गज नेता पहुंचे। लोगों को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपने संबोधन में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के एक बयान को लेकर तीखा हमला बोला और कहा कि आज देश में असली संघर्ष सत्य और असत्य के बीच चल रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि उनका भाषण पहले से तय था, लेकिन रास्ते में उन्हें जानकारी मिली कि अंडमान-निकोबार में मोहन भागवत ने एक बयान दिया है। उन्होंने कहा, उनका बयान सुनने के बाद मैंने अपना पूरा भाषण बदल दिया। राहुल गांधी ने कहा कि भारत की संस्कृति और सभी धर्मों की बुनियाद सत्य पर टिकी है। उन्होंने 'सत्यम शिवम सुंदरम' का हवाला देते हुए कहा कि सत्य सबसे बड़ा मूल्य है। लेकिन आरएसएस की सोच इससे उलट है। उनका आरोप था कि मोहन भागवत और आरएसएस की विचारधारा में सत्य की

कोई अहमियत नहीं है, वहां सिर्फ ताकत और सत्ता को ही सबसे ऊपर रखा जाता है। राहुल गांधी ने नए कानून पर भी सवाल उठाए, जिसके तहत चुनाव आयुक्तों को पूरी इम्यूनिटी दी गई है। उन्होंने कहा, नया कानून कहता है कि चुनाव आयुक्त कुछ भी करें, उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हो सकती। यह लोकतंत्र के लिए बेहद खतरनाक है। उन्होंने साफ कहा कि अगर कांग्रेस सत्ता में आती है, तो इस कानून को बदला जाएगा और चुनाव आयोग के अधिकारियों को जवाबदेह बनाया जाएगा। चुनाव आयुक्तों को सीधे संदेश देते हुए राहुल गांधी ने कहा, आप भारत के चुनाव आयुक्त हैं, नरेंद्र मोदी के नहीं। अपने भाषण के अंत में राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी सत्य की लड़ाई लड़ रही है और लोकतंत्र को बचाने के लिए संस्थाओं की निष्पक्षता बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि देश के अलग-अलग हिस्सों से लोग इस लड़ाई में जुड़ रहे हैं और यही लोकतंत्र की असली ताकत है।

अमित शाह पर राहुल गांधी का हमला

वोट चोरी के मुद्दे को लेकर राहुल ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर जमकर हमला बोला। राहुल ने कहा, मेरे सवालों का उनके पास कोई जवाब नहीं था। मैंने जो प्रेजेंटेशन में सवाल पूछे थे, सरकार के पास उसका कोई जवाब नहीं था। इसलिए संसद में अमित शाह के हाथ कांप रहे थे।

'सत्ता बनाम सत्य' की लड़ाई का दावा

राहुल गांधी ने कहा कि आज देश में जो लड़ाई चल रही है, वह सत्ता बनाम सत्य की है। उन्होंने कहा, उनके पास सत्ता है, ताकत है, लेकिन हमारे पास सत्य है। और मैं गारंटी के साथ कहता हूं कि सत्य के साथ खड़े होकर हम नरेंद्र मोदी, अमित शाह और आरएसएस-बीजेपी की सरकार को सत्ता से हटाएंगे।

चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल

राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग अब एक स्वतंत्र और निष्पक्ष संस्था की तरह काम नहीं कर रहा, बल्कि सरकार के साथ मिलकर फैसले ले रहा है। उन्होंने कुछ चुनाव आयुक्तों के नाम लेते हुए कहा कि यह सब उसी लड़ाई का हिस्सा हैं, जिसमें सत्य को दबाने की कोशिश की जा रही है।

हमारा वंदेमातरम् भी इन्होंने चोरी किया

कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- इन लोगों ने (केंद्र सरकार) ने हमारा वंदेमातरम् भी चोरी किया है। ये लोग नेहरू-पटेल के बीच दरार पैदा करते हैं। गांधी-नेहरू अंबेडकर पर हमला बोलते हैं। इन गद्दारों को आपको हटाना होगा। खड़गे ने कहा कि हम सब मिलकर काम करेंगे तो मोदी कहीं नजर नहीं आएंगे। मोदी जीतने के बाद बहुत बड़ा भाषण करते हैं। हम हारे हैं, लेकिन हमारी विचारधारा जिंदा है। एक बार वो हारे तो उनका नामो-निशान नहीं मिलेगा। मैं केरल के लोगों को बधाई देता हूं, उन्होंने एनडीए को कुचल दिया।

पीएम जनता के साथ खड़े नहीं होते

प्रियंका बोलीं- आज पीएम मोदी बड़े-बड़े राष्ट्रपतियों के साथ हाथ में हाथ डालकर फोटो खिंचाते हैं। लेकिन जनता के साथ नहीं खड़े होते हैं। बेटिंग एप पीएम ऑफिस के अधिकारी चला रहे थे। इसकी चर्चा क्यों नहीं होती। ये आपसे नहीं पूछ सकते कि आपके दुख क्या हैं। जो इतने सालों में हमने बनाया, इन्होंने सब बिखेर दिया। प्रियंका ने कहा कि वोट का अधिकार सबसे बड़ा है, सच्चाई आप देख रहे हैं। ये अधिकार आपसे लिया जा रहा है। राहुल 8000 किमी चले, न्याय के लिए चले। कांग्रेस की शक्ति ने हमें आजादी दिलाई। हम आपके वोट की रक्षा करेंगे, आपके अधिकारों को मजबूत करेंगे। हम लड़ते रहेंगे, कभी नहीं झुकेंगे, कभी नहीं रुकेंगे।

सिडनी में आतंकी हमला, 12 की मौत

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी शहर में दो हमलावरों ने रविवार शाम को तांडव मचा दिया। शहर में हनुक्का समारोह का आयोजन हो रहा था, इसी दौरान अचानक अंधाधुंध गोलीबारी शुरू हो गई। इस हमले में 12 लोगों की जान चली गई। दो दर्जन से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। शाम करीब 6.40 बजे, चश्मदीदों के अनुसार, दो हमलावर एक वाहन से उतरे और बोंडी पवेलियन के पास फायरिंग शुरू कर दी। गोलियों की आवाज सुनते ही पूरे इलाके में भगदड़ मच गई। लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे और समुद्र तट पर चीख-पुकार का माहौल बन गया। न्यू साउथ वेल्स पुलिस के अनुसार, कार्रवाई के दौरान एक हमलावर को ढेर कर दिया गया, जबकि दूसरे को गिरफ्तार कर लिया गया। बोंडी बीच पर हुई फायरिंग की घटना पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरा दुख जताया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की जनता की ओर से वे उन सभी परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं, जिन्होंने इस हमले में अपने प्रियजनों को खोया है। उन्होंने कहा कि इस दुख की घड़ी में भारत ऑस्ट्रेलिया की जनता के साथ पूरी मजबूती से खड़ा है।

पीएम मोदी बोले- यह मानवता पर अटैक, ऑस्ट्रेलिया के साथ खड़ा है भारत

प्रेस क्लब ऑफ़ इंडिया को मिली पहली महिला अध्यक्ष

संगीता बरुआ की टीम ने 21-0 से जीता चुनाव

नयी दिल्ली (वार्ता)। वरिष्ठ पत्रकार संगीता बरुआ पिशरोटी प्रेस क्लब ऑफ़ इंडिया के चुनाव में ऐतिहासिक जीत दर्ज कर क्लब की पहली महिला अध्यक्ष बन गयीं। श्रीमती पिशरोटी की टीम के सभी उम्मीदवारों ने पदाधिकारी और प्रबंध समिति के पदों पर जीत हासिल की। उनकी टीम ने 13 दिसंबर को हुए चुनावों के एक दिन बाद हुई मतगणना में 21-0 से चुनाव अपने नाम किया। श्रीमती पिशरोटी को जहां 1,019 वोट मिले, वहीं उनके प्रतिद्वंदी अतुल मिश्रा और अरुण शर्मा को क्रमश: 129 और 89 वोट मिले। महासचिव पद पर उतरे अफ़ज़ल इमाम ने 948 वोट हासिल करके आराम से जीत हासिल की, जबकि उनके खिलाफ खड़े ज्ञान प्रकाश को 290 वोट मिले। जतिन गांधी उपाध्यक्ष पद के उम्मीदवार के रूप में 1,029 वोटों के साथ विजयी हुए।

ऊर्जा संरक्षण आज की सबसे महत्वपूर्ण जरूरत : राष्ट्रपति

नई दिल्ली (वार्ता)

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा है कि एक संतुलित पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने के लिए स्वच्छ हवा और सुरक्षित जल स्रोत भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि हम ऊर्जा को जितना संरक्षित करेंगे और बचाएंगे, वह प्रकृति के प्रति हमारी ज़िम्मेदारी और आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी संवेदनशीलता का प्रतीक होगी। श्रीमती मुर्मू ने रविवार को यहां राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस पर राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार और राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में यह बात कही। श्रीमती मुर्मू ने कहा कि पर्यावरण अनुकूल और विश्वसनीय तरीके से ऊर्जा संरक्षण ही ऊर्जा का सबसे बड़ा स्रोत है। ऊर्जा संरक्षण सिर्फ एक विकल्प नहीं, बल्कि

आज की सबसे महत्वपूर्ण ज़रूरत है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऊर्जा बचाने का मतलब सिर्फ़ कम इस्तेमाल करना नहीं है, बल्कि ऊर्जा का समझदारी, जिम्मेदारी और कुशलता से उपयोग करना भी है। उन्होंने कहा कि जब हम बिजली के उपकरणों का अनावश्यक उपयोग करने से बचते हैं, ऊर्जा-कुशल उपकरणों को अपनाते हैं, अपने घरों और कार्यस्थलों में प्राकृतिक रोशनी और वेंटिलेशन का उपयोग करते हैं, या सौर और नवीकरणीय ऊर्जा विकल्पों को अपनाते हैं, तो हम न केवल ऊर्जा बचाते हैं बल्कि कार्बन उत्सर्जन भी कम करते हैं। श्रीमती मुर्मू ने इस बात पर जोर दिया कि ऊर्जा संरक्षण आज की सबसे महत्वपूर्ण जरूरत है। अगर युवा और बच्चे ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूक होकर इस दिशा में प्रयास करें, तो इस क्षेत्र में लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं और देश का सतत विकास सुनिश्चित किया जा सकता है। राष्ट्रपति ने कहा कि सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा तक पहुंच समुदायों को सशक्त बनाती है। यह स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देती है और विकास के नए अवसर पैदा करती है। इसलिए, हरित ऊर्जा सिर्फ़ बिजली उत्पादन तक सीमित नहीं है, यह सशक्तिकरण और समावेशी विकास का एक शक्तिशाली माध्यम है।

कानून-व्यवस्था ढाका की जिम्मेदारी

बांग्लादेश के आरोपों पर भारत का सख्त जवाब

नई दिल्ली

भारत और बांग्लादेश के बीच राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के आरोपों पर भारत ने कड़ा जवाब दिया है। भारत ने साफ कहा है कि उसने कभी भी अपनी जमीन का इस्तेमाल बांग्लागेश के खिलाफ गतिविधियों के लिए नहीं होने दिया और वह हमेशा वहां स्वतंक्ष, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनावों के पक्ष में रहा है। भारत के विदेश मंत्रालय ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार की ओर से जारी बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि लगाए गए आरोपों को वह पूरी तरह खारिज करता है। मंत्रालय ने दोहराया कि भारत की नीति इस मुद्दे पर पहले जैसी ही है और उसमें कोई बदलाव नहीं हुआ है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत लगातार यह कहता रहा है कि बांग्लादेश में शांत माहौल में सभी को शामिल करते हुए भरोसेमंद चुनाव होने चाहिए। भारत का यह बयान ऐसे समय में आया है जब बांग्लादेश ने भारत में तैनात अपने उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को विदेश मंत्रालय बुलाया। बांग्लादेश ने भारत में रह रहीं शेख हसीना को लेकर गहरी चिंता जताई। ढाका का आरोप है कि शेख हसीना भारत से ऐसे बयान दे रही हैं, जो बांग्लादेश में नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिंसक और आतंकी गतिविधियों के लिए उकसा सकता है। भारत के विदेश मंत्रालय ने दोहराया कि वह बांग्लादेश को

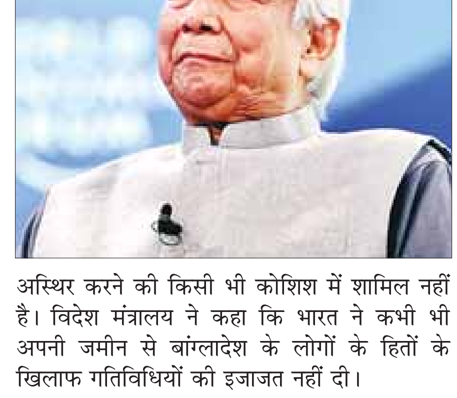

अस्थिर करने की किसी भी कोशिश में शामिल नहीं है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत ने कभी भी अपनी जमीन से बांग्लादेश के लोगों के हितों के खिलाफ गतिविधियों की इजाजत नहीं दी।

भारत की दो टूक

साथ ही, भारत ने यह भी कहा कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार की जिम्मेदारी है कि वह चुनाव के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखे। भारत के विदेश मंत्रालय ने उम्मीद जताई है कि बांग्लादेश सरकार शांतिपूर्ण और सुरक्षित चुनाव कराने के लिए सभी जरूरी कदम उठाएगी।

जिले ने छुए विकास के नए आयाम, प्रभारी मंत्री प्रतिमा बागरी ने गिनाईं उपलब्धियां

आवास, स्वास्थ्य, पेयजल से लेकर कृषि तक जिले की विकास गाथा

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

प्रभारी राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी, नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि डिंडोरी जिला बीते वर्षों में शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से विकास की नई ऊँचाइयों को छू रहा है। उन्होंने विभिन्न विभागों की उपलब्धियों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होनें बताया की मध्यप्रदेश एक वर्ष में सार्वाधिक निवेश प्रस्ताव लाने वाला तीसरा राज्य बना। निवेश को सरल तेज और पारदर्शी बनाने के लिए एमपी इंवेस्ट पोर्टल 3.0 लांच किया। विशेष पिछडी जनजाति के युवाओं को पुलिस, सेना, होमगार्ड में भर्ती कराने के लिए प्रशिक्षण हेतु बैगा, सहरिया के लिए बटालियन गठित होगी। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामिण के अंतर्गत 11लाख 46 हजार आवास स्वीकृत कर मध्यप्रदेश देश में प्रथम रहा। नक्सल प्रभावित जिले में विकेन्द्रीक्रत कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम आरभं किया गया।

प्रेसवार्ता में जिला पंचायत अध्यक्ष रूद्रेश परस्ते, जिला अध्यक्ष चमरू सिंह नेताम, जनपद अध्यक्ष आशा सिंह, जिला पंचायत उपाध्यक्ष अंजू ब्यौहार, अवधराज बिलैया पूर्व अध्यक्ष, सुनील जैन पूर्व अध्यक्ष, नरेन्द्र राजपूत, जयसिंह मरावी, कृष्ण कुमार परमार, जिला विकास सलाहकार समिति के सदस्य एवं प्रशासनिक अधिकारी कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया, पुलिस अधीक्षक वाहिनीं सिंह, अपर कलेक्टर जेपी यादव, एसडीएम डिंडौरी भारती मेरावी, एसडीएम बजाग रामबाबू देवांगन, डिप्टी कलेक्टर वैधनाथ वासनिक, जनसंपर्क अधिकारी और पत्रकारगण एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री जनमन योजना अंतर्गत जिले की विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा के समग्र विकास हेतु उल्लेखनीय कार्य किए गए हैं। बैगा क्षेत्रों में 32 नवीन आंगनवाड़ियां प्रारंभ की गईं, 902 बैगा परिवारों के घरों का विद्युतीकरण किया गया। 31 सड़कों (कुल 76.03 किमी) की स्वीकृति दी गई, जिनमें से 3 सड़कों (25.95 किमी) का निर्माण पूर्ण हो चुका है।

8021 आवास स्वीकृत किए गए, जिनमें से 4082 आवास पूर्ण हो चुके हैं। बैगा बाहुल्य ग्रामों में 2 मेडिकल मोबाइल यूनिट संचालित की जा रही हैं। सांदीपनि विद्यालय नरिया हेतु 50-50 सीटर बालक एवं बालिका छात्रावास स्वीकृत किए गए हैं, जिनका निर्माण कार्य प्रगतिरत है। जिला चिकित्सालय डिंडोरी को 100 से 200 बिस्तरों में उन्नयन किया गया है।

50 बिस्तरीय क्रिटिकल केयर हेल्थ सेंटर स्वीकृत होकर निर्माण कार्य प्रगतिरत है। 30 बिस्तर से 50 बिस्तर क्षमता वाले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन निर्माण कार्य जारी है। 59 नवीन हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर भवनों का निर्माण कार्य प्रगतिरत है। 03 नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का संचालन प्रारंभ किया गया है। जिले को शव वाहन उपलब्ध कराए गए हैं, जिनसे आज दिनांक तक 152 शवों का परिवहन किया गया।

पीएम जनमन योजना अंतर्गत 02 मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से 68 पीवीटीजी ग्रामों में स्वास्थ्य सेवाएं दी जा रही हैं। ऋक्ष्य कार्यक्रम अंतर्गत वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 में 0 से 18 वर्ष तक के 92 बच्चों को निःशुल्क ऑपरेशन सुविधा उपलब्ध कराई गई। टीबी कार्यक्रम अंतर्गत वर्ष 2024-25 में 1836 एवं 2025-26 में 1380 निश्चय मित्र बनाए गए, जिनके माध्यम से टीबी मरीजों को पोषण सहयोग दिया जा रहा है.लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा विगत दो वर्षों में 185 योजनाएं पूर्ण की गईं तथा 199 योजनाएं हस्तांतरित की गईं। 23,247 घरेलू नल कनेक्शन प्रदाय कर घर-घर स्वच्छ पेयजल पहुंचाया गया है। समस्याग्रस्त बसाहटों में 162 हैंडपंप खनन कर पेयजल व्यवस्था सुदृढ़ की गई है। खरीफ उपार्जन 2025-26 में 25,820 किसानों का पंजीयन हुआ है, रकबा 42,980 हेक्टेयर रहा, जो विगत वर्ष की तुलना में 9.25 प्रतिशत अधिक है। एक जिला- एक उत्पाद योजना अंतर्गत कोदो-कुटकी के क्षेत्रफल में 10,000 हेक्टेयर का विस्तार हुआ है। वर्तमान रकबा 49,150 हेक्टेयर एवं संभावित उत्पादन 44,726 मीट्रिक टन है। जिले में प्रथम बार कोदो-कुटकी की उपार्जन में खरीदी प्रारंभ की गई।

मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना अंतर्गत वर्ष 2024-25 में 47 हितग्राहियों को 318.97 लाख रुपये तथा वर्ष 2025-26 में 39 हितग्राहियों को 267.13 लाख रुपये से लाभान्वित किया गया। आयुष विभाग द्वारा जिले में संचालित औषधालयों के माध्यम से 1,73,674 तथा एनआरएचएम संस्थाओं के माध्यम से 49,995 रोगियों को उपचार उपलब्ध कराया गया। 525 निःशुल्क आयुष चिकित्सा शिविरों में 38,447 लोगों को लाभ मिला।

आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम अंतर्गत संपूर्णता अभियान में बजाग, करंजिया एवं मेहंदवानी विकासखंडों ने शत-प्रतिशत संतृप्ति हासिल की, जिसके लिए जिले को राज्य स्तरीय रजत एवं कांस्य पदक से सम्मानित किया गया। जल गंगा संवर्धन अभियान में 107.18 करोड़ रुपये के 4073 कार्य स्वीकृत किए गए। पानी रोको अभियान, जीरो टिलेज खेती, जैविक हाट-बाजार, स्व-सहायता समूहों को रोजगार, बीएसएनएल के नए टावर, राजस्व अभियान 3.0 में शत-प्रतिशत निराकरण जैसी पहलें की गईं।

जिले का गौरव

मिलेट क्वीन लहिरी बाई एवं वाटर वॉरियर उजियारो बाई को जल संरक्षण एवं श्रीअन्न संरक्षण के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिला, जिससे जिले का नाम गौरवान्वित हुआ।

अंत में मंत्री ने कहा की जिला प्रशासन पंखिनी नवाचार के माध्यम से जिले की बालिकाओं को निःशुल्क कोचिंग एवं शारीरिक परीक्षा की तैयारी के माध्यम से युवा-युवतियों को स्वरोजगार से जोडने की विशेष पहल की सराहना की। प्रभारी मंत्री प्रतिमा बागरी ने कहा कि जिला प्रशासन जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है।

युवा कांग्रेस ने प्रभारी मंत्री को दिखाए काले झंडे, पुलिस ने कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)। जिले की प्रभारी मंत्री प्रतिमा बागरी के परिजनों से जुड़ी गांजा तस्करी की हालिया घटनाओं को लेकर आज युवा कांग्रेस ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया।

युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष अमन पाठक के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने प्रभारी मंत्री को काले झंडे दिखाकर अपना आक्रोश प्रकट किया। युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं का कहना था कि प्रभारी मंत्री के भाई और बहनोई के गांजा तस्करी के मामले में पकड़े जाने की खबरों से जिले की छवि धूमिल हुई है, ऐसे में प्रभारी मंत्री को सामने आकर इस पूरे मामले पर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। इसी मांग को लेकर युवा कांग्रेस द्वारा शांतिपूर्ण ढंग से काला झंडा दिखाकर विरोध दर्ज कराया गया। प्रदर्शन के दौरान युवा कांग्रेस कार्यकर्ता प्रभारी मंत्री प्रतिमा बागरी से मिलकर बातचीत करना चाहते थे, लेकिन कार्यकर्ताओं का आरोप है कि प्रभारी मंत्री ने न तो पत्रकारों के सवालों का जवाब दिया और न ही आम जनता अथवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं से कोई संवाद किया। विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस मौके पर पहुंची और समस्त युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। कार्रवाई को लेकर कार्यकर्ताओं में रोष देखा गया। युवा कांग्रेस नेताओं ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन बताते हुए कहा कि सरकार सवालों से बचने के लिए विपक्ष की आवाज को दबाने का प्रयास कर रही है। प्रभारी मंत्री को काले झंडे दिखाकर विरोध प्रदर्शन करने में युवा कांग्रेस अध्यक्ष अमन पाठक,कांग्रेस कार्यकर्ता वैभव कृष्ण परस्ते, नौशाद मलिक, जीतू शिवराज ठाकुर, विक्की खान, ननकू परस्ते सहित बड़ी संख्या में युवा कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पार्षद राजकुमारी रजक को नारी शक्ति सम्मान

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)। नगर परिषद शहपुरा के वार्ड क्रमांक 03 की पार्षद राजकुमारी तरुण कुमार रजक को उनके सामाजिक योगदान एवं जनसेवा कार्यों के लिए नारी शक्ति सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान समारोह बी.एम.एस. पेरेंट्स एसोसिएशन ऑफ मध्यप्रदेश एवं नगर निगम जबलपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्यसभा सांसद सुमित्रा बाल्मीकि ने की। समारोह में महिला सशक्तिकरण, समाज सेवा और नेतृत्व के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। इसी क्रम में पार्षद श्रीमती राजकुमारी रजक को यह सम्मान प्रदान किया गया, जिसे उन्होंने अपनी बहनों के माध्यम से ग्रहण किया। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक संगठनों ने उनके कार्यों की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

रेलवे स्टेशन बुढार में अतिमहत्वपूर्ण यात्री ट्रेनों के ठहराव एवं सुविधाओं की मांग रही आश्वासनों तक सीमित

बुढार (स्वतंत्रमत)

कोयलांचल क्षेत्र के महत्वपूर्ण रेल्वे स्टेशन बुढार में अतिमहत्वपूर्ण यात्री ट्रेनों के ठहराव तथा यात्री सुविधाओं के विस्तार की दिशा में न्याय संगत मांग समय-समय पर उठाई जाती रही है, किंतु एक लम्बा अर्सा गुजर जाने के बाद मात्र कोरा आश्वासन ही मिला और जनप्रतिनिधियों के पहल का वास्तविक परिणाम सामने नहीं आ सका, जिससे नगर तथा आसपास के ग्रामीण अंचल के नागरिकों में व्यापक असंतोष बना हुआ है। धार्मिक पर्यटन की दृष्टि से पुण्य सलिला अमरकंटक से पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा की सौगात अर्जित करायी जा सकी है, जिसका लाभ अमरकंटक से जबलपुर तथा बांधवगढ़ के लिये हेलीकॉप्टर सुविधा का लाभ यात्रियों को इन दिनों नित्य मिल रहा है, जो अतिप्रशंसनीय व स्वागत योग्य बना हुआ है, किंतु बुढार रेल्वे स्टेशन से दुर्ग-नवतनवा ट्रेन के ठहराव की पुरजोर मांग की जा रही है, जिससे श्रीराम जी की जन्म स्थली अयोध्या में श्रद्धालुजन भगवान श्रीराम जी का दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित कर सके और सरयू नदी में स्नान कर अपना जीवन सौभाग्यमय बना सके इस दिशा में संसदीय क्षेत्र की संसद तथा क्षेत्रीय विधायक से मांग की जाने लगी है। सामाजिक कार्यकर्ता रोहिणी प्रसाद गर्ग ने कहाकि-बुढार नगर के अतिमहत्वपूर्ण रेल्वे स्टेशन को यात्री हित में सौगात अर्जित करायी जानी चाहिये किंतु मात्र

आश्वासनों तक ही समस्या रह गई है। रोहिणी प्रसाद गर्ग ने कहा कि नागपुर शहडोल यात्री ट्रेन का विस्तार किया जाकर इतवारी तक ट्रेन चलवाये जाने तथा मुंबई तक एक सीधी ट्रेन की सौगात अर्जित करवाया जाना यात्री हित में अत्यावश्यक बना हुआ है। यात्री सुविधाओं की दिशा में रचनात्मक पहल करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता रोहिणी प्रसाद गर्ग ने बताया कि दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे बिलासपुर के महाप्रबंधक के प्रवास के दौरान गत 4 जुलाई को सर्वदलीय प्रतिनिध मंडल के साथ मांग पत्र सौंपा गया था, और 29 जुलाई को तीन सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल डी.आर.एम. से मिलकर 5 सूत्रीय मांग पत्र यात्री हित में सौंपा गया था, जिस पर रेल्वे द्वारा आश्वस्त कराया गया, कि दिए गए मांग पत्र पर 4 सूत्रीय मांगों को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है, किंतु अर्सा तीन माह बीतने चले उक्त समस्या का समाधान भी अभी तक नहीं हो सका जिसे यात्री हित में उचित नहीं कहा जा सकता है।

शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय बुढ़ार में विश्व मानव अधिकार दिवस पर कार्यशाला का किया गया आयोजन

बुढार (स्वतंत्रमत)

शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय बुढ़ार में विश्व मानव अधिकार दिवस पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में विश्व मानव अधिकार दिवस कार्यक्रम जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुशील कुमार अग्रवाल के मुख्यातिथ तथा न्यायधीश मा. ऋषभ दीक्षित, मा. लक्ष्मण रोहित एवं प्राचार्य डॉ. गंगा मिश्रा के आतिथ्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया। महाविद्यालयीन छात्रों को अतिथियों ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एन.एच.आर.सी.) एक स्वतंत्र वैधानिक संस्था है, जिसकी स्थापना मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 के प्रावधानों के तहत 12 अक्टूबर, 1993 को की गई थी और विश्व युद्ध के उपरान्त 1948 में विश्व मानव अधिकार दिवस को मनाया जाने लगा।

मानवाधिकार आयोग का मुख्यालय नई दिल्ली में है, यह संविधान द्वारा दिये गए मानवाधिकारों जैसे जीवन का अधिकार, स्वतंत्रता का अधिकार और समानता का अधिकार आदि की रक्षा करता है और उनके प्रहरी के रूप में कार्य करता है। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि मानवाधिकार संयुक्त राष्ट (यू.एन.) की परिभाषा के अनुसार ये अधिकार जाति, लिंग, राष्ट्रीयता, भाषा, धर्म या किसी अन्य आधार पर भेदभाव किये बिना सभी को प्राप्त हैं और मानवाधिकारों में मुख्यतः जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार, गुलामी और यातना से मुक्ति का अधिकार, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार और काम एवं शिक्षा का अधिकार, शामिल हैं। कार्यक्रम के अतिथियों ने बताया कि-कोई भी व्यक्ति बिना किसी भेदभाव के इन अधिकारों को प्राप्त करने का हकदार होता हैं इसका कार्य देश में मानवाधिकारों (जीवन, स्वतंत्रता, समानता और सम्मान के अधिकार) की रक्षा करना और उन्हें बढ़ावा देना है, जो संविधान और अंतर्राष्ट्रीय संधियों द्वारा गारंटीकृत हैं। यह एक प्रहरी की तरह काम करता है, शिकायतों की जांच करता है, और मानवाधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाता है, यह एक परामर्शदात्री निकाय है। कार्यक्रम अवसर पर महाविद्यालय की वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. नागमणि मानिकपुरी, डॉ. आर.सी. त्रिपाठी, डॉ. स्वल्किन खान, डॉ. विनय कुमार सोनवानी डॉ. आई.के. बेक, डॉ. मनोज कुजूर, डॉ. शिव मूरत प्रजापति, डॉ. अनूप सेन, डॉ. दिनेश वर्मा, जयशंकर सिंह, कमलेश प्रजापति, दीपक पटेल, शशि मोहन सेन, डॉ. ममता द्विवेदी, रानी पटेल की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ. राधेश्याम नापित ने किया।

श्रीविका शर्मा, आरबीएसके एवं डीईआईसी की त्वरित पहल से गंभीर हृदय रोग पर विजय

आयुष्मान भारत योजना से 6 माह की बेटी श्रीविका को मिला नया जीवन

शहडोल (स्वतंत्रमत)

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम और जिला शीघ्र हस्तक्षेप केंद्र लगातार ऐसे बच्चों के जीवन में नई उम्मीद जगा रहे हैं, जो गंभीर स्वास्थ्य चुनौतियों से जूझ रहे होते हैं। श्रीविका शर्मा, वार्ड क्रमांक 11 शहडोल में रहने वाली नन्हीं बच्ची, स्वास्थ्य विभाग की समय पर की गई कार्यवाही और समर्पित प्रयासों के कारण एक बड़ी संकट से बाहर निकलकर आज स्वस्थ जीवन की ओर बढ़ रही है। 4 जून 2025 को जन्मी श्रीविका को डाउन सिन्ड्रोम के कारण आरबीएसके टीम द्वारा शीघ्र हस्तक्षेप केंद्र, में पंजीकृत किया गया। प्रारंभिक मूल्यांकन के दौरान डीईआईसी टीम ने बच्ची की स्थिति को गंभीरता से देखते हुए विस्तृत चिकित्सीय परीक्षण कराने की सलाह दी। इसी दौरान शिविर में किए गए हृदय परीक्षण में पता चला कि श्रीविका को गंभीर ब्वदहमदपजंस भ्मंतज क्पेमेंम (सीएचडी) है, एक ऐसी स्थिति जो समय पर उपचार न मिले तो जीवन के लिए खतरा बन सकती

थी। गंभीर स्थिति की जानकारी मिलते ही जिला शीघ्र हस्तक्षेप प्रबंधक कंचन पटेल ने तत्काल रिपोर्ट मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा को दी। मामले की गंभीरता को समझते हुए सीएमएचओ ने बिना विलंब बच्ची को आपातकालीन आधार पर एसआरसीसी अस्पताल, मुंबई रेफर किया। मुंबई में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने अत्यंत जटिल हृदय सर्जरी सफलतापूर्वक की। यह संपूर्ण उपचार आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत निःशुल्क प्रदान किया गया जिससे परिवार पर आर्थिक बोझ नहीं पड़ा। 2 दिसंबर को, सफल उपचार और सुधार के बाद श्रीविका अपने घर वापस लौटी। उसके परिजनों के चेहरों पर मुस्कान और बच्चे के स्वस्थ होने की खुशी देखने लायक थी। यह केवल एक परिवार की राहत नहीं, बल्कि स्वास्थ्य विभाग की प्रभावी रेफरल प्रणाली, त्वरित निर्णय क्षमता और टीमवर्क का सशक्त उदाहरण है। अब डीईआईसी द्वारा श्रीविका को नियमित थेरेपी दी जाएगी, जिससे उसके संपूर्ण विकास, शारीरिक क्षमताओं, संज्ञानात्मक कौशल और स्वास्थ्य का निरंतर मूल्यांकन हो सके। श्रीविका की यह कहानी साबित करती है कि जब व्यवस्था तत्पर हो, टीम समर्पित हो और सेवाएँ सुलभ हों, तो गंभीर से गंभीर बीमारी भी मात खा जाती है।

नेशनल लोक अदालत में 766 लंबित प्रकरणों सहित कुल 3230 प्रकरणों का हुआ निराकरण

शहडोल (स्वतंत्रमत)

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शहडोल काशीनाथ सिंह के कुशल मार्गदर्शन एवं अध्यक्षता में वर्ष की अंतिम नेशनल लोक अदालत का आयोजन जिला न्यायालय एवं सिविल न्यायालय ब्यौहारी, बुढ़ार तथा जयसिंहनगर में किया गया। नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश काशीनाथ सिंह द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय में मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन कर किया गया। उपरांत उनके द्वारा नेशनल लोक अदालत से होने वाले लाभ के संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए व्यक्त किया गया कि लोक अदालत में राजीनामा के माध्यम से प्रकरण समाप्त कराये जाने पर दोनों पक्षों की जीत होती है एवं उनका मुकदमा पूर्ण रूप से समाप्त हो जाता है इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय द्वारा विधिक सेवा प्रदर्शनी लगायी गयी जिसमें नालसा एवं सालसा की समस्त योजनाओं की जानकारी एवं ब्राउजर्स सभी आमजन के लिए उपलब्ध रहे। इस अवसर पर प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय शशिभूषण शर्मा, जिला न्यायाधीश द्वय कमलेश कोल, कृष्ण पाल सिंह, मुख्य न्यायिक मजिस्टेऊट राजेन्द्र सिंह सिंगार, न्यायिक मजिस्ट्रेट रूपेन्द्र

सिंह मडावी, सीता शरण यादव, प्रीति सिंह बघेल, अदिति कुमार शर्मा, श्वेता यादव, दीप्ति चौहान जिला विधिक सहायता अधिकारी प्रभारी सचिव देवेन्द्र सिंह परस्ते, अध्यक्ष अधिवक्ता संघ राकेश सिंह बघेल, उपाध्यक्ष सतीश पाठक, सचिव अधिवक्ता संघ अनिल तिवारी एवं अधिवक्ता संघ के अन्य कार्यकारिणी सदस्य, चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल कुंजबिहारी द्विवेदी, समस्त लीगल एड डिफेंस काउंसिल्स, न्यायालय के अधिवक्तागण, पैनल अधिवक्तागण, पैरालीगल वालेंटियर, न्यायालय के समस्त कर्मचारीगण ,अधिवक्तागण, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के समस्त कर्मचारीगण उपस्थित रहे। नेशनल लोक अदालत में प्रकरणों के निराकरण हेतु जिला न्यायालय शहडोल एवं सिविल न्यायालय ब्यौहारी बुढ़ार तथा जयसिंहनगर में कुल 20 न्यायिक खण्डपीठों का गठन किया गया था। नेशनल लोक अदालत में जिला न्यायालय परिसर में विद्युत विभाग, नगरपालिका, राष्ट्रीयकृत बैंक, बी.एस.एन.एल आदि विभागों के स्टॉल लगाये गये। इस नेशनल लोक अदालत में कुल 766 लंबित प्रकरण एवं 2464 प्री-लिटिगेशन प्रकरण इस प्रकार कुल 3230 प्रकरणों का निराकरण हुआ जिसमें कुल 38492257- राशि का अवार्ड पारित हुआ जिसमें से मोटर दुर्घटना दावा प्रकरणों के कुल 83 प्रकरण चेक अनादरण के 69 आपराधिक राजीनामा योग्य 329 वैवाहिक विवाद के 66 विद्युत विभाग के 44 लंबित एवं 1449 प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण किया गया।

7 जमातियों को हिंदूवादी संगठनों ने पकड़ा पनागर में चोरी छिपे प्रवेश करने का आरोप

तलाशी में मिली दिल्ली की पहचान, पुलिस ने शुरू की जांच

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

रविवार को बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने 7 संदिग्ध जमातियों को पकड़कर पुलिस के हवाले किया। उनपर आरोप है कि वे पनागर में किसी गतिविधि में शामिल होने आए थे। तलाशी के दौरान उनके पास दिल्ली के आधार कार्ड मिले। पनागर थाना पुलिस की पूछताछ में उन्होंने बताया कि वे दिल्ली से झांसी और सागर होते हुए जबलपुर पहुंचे हैं और यहां से पन्ना जाना है। पुलिस सभी के दस्तावेजों की जांच कर रही है। वहीं विश्व हिंदू परिषद के जिला सहमंत्री का आरोप है कि उनकी भाषा संदिग्ध है और उनके पास कुछ पुस्तकें भी मिली हैं। दरअसल रविवार को बजरंग दल के कार्यकर्ता पनागर शिशु मंदिर के पास स्थित गौशाला में काम कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने पाठानी मोहल्ला की ओर से आते सात लोगों को देखा, जिनके पास बड़े-बड़े बैग और एक साइकिल थी। उनसे यहां आने का कारण पूछा गया, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। सूचना मिलते ही दल के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे। बैग की जांच में आधार कार्ड के साथ खाने-पीने की सामग्री और कुछ पुस्तकें मिलीं। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। थाना प्रभारी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और सभी को पूछताछ के लिए थाने ले गए।

छिपकर किया था पनागर में प्रवेश-बताया जा रहा है कि ये सभी लोग पीछे के रास्ते से छिपकर पनागर में प्रवेश कर रहे थे। फिलहाल यहां उनका कोई कार्यक्रम नहीं है, न ही उन्हें किसी ने बुलाया था और न ही वे यहां किसी को जानते हैं। इसके बावजूद पठानी मोहल्ले में आकर रुकना और पूछताछ पर चुप रहना संदेह पैदा करता है।

उनका कहना है कि तबलीगी जमातियों के पास कोई वैध दस्तावेज नहीं मिले। उन्होंने यह भी बताया कि हाल ही में जबलपुर जिले में चोरी से जुड़ी कुछ घटनाएं सामने आई हैं, जिनके आरोपी अभी तक पकड़े नहीं गए हैं। आशंका है कि ये संदिग्ध उन्हीं मामलों से जुड़े हो सकते हैं। वहीं बजरंग दल ने पनागर थाना पुलिस से मांग की है कि सभी संदिग्धों के दस्तावेज और जानकारियां जल्द से जल्द जुटाई जाएं। संगठन का कहना है कि संभव है ये लोग किसी वारदात को अंजाम देने के इरादे से आए हों।

दो दिन से शहर में रूके

बजरंग दल और पुलिस की पूछताछ में जमातियों ने बताया कि वे दिल्ली से बस से झांसी, सागर होते हुए जबलपुर पहुंचे थे। शहर के बाहर एक मस्जिद में दो दिन रुकने के बाद वे पनागर आए थे, जहां पठानी मोहल्ले में कुछ लोगों से मिलने के बाद पन्ना जाने की योजना थी। उनके पास एक पुरानी साइकिल भी थी, जिस पर सामान रखा हुआ था, लेकिन साइकिल कहां से मिली, इस बारे में वे कोई स्पष्ट जवाब नहीं दे सके।

मुसलमानों को कट्टर बनाने का आरोप

पनागर की गोशाला के पास पकड़े गए जमातियों के बैग की जांच में पुलिस को कई पुस्तकें, कुरान और शरियत से संबंधित किताबें मिली हैं। विहिप का आरोप है कि ये लोग एसआईआर का विरोध करने और बाबरी मस्जिद के नाम पर चंदा जुटाने जैसी अवैध गतिविधियों के उद्देश्य से जबलपुर आए थे। संगठन का यह भी कहना है कि ये लोग भारत में रहने वाले मुसलमानों को कट्टर बनाने का काम करते हैं। विहिप और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने मांग की है कि सभी संदिग्धों की गहन जांच की जाए और यह स्पष्ट किया जाए कि वे जबलपुर किस मकसद से आए थे। पनागर थाना प्रभारी विपिन ताम्रकार ने बताया कि रविवार को बजरंग दल के कार्यकर्ता मौलाना वार्ड के पास से सात लोगों को पकड़कर थाने लाए थे। उनके पास बड़े-बड़े बैग और एक साइकिल मिली। पहचान के लिए उन्होंने आधार कार्ड दिखाए। तलाशी में कुछ पुस्तकें भी मिली हैं, जिनमें उर्दू भाषा के शब्द लिखे हुए हैं। पूछताछ में उन्होंने खुद को जमाती बताया और कहा कि वे दिल्ली से जबलपुर होते हुए पन्ना जा रहे थे। कुछ देर रुकने के बाद आगे निकलने वाले थे। विहिप और बजरंग दल की मांग पर मामले की जांच की जा रही है ।

पमरे महाप्रबंधक को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया पुरस्कृत

राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार 2025 से किया गया सम्मानित

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पश्चिम मध्य रेलवे के मियाना रेलवे स्टेशन को ऊर्जा संरक्षण के उत्कृष्ट कार्यों के लिए राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान रविवार 14 दिसंबर को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा प्रदान किया गया, जिसे पश्चिम मध्य रेलवे की महाप्रबंधक शोभना बंदोपाध्याय ने प्राप्त किया।

यह प्रतिष्ठित पुरस्कार ऊर्जा मंत्रालय के ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा प्रदान किया जाता है, जो देश में ऊर्जा संरक्षण, नवीन तकनीकों, ऊर्जा प्रबंधन तथा सतत विकास के सर्वोत्तम प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान देता है। यह पुरस्कार कठोर मूल्यांकन प्रक्रिया, ऊर्जा बचत के सत्यापन और तकनीकी दस्तावेज़ों की गहन जांच के बाद ही प्रदान किया जाता है, जिससे इसकी विश्वसनीयता और महत्व और बढ़ जाता है। भोपाल मंडल के मियाना स्टेशन को यह उपलब्धि स्थ्वष्ठ आधारित ऊर्जाङ्कदक्ष प्रकाश व्यवस्था, पंखों की स्थापना, तथा 30ङ्क70 प्रतिशत स्मार्ट लाइटिंग सर्किट संचालन प्रणाली के सफल क्रियान्वयन के परिणामस्वरूप प्राप्त हुई है, जिनसे 10,000 यूनिट से अधिक वार्षिक बिजली बचत संभव हुई।

अधिकारियों, कर्मचारियों को दी बधाई

पश्चिम मध्य रेलवे महाप्रबंधक श्रीमती बंदोपाध्याय ने बधाई देते हुए कहा कि आज के गौरवपूर्ण दिन पश्चिम मध्य रेलवे ऐतिहासिक उपलब्धियों में शामिल हुआ है। उन्होंने डब्ल्यूसीआर के मियाना स्टेशन को ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) का राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार (एनईसीए 2025) प्राप्त होने पर मुख्यालय के प्रमुख मुख्य इलेक्ट्रिकल इंजीनियर, मंडल रेल प्रबंधक भोपाल और मण्डल एवं मुख्यालय के सभी अधिकारियों कि सराहना की। यह उपलब्धि भोपाल मंडल के विद्युत (सामान्य) विभाग के वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य) संजय मानोरिया के तकनीकी मार्गदर्शन और सतत निगरानी के परिणामस्वरूप संभव हो सकी। उनके नेतृत्व में विद्युत (सामान्य) विभाग की संपूर्ण टीम ने सभी ऊर्जा संरक्षण परियोजनाओं का प्रभावी एवं समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया।

विभाग ने नियमित ऊर्जा ऑडिट, बिजली खपत का वैज्ञानिक लोड विश्लेषण, स्टेशनङ्कवार ऊर्जा प्रोफाइलिंग, स्टाफ में ऊर्जा जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण एवं अभियान, तथा ऊर्जाङ्कसक्षम तकनीकों के चरणबद्ध क्रियान्वयन जैसे अनेक महत्वपूर्ण प्रयास किए। साथ ही मंडल रेल प्रबंधक, पंकज त्यागी के दूरदर्शी नेतृत्व, नीतिगत समर्थन तथा नवोन्मेषी उपायों को प्रोत्साहन ने मंडल की ऊर्जा दक्षता सुधार योजनाओं को अभूतपूर्व गति प्रदान की, जिसके संयुक्त प्रयासों से मियाना स्टेशन को राष्ट्रीय स्तर पर यह सम्मान प्राप्त हुआ।

भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ नामदेव समाज का युवक-युवती परिचय सम्मेलन

अन्य जिलों से भी उपस्थित हुए लोग, फरवरी में होगा विवाह का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र नामदेव क्षत्रिय एकता परिषद के तत्वाधान में रविवार को नामदेव समाज के युवक युवतियों का भव्य सम्मेलन बंसी वाले मैरिज गार्डन दमोह नाका शांति नगर में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक डॉ अभिलाष पांडे उपस्थित रहे। कार्यक्रम में 1000 से अधिक युवक-युवतियां का पंजीयन होकर मंच से परिचय कराया गया । इस सम्मेलन में जबलपुर के अतिरिक्त आसपास के जिले मंडला, सिवनी, बालाघाट, छिंदवाड़ा आदि युवक युवती सम्मलित हुए । जिनका पंजीयन हुआ, उनका विवाह 21 फरवरी 2026 को शुभ मुहूर्त में संस्था द्वारा कराया जाएगा। नामदेव समाज के हजारों लोग शामिल हुए। कार्यक्रम को सफल बनाने में राम भारत नामदेव प्रांतीय अध्यक्ष, जेपी वर्मा कार्यकारी प्रांत अध्यक्ष, लक्ष्मण नामदेव, छोटेलाल नामदेव, रूपराम नामदेव, रामप्रकाश नामदेव, अरविन्द नामदेव, प्रदीप नामदेव, दीपक नामदेव, कैलाश नामदेव, रवि नामदेव, गीता नामदेव, ज्योति नामदेव, रश्मि नामदेव अध्यक्ष महिला मंडल, प्रिया नामदेव, एड. प्रकाश नामदेव, कुलदीप नामदेव, अनूप नामदेव, ब्रजलाल, मानकलाल, सतेन्द्र, टीपी नामदेव आदि की भूमिका रही।

शराब के लिये रूपए न देने पर मारा चाकू

जबलपुर । हनुमानताल थाने में मारपीट में घायल को उपचार हेतु विक्टोरिया अस्पताल ले जाये जाने की सूचना पर पहुंची पुलिस को अहमद अली उम्र 20 वर्ष निवासी हड्डी गौदाम हनुमानताल ने बताया कि वह पेंटिंग का काम करता है । वह नूरानी मस्जिद के सामने ठक्कर ग्राम हनुमानताल पर किराना दुकान से सामान ले रहा था वहां पर अजमेरी आकर पुरानी बुराई को लेकर गाली गलोज करते हुये शराब पीने के लिये 200 रूपये मांगने लगा, उसने रूपये देने से मना किया तो अजमेरी ने चाकू से हमलाकर उसकी दाहिनी जांघ में, सिर एवं हाथ की बीच वाली उंगली में चोट पहुंचा दी।

जैविक उत्पाद खरीदने लोगों का उमड़ा सैलाब

कृषि उपज मंडी में प्रत्येक रविवार को लगाया जा रहा बाजार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जिला प्रशासन एवं किसान कल्याण तथा कृषि विभाग की संयुक्त प्रयासों से लगातार तीसरे रविवार को कृषि उपज मंडी परिसर जबलपुर में जैविक हाट का आयोजन किया गया। जैविक उत्पादों के प्रति धीरे-धीरे जागरूक हो रही जबलपुर की जनता ने इस बार भी जैविक हाट में जमकर खरीदारी की। उप संचालक कृषि डॉ एस के निगम ने बताया कि इस बार के जैविक हाट में न सिर्फ जैविक उत्पादों का विक्रय करने वाले किसानों के साथ-साथ जैविक सामग्री क्रय करने लोगों ने भरपूर उत्साह दिखाया और सवेरे से ही खरीदारी के लिये हुजूम उमड़ पड़ा। उन्होंने बताया कि प्रत्येक रविवार को आयोजित किये जा रहे जैविक हाट में किसान कल्याण तथा कृषि विभाग, आत्मा परियोजना एवं एनआरएलएम से जुड़े जैविक खेती करने वाले किसानों ने जैविक उत्पादों का विक्रय किया। अनुविभागीय कृषि अधिकारी प्रतिभा गौर ने बताया कि इस रविवार के जैविक हाट में गोदावरी जैविक कृषि फार्म की जैविक हल्दी एवं जैविक नींबू चटनी, जैविक बासमती चावल, श्री रघुवीर कृपा का जैविक गुड़ मुख्य आकर्षण का केंद्र रहे।?इसके साथ ही विभिन्न पत्तेदार जैविक सब्जियाँ जैसे मेथी, पालक, बथुआ, चने की भाजी, लौकी, सेम, कद्दू, मूली तथा फलों में अमरूद, पपीता, केला आदि की भरपूर बिक्री हुई। इस प्रकार तेजी से लोकप्रिय हो रहे जैविक हाट ने लोगों को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के साथ किसानों को भी जैविक खेती का रकबा बढ़ाने के लिये प्रेरित किया है।

जैविक हाट के संचालन में वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी एल पी उइके, कृषि विस्तार अधिकारी गायत्री कोरी एवं शुभि रूसिया विकासखंड कुंडम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

खराब ट्रांसफार्मर से हो रहा फसलों को नुकसान

संयुक्त किसान मोर्चा ने प्रशासन से की खराब ट्रांसफार्मर बदलने की मांग

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। महाकौशल प्रांत की धरती उपजाऊ तो बहुत है और किसान भी अपनी ताकत से ज्यादा मेहनत कर धरती को अन्न का कटोरा बनाने में जी जान लगा देते हैं। परंतु शासन, प्रशासन और बिजली के अफ़सरों की नादराशही के कारण जो भी किसानों ने परमानेंट कनेक्शन अथवा अस्थाई बिजली कनेक्शन ले रखे हैं उनको पर्याप्त बिजली न मिलने के कारण बोर काम नहीं कर रहे हैं। कुछ खेत पर बोनी हो गई है कुछ खेत पर पानी न होने की अवस्था में खेत पर हल भी चलाना मुश्किल हो गया है। छोटे छोटे किसान जो कि सब्जी भाजी, बागवानी, और खेतो पर दुधारू गाय भैंस, बकरिया बिजली न आने पर प्यासे मर रहे है। संपूर्ण जबलपुर, ग्रामीण में यही समस्या बनी हुई है कुंडम तहसील जो की आदिवासी, पिछड़ा, बाहुल्य क्षेत्र विकास अभी भी ना के बराबर है। वहां पर ग्राम नेगई,तिलसानी फीडर से खराब ट्रांसफार्मर को बदलने के बाद बिजली विभाग के द्वारा पता नहीं किस क्वालिटी और लोड का ट्रांसफर लगाया गया है । जिससे वहां के आसपास के किसान खून के आंसू रो रहे हैं विधायक और अन्य प्रतिनिधि व बिजली विभाग के आला अधिकारी से शिकायत करने के बाद भी अभी तक कोई भी सुधार कार्य नहीं किया गया है। नवंबर से दिसंबर 2 माह में ऐसे 15 दिन होते हैं जिसमें अगर पानी पर्याप्त जमीन पर नहीं मिला तो जमीन बंजर हो जाएगी। संयुक्त किसान मोर्चा ने जल्द से जल्द ने गई का ट्रांसफर कर सुधार कार्य कर कर नया पावर का ट्रांसफार्मर लगाने, व लगे ट्रांसफार्मर के गुणवत्ता की जांच की मांग एवं संपूर्ण महाकौशल में पर्याप्त बिजली की सुचारू रूप से व्यवस्था करने की मांग की है। संयुक्त किसान मोर्चा के रामरतन यादव, एड सुधीर शर्मा, सरमन रजक, पूर्व विधायक नन्हे लाल धुर्वे, विवेक अवस्थी आदि ने उक्त मांग की है।

सूने मकान से चोरों ने पार किए सोने-चांदी के जेवर

जबलपुर। संजीवनीनगर थाने में बीती रात्रि सरस्वती बर्मन उम्र 35 वर्ष निवासी उन्नतिनगर नर्मदाकुंज परिसर परसवाड़ा ने रिपोर्ट दर्ज कर बताया कि विगत दिन वे घर में ताला बंद कर रांझी शादी में परिवार सहित गई थी। रात को लौटी तो देखा कि टावर का ताला टूटा था। उसने डायल 112 को सूचना दी । पति के साथ कमरे में देखा तो सामान बिखरा हुआ था। आलमारी में रखे सोने की 2 अंगूठी, 1 हाय, चांदी की करधन, 2 जोड़ी पायल, 3 अंगूठी, खुसना नहीं था।

महिला सशक्तिकरण के लिए कार्य करेगा महिला मोर्चा : अश्वनी परांजपे

पदभार ग्रहण कर जबलपुर पहुंची महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। संस्कारधानी आशीर्वाद की भूमि है जिसने यहां पूरी कर्तव्य निष्ठा से कार्य किया है उसे संस्कारधानी में जरूर आशीर्वाद दिया है बहन को प्राप्त आशीर्वाद में सभी बहनों के सहयोग के साथ सभी भाइयों का भी पूर्ण सहयोग रहा है, भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने जबलपुर की बेटी को सम्मान देकर जबलपुर की कार्यकर्ताओ का मान बढ़ाया है इसके लिए मैं केंद्रीय और प्रदेश के नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करती हूं यह बात भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष का पदभार ग्रहण के पश्चात प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी परांजपे राजवाड़े ने स्वागत रैली के समापन अवसर पर भाजपा संभागीय कार्यालय रानीताल में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कही। श्रीमती अश्विनी परांजपे के पदभार ग्रहण करने के पश्चात प्रथम नगर आगमन पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने पिसनहारी की मडिया में भव्य स्वागत कर उनकी अगवानी की इसके पश्चात् स्वागत रैली त्रिपुरी चौक से पंडा की मडिया, शाहीनाका, संजीवनी नगर से कछपुरा ब्रिज होते हुए यादव कॉलोनी से रानीताल चौक से भाजपा कार्यालय पहुंची, कार्यालय में श्रीमती पराँजपे के स्वागत हेतु अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, विधायक अशोक रोहाणी, विधायक अभिलाष पांडे आदि उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय रामायण कॉन्फ्रेंस ने इंजी. संतोष कुमार मिश्र हुए सम्मानित

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। विगत दिवस अंतर्राष्ट्रीय रामायण शोध संस्थान अयोध्या शोध संस्थान वृंदावन एवं तारक सेवा मंडल बनारस के संयुक्त तत्वाधान में अंतराष्ट्रीय स्तर पर भारत की अस्मिता श्रीराम कथा विषय पर एक वृहद कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। जिसमें देश-विदेश से पधारे विद्वतजनों ने शिरकत की। इस कार्यक्रम में रामायण केंद्र जबलपुर इकाई के संयोजक एवं धर्म,आध्यात्म व दर्शन के क्षेत्र में देश-विदेश में तेजी से उभरते, प्रसिद्ध धार्मिक चिंतक इंजी. संतोष कुमार मिश्र असाधु जोकि वर्तमान में मध्य प्रदेश पॉवर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड जबलपुर में सुपरिटेंडिंग इंजीनियर के पद पर कार्यरत हैं, उनके द्वारा श्रीरामचरित मानस में तापस प्रसंग विषय पर एक बेहद महत्वपूर्ण शोधपत्र प्रस्तुत किया गया । अपने वक्तव्य के दौरान श्री मिश्र द्वारा रामायण के सम्बन्ध में विभिन्न भ्रामक दुष्प्रचारो का खंडन करते हुए मोक्ष दायिनी काशी का संबंध किसी साधक के चेतना की आकाशीय स्थिति की उपलब्धि से प्रतिपादित किया गया। श्री मिश्र द्वारा किसी साधक के समाधि की गहराई में उसके चेतना के उत्थान की आकाशीय अवस्था में परा वाणी से उद्घाटित हुए प्रणव अर्थात राम नामक शब्द को ही इस भवसागर का तारक मंत्र उदघोषित किया जिसकी वहां काफी सराहना की गई । जन जागृति की दिशा में इस तरह के अभिनव कार्य करते हुए श्री मिश्र ने संस्कारधानी का नाम अंतरराष्ट्रीय क्षितिज पर पुनः गौरवान्वित किया है।

श्रीमती सरोज चौबे का निधन

जबलपुर । स्टेट बैंक कालोनी बलदेवबाग निवासी श्रीमती सरोज चौबे का विगत 14 दिसम्बर को निधन हो गया। वे मदन कुमार चौबे की पत्नी, स्व. अज्जू चौबे की माताजी, अस्मित और अचिन्तय चौबे की दादी एवं राजू चौबे, बबलू चौबे, एड. अखिलेश चौबे की चाची हैं। उनका अंतिम संस्कार आज 15 दिसंबर को प्रातः 10 बजे रानीताल मुक्ति धाम में किया जावेगा।

स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर का ऊर्जा सचिव ने किया दौरा

कार्यप्रणाली का लिया जायजा लेकर अधिकारियों को दिए निर्देश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

ऊर्जा विभाग के सचिव एवं एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी के प्रबंध संचालक विशेष गढ़पाले ने अपने जबलपुर प्रवास के दौरान मप्र पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी(एम पी ट्रांसको) के मुख्यालय जबलपुर मे नयागांव स्थित स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर का दौरा किया। श्री गढ़पाले ने स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर जबलपुर में अत्याधुनिक तकनीक के उपकरणों की सहायता से प्रदेश की विद्युत प्रणाली के रियल टाइम मॉनिटरिंग, समूचे प्रदेश एवं ग्रिड के सब-स्टशेनों से आने वाले डेटा, ग्रिड अनुशासन, एक्स्ट्रा हाई टेंशन सब-स्टेशनों के लोड पैटर्न, एनर्जी अकाउंटिंग, ओपन एक्सेस आदि के बारे में जानकारी प्राप्त की और आवश्यक निर्देश दिए।

साइबर सिक्योरिटी के बारे में जाना

उन्होंने स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर की साइबर सिक्योरिटी के संबंध में जानकारी ली। उन्हें बताया गया कि इस संबंध में मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी की साइबर सिक्योरिटी से संबंधित प्रक्रियाओं को राष्ट्रीय स्तर पर केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा अन्य प्रदेशों के लोड डिस्पैच सेंटरों को भी अनुपालन हेतु सलाह दी गई है। ऊर्जा सचिव श्री गढपाले ने प्रदेश में बिजली संकट की स्थिति में स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर के डिजास्टर मैनेजमेंट संबंधित तैयारी की जानकारी ली। उन्हें बताया गया कि लोड डिस्पेच सेंटर में समय-समय पर मॉक ड्रिल से सिस्टम की विश्वसनीयता और विपरीत परिस्थितियों से निपटने के इंतजामों का परीक्षण किया जाता है। ऊर्जा सचिव ने लोड डिस्पेच सेंटर में मध्यप्रदेश में बिजली व्यवस्था बनाए रखने के लिए की जाने वाली पॉवर शिड्यूलिंग, विद्युत उत्पादन गृहों से समन्वय, शट डाउन के समय संदेशों का आदान प्रदान, मध्यप्रदेश की 400 के.व्ही. की ट्रांसमिशन लाइनों में पॉवर फ्लो, रिन्यूअल इनर्जी का उत्पादन जैसे अनेक अन्य तकनीकी पहलुओं पर भी चर्चा की।

उन्होंने वन-नेशन-वन ग्रिड की अवधारणा को भी समझा और प्रदेश में सोलर एनर्जी के बढ़ते उत्पादन को ग्रिड के साथ इंटीग्रेट करने की चुनौतियों से निपटने के लाइन आफ एक्शन प्लान पर भी जानकारी प्राप्त की ।

श्री गढ़पाले ने देश के सर्वश्रेष्ठ लोड डिस्पेच सेंटर्स में से एक मध्यप्रदेश के स्टेट लोड डिस्पेच सेंटर की विश्व स्तरीय व्यवस्थाओं और उसकी कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए कहा कि इतने कॉम्पलेक्स सिस्टम को 24ङ्क7 सटीकता से चलाना एक बड़ा चुनौतीपूर्ण टास्क है। निरीक्षण के समय श्री गढ़पाले के साथ मप्र पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध संचालक सुनील तिवारी, स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर के मुख्य अभियंता प्रदीप सचान सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत आंजनबिहरी के सरपंच दीपक पुष्पतोड़े पद से पृथक

काम्प्लेक्स निर्माण आवंटन मामले में सीईओ ने की धारा 40 की कार्यवाही

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

जनपद पंचायत कटंगी के अंतर्गत ग्राम पंचायत आंजनबिहरी के सरपंच दिपक पुष्पतोड़े पर म.प्र. पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 40 (1-क) के तहत दोषी पाये जाने से सरपंच पद से तत्काल पृथक किया गया है तथा आगामी छः वर्ष की कालावधि के लिये निरर्हित घोषित किया जाता हैं। इसके साथ ही सचिव राजकुमार मानकर की 05 दिवस की वेतन कटौती की गई हैं। इधर, पंचायत में कार्यवाहक संरपच का चुनाव भी कराया गया जिसमें पंच दिनेश पुष्पतोड़े को समर्थित पंचों ने निर्विरोध चुना हैं। यह कार्यावाही को लेकर पंचायत के पंचो में नाराजगी दिखाई दी, और उन्होने कहा कि यह कार्यवाही राजनीति द्वेष के चलते की गई हैं। जानकारी अनुसार, आंजनबिहरी निवासी ग्रामीण राजु मेश्राम ने शिकायत की थीं कि नियम विरूद्ध शापिंग काम्प्लैक्स आबंटन किया गया हैं। सरपंच/सचिव द्वारा काम्प्लैक्स निर्माण की सी.सी. जारी किये बगैर, बिना उच्च अधिकारियों की सहमति के 04 दुकाने आबंटित किये गए है। जिस पर एक जांच टीम बनाकर जांच कराई गई,जिसमें आंजनबिहरी में 15 वॉ वित्त आयोग से शापिंग काम्प्लेक्स निर्माण 6.70 लाख रूपये से 04 कमरों का निर्माण कराया गया। कार्य का मूल्यांकन हो चुका भुगतान शेष हैं कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र जारी नहीं हुआ है। सरपंच द्वारा बगैर पंचायत की सहमति के एवं उच्चाधिकारी को जानकारी दिये बगैर उन लोगो को 7-8 माह पूर्व 04 दुकाने आबंटित कर दी गई जिनकी पूर्व में दुकाने थी, दुकानदारो द्वारा आबंटित दुकानों पर अपना-अपना नाम भी लिखा रखा हैं।

शॉपिग कॉम्लेक्स का मामला...

तात्कालिन सरपंच पुष्पतोड़े ने अधिकारियों को बताया कि ग्राम पंचायत आंजनबिहरी में मा.शा. के सामने आबादी भूमि में लगभग 15-16 वर्षों से ग्राम के परदेश सिंह गाडेकर, हरिचंद मेश्राम तथा अश्विनी मालाधरे दुकान चला रहे थे। उक्त स्थान पर 15 वित्त से 04 कमरों का शॉपिग कॉम्प्लेक्स कार्य स्वीकृत कर कराया जा रहा है, विद्युत कलेक्शन नहीं हुआ है। कार्य प्रगतिरत है, कार्य की सी.सी. जारी नही हुई है। कार्य की सी.सी. जारी होने तक मेरे द्वारा उक्त पहले से इसी स्थान पर स्थित दुकानदारों को अस्थाई रूप से दिया गया है। कार्य की सी.सी होने के बाद शॉपिग कॉम्प्लेक्स का वितरण नियमानुसार किया जावेगा। तात्कालीन सचिव राजकुमार मानकर ने जवाब दिया कि मेरे बिना संज्ञान के एवं बिना ग्राम पंचायत की बैठक की सहमति के सरपंच द्वारा शॉपिग कॉम्प्लेक्स के चार कमरे अस्थायी रूप से दे दिया गया।

सीईओं ने की कार्यवाही...

जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ ने जांच प्रतिवेदन के आधार पर ग्राम पंचायत आंजनबिहरी में शॉपिग कॉम्प्लेक्स का निर्माण किया गया, जिसमें विद्युत कार्य होना शेष है तथा सी.सी. जारी नही किया गया है। बगैर पंचायत की सहमति के, सचिव के संज्ञान में लाये बगैर एवं उच्चाधिकारी को जानकारी दिये बगैर 7-8 माह पूर्व 4 दुकाने आवंटित कर दी गई, दुकानदारों ने अपना-अपना नाम भी लिखा रखा हैं। नीलामी की प्रक्रिया किये किये बिना शासन को वित्तीय हानि एवं कुछ लोगों को लाभ दिलाये जाने की मंशा से कार्य किया गया। म.प्र. पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 40 के तहत अपने कर्तव्यों के निर्वहन में अवचार का दोषी पाये जाने दीपक पुष्पतोड़े, सरपंच को 28 नवम्बर को सरपंच पद से तत्काल पृथक किया जाता है तथा आगामी छः वर्ष की कालावधि के लिये निरर्हित घोषित किया जाता हैं। राजकुमार मानकर, ता. सचिव को आंशिक रूप से दोषी पाये जाने से 05 दिवस की वेतन कटौती की जाती हैं।

आंजनबिहरी पंचायत के कार्यवाहक सरपंच बने दिनेश

आंजनबिहरी पंचायत के कार्यवाहक सरपंच पद के लिए 19 दिसम्बर को चुनाव किया गया, जिसमें पंचायत के 19 पंचो में 15 पंचो के द्वारा कार्यवाहक सरपंच पद के लिए पंच दिनेश पुष्पतोड़े को निर्विरोध चुन लिया गया। दिनेश पुष्पतोड़े ने बताया कि दिपक पुष्पतोड़े सरपंच पर राजनीति द्वेष पूर्ण कार्यवाही की गई है, जबकि पंचायत के द्वारा ग्राम सभा में सभी पंचो की सहमति के आधार पर कॉम्प्लेक्स अस्थाई रूप से वितरण का प्रस्ताव बनाया गया और उसी के तहत में अस्थाई रूप से जिस स्थान पर दुकाने पूर्व में संचालित थी उसी को दुकान का वितरण कर दिया गया है। दिपक पुष्पतोड़े राजनीति से जुड़ा हुआ हैं और वह पठार सर्घष समिति का भी निर्वहन कर रहा हैं।

विधायक ने सांवरी, सादाबोड़ी व हरदोली में विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

कटंगी(स्वतंत्र मत)

ग्राम सांवरी, सादाबोड़ी एवं हरदोली में सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के संचालन हेतु सभा मंच निर्माण का भूमिपूजन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। ग्राम सांवरी के शीतलगढ़ शिव मंदिर परिसर के समीप आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक गौरव सिंह पारधी ने विधिवत पूजा-अर्चना कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। तीनों गांवों में सभा मंच निर्माण से ग्रामीण क्षेत्रों में सार्वजनिक आयोजनों के लिए स्थायी सुविधा उपलब्ध होगी। विधायक गौरव सिंह पारधी ने कहा कि गांवों का समग्र विकास उनकी प्राथमिकता है। सभा मंच जैसे कार्य गांव की सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों द्वारा रखी गई सभी मांगों को गंभीरता से लिया गया है और संबंधित विभागों के माध्यम से उनका समाधान किया जाएगा।

वन परिक्षेत्र उकवा में किया गया बाघ आंकलन

उकवा(स्वतंत्र मत)। मुख्य वन संरक्षक वन वृत बालाघाट एवं वनमंडलाधिकारी उत्तर बालाघाट सामान्य के निर्देशन में कान्हा राष्ट्रीय उद्यान के मार्गदर्शन में वन परिक्षेत्र उत्तर उकवा सामान्य अंतर्गत सम्पन्न हुआ अखिल भारतीय बाघ आकलन। इस वर्ष 02 दिसंबर से 04 दिसंबर तक मांसाहारी वन्यप्राणी एवं बड़े शाकाहारी वन्यप्राणी के साक्ष्यों का संग्रहण किया गया जिसमें परिक्षेत्र अंतर्गत बाघ, तेंदूआ, भालू के विष्ठा, पगमार्क, स्क्रैच, खुदाई भारी मात्रा में देखी गई इससे अनुमान लगाया जा सकता है कि वनों में वन्यप्राणी की उपस्थिति बनी हुई है। इसके साथ ही दिनांक 12 से 14 दिसंबर तक शाकाहारी जानवरों की पहचान किया गया परिक्षेत्र अंतर्गत नीलगाय, सांभर, चीतल, बंदर, खरहा, लंगूर, जंगली सूअर आदि जानवरों की उपलब्धता पाई गई, वन क्षेत्र वन्यप्राणी से भरपूर है हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी डिजिटल और ऐप-आधारित सर्वेक्षण किया गया इसके लिए पारंपरिक तरीकों के साथ-साथ एम-स्ट्राइप्स इकोलॉजिकल ऐप और कैमरा ट्रैप तकनीक का भी उपयोग किया जा रहा है, जिससे डेटा संग्रह अधिक सटीक और पारदर्शी हो सके।

किसान सरकार की वादा-खिलाफी से नाराज, किसानों ने किया अर्धनग्न प्रदर्शन

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

प्रदेश में भाजपा सरकार बनने के बावजूद किसानों से किया गया वादा पूरा नहीं होने से किसान नाराज है, सरकार की वादाखिलाफी से नाराज, जिले के किसानों ने एक पखवाड़ा में किसानों संगठनो ने तीन बड़े आंदोलन कर सरकार का विरोध तेज कर दिया है। शनिवार को रामपायली में किसानों ने अर्धनग्न प्रदर्शन किया और तकरीबन आधा घंटे तक वारासिवनी-तुमसर मार्ग पर चक्काजाम किया। किसान संगठनों का आरोप है मोदी गारंटी के नाम पर भाजपा ने बीते विधानसभा चुनाव से पहले किसानों से वादा किया था कि सरकार, किसानो की उपज धान को 31 सौ और गेंहू को 27 रूपए के समर्थन मूल्य में खरीदेगी, लेकिन प्रदेश में सरकार बनने के बाद वह, अपने वादो से मुकर गई है। कृषक भारतीय संगठन के जिलाध्यक्ष कुंजबिहारी दुबे ने बताया कि लोकसभा चुनाव में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, जब बालाघाट के रामपायली पहुंचे थे तो यहां भगवान राम बालाजी की धरती पर कहा था कि हमने जो किसानों से वादा किया है, वह पूरा करेंगे, लेकिन आज दो साल होने के बावजूद, सरकार ने किसानों से किया गया वादा पूरा नहीं किया है। सरकार दो साल का महोत्सव मना रही है और आज हम काला दिवस मना रहे है। किसान नेता डुलेन्द्र ठाकरे ने बताया कि आज सबसे ज्यादा किसान परेशान है, चाहे वह भाजपा हो या कांग्रेस, चुनाव में सब वादा तो करते है लेकिन चुनाव के बाद वह भुल जाते है। उन्होंने किसानों का आग्रह किया है वे अपने हित में दलगत भावना से हटकर साथ रहे। अब यदि नेता आए तो उन्हें गांव में घुसने नहीं दे।

बैहर में दुग्ध शीतलीकरण संयंत्र का हुआ शुभारंभ

आदिवासी अंचल में दुग्ध क्रांति की नई पहल

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

दुग्ध उत्पादकों को सशक्त बनाने और दुग्ध गुणवत्ता को संरक्षित रखने की दिशा में बालाघाट दुग्ध संघ ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। जिले के बैहर विकासखंड में आदिवासी छात्रावास के समीप, मलाजखंड रोड स्थित दुग्ध शीतलीकरण संयंत्र (बल्क मिल्क कूलर) को 13 दिसंबर 2025 से विधिवत प्रारंभ कर दिया गया है। शुभारंभ के पहले ही दिन क्षेत्र की 6 दुग्ध सहकारी समितियों से लगभग 642 लीटर दूध का संकलन किया गया है। कलेक्टर मृणाल मीना के मार्गदर्शन में नया बैहर-बिरसा मिल्क रूट प्रारंभ किया गया है। अब तक बालाघाट से अधिक दूरी होने के कारण दूध के परिवहन में समय लगता था, जिससे गुणवत्ता प्रभावित होने की आशंका बनी रहती थी। इसी समस्या के समाधान के लिए यह दुग्ध शीतलीकरण संयंत्र स्थापित किया गया है, जिससे समितियों से संकलित दूध का त्वरित शीतलीकरण संभव हो सकेगा और दुग्ध की गुणवत्ता बनी रहेगी। यह संयंत्र 2000 लीटर क्षमता वाले बल्क मिल्क कूलर के रूप में स्थापित किया गया है, जिसे जबलपुर दुग्ध संघ द्वारा ड्डष्ठस्ब्ट प्राइवेट लिमिटेड, गुजरात से क्रय किया गया है। इस संयंत्र की लागत लगभग 8 लाख रुपये बताई गई है। उल्लेखनीय है कि बैहर एवं बिरसा विकासखंड बालाघाट जिले के आदिवासी बहुल एवं नक्सल प्रभावित क्षेत्र रहे हैं। ऐसे क्षेत्र में दुग्ध शीतलीकरण संयंत्र और नया मिल्क रूट शुरू होना न केवल दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देगा, बल्कि स्थानीय किसानों और पशुपालकों के लिए रोजगार एवं आय के नए अवसर भी सृजित करेगा। दुग्ध संघ के इस प्रयास से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में ठोस पहल होगी। आने वाले समय में दुग्ध संकलन की मात्रा बढ़ने के साथ ही यह संयंत्र आदिवासी अंचल में आर्थिक सशक्तिकरण का केंद्र बनकर उभरेगा।

जल संचय अभियान अंतर्गत ग्राम पंचायत औढेरा में वृहद बोरी बंधान कार्यक्रम संपन्न

उमरिया (स्वतंत्रमत)। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड पाली अंतर्गत पाली ब्लॉक के सेक्टर क्रमांक 4 ग्राम पंचायत ओढेरा में गाढ़ा घाट में जल संचय अभियान अंतर्गत बोरी बंधान का बृहद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर जल संचय हेतु मध्यप्रदेश सरकार द्वारा संचालित प्रदेश स्तरीय बोरी बंधान कार्यक्रम में सहभागिता किया गया। बोरी बंधान का कार्यक्रम जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक रवींद्र शुक्ला के दिशा निर्देश एवं मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। जिला समन्वयक रवींद्र शुक्ला ने कहा कि जल समस्त प्राणी जगत के लिए अमृत समान है एवं जल के हर एक-एक बूंद का संचय करना हम सभी का दायित्व हैं। उन्होंने जीव जंतु ,पशु पक्षी, पेड़ पौधे एवं मानव जीवन को जल के अभाव में अस्तित्व विहीन बताया तथा जल के आभाव में जीवन की कल्पना असंभव है। मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम अंतर्गत छात्र/छात्राओं के सहयोग से एवं ग्रामीण समुदाय के सहयोग से बोरी बंधान जलसंचय एक महत्वपूर्ण आयाम एवं वर्षा के जल को संरक्षित करने के लिए जल संरक्षण आवश्यक हैं उनका भविष्य के लिए उपयोग करने तथा वर्षा के जल को अधिक दिनों तक संरक्षण हेतु बोरी बधान कार्यक्रम संपन्न हुआ।

करंट से हुई बाघ की मौत, पोस्टमार्टम से हुआ खुलासा सो रहा वन विभाग, जिम्मेदारी तय करने की उठी माँग..!

उमरिया (स्वतंत्रमत)

जिले के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से जुड़े चंदिया वन परिक्षेत्र के जंगल में बाघ टी-185 की करंट लगने से मौत हो गई है। शनिवार 13 दिसंबर को मिले बाघ के शव का रविवार 14 दिसंबर को डॉक्टरों की स्पेशल टीम ने पोस्टमॉर्टम किया। वन विभाग शिकारियों की तलाश में जुट गया है। डॉग स्क्वॉड की टीम भी सर्चिंग कर रही है। आरोपियों को पकड़ने के लिए एक विशेष टीम का गठन किया गया है।अधिकारियों की निगरानी में मध्यप्रदेश राज्य वन विकास निगम की चंदिया रोपणी में सुरक्षित स्थान पर बाध का अंतिम संस्कार किया गया।वन संरक्षक ने बताया करंट लगने से मौत हुई है। यह नर बाघ लगभग 8 साल का था। इसका शव शनिवार को चंदिया वन परिक्षेत्र के आरएफ 10 में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला था। बाघ की पहचान टी-185 के रूप में हुई है, जो बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के खितौली और चंदिया वन परिक्षेत्र में रहता था। शहडोल के प्रभारी मुख्य वन संरक्षक अनुपम सहाय ने बताया कि बाघ की मौत करंट लगने से हुई है। मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। बाघ से करंट की मौत के बाद वन विभाग ने डॉग स्क्वॉड से सर्चिंग कराई। दो घरों में सर्चिंग के साथ तीन संदेहियों से वन विभाग ने पूछताछ शुरू की है। पूरे क्षेत्र में अतिरिक्त टीम के साथ सर्चिंग कराई जा रही है। मौके पर कुछ जीआई तार और खूंटी भी मिली है। शिकारियों की भी तलाश की जा रही है। वही लगातार हो रही मौतों पर वन्यजीव प्रेमियों में काफी निराशा है और उन्होंने इसकी जिम्मेदारी तय करने की मांग की है और जब तक जिम्मेदारी तय नहीं होगी ऐसे ही अधिकारी लापरवाह रहेंगे और छोटे कर्मचारियों पर इसकी गाज गिराकर ऐसे ही मलाई छानते रहेंगे.!

सीएमएचओ ने की राष्ट्रीय कार्यक्रमों की समीक्षा

उमरिया (स्वतंत्रमत)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी की अध्यक्षता में समस्त राष्ट्रीय कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, टीबी, मलेरिया और आयुष्मान

आदि सभी महत्वपूर्ण कार्यक्रमों पर चर्चा और समीक्षा की गई तथा जिले के समस्त सैक्टर सुपरवाइजर्स को राष्ट्रीय कार्यक्रमों के सफल एवं सुचारू संचालन हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ व्ही एस चंदेल और जिला टीकाकरण अधिकारी द्वारा उचित मार्गदर्शन देते हुए बताया गया की शिशु के सम्पूर्ण टीकाकरण, गर्भवती माताओं की चार जॉच एवं संस्थागत प्रसव हेतु मॉनिटरिंग करते हुए सभी हितग्राहियों को स्वास्थ्य सेवाओ का लाभ प्रदान करने में समन्वय के साथ कार्य करें।सामुदायिक स्वास्थय अधिकारी एएनएम आशा आशा सुपरवाइजर के बीच समन्वय कर कार्य को संपादित करने हेतु निर्देशित किया गया। इस दौरान जिला कार्यक्रम प्रबंधक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन दशन पंद्राम और जिला कार्यक्रम समन्वयक शारदा प्रसाद गुप्ता एवं समस्त सेक्टर सुपरवाइजर उपस्थिति रहे।

मानव वन्य प्राणी द्वंद्व को कम करने के लिए छतवा में लगी प्रकृति की पाठशाला

उमरिया (स्वतंत्रमत)

क्षेत्र संचालक बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व उमरिया के मार्गदर्शन तथा उप संचालक प्रकाश वर्मा के निर्देशन में बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व उमरिया, इको क्लब शासकीय हाई सेकेंडरी स्कूल ताला एवं बांसुरी फाउंडेशन द्वारा संयुक्त रूप से वन परिक्षेत्र पनपथा बफर के पथरहटा सर्कल के ग्राम छतवा में पर्यावरण जागरूकता (प्रकृति की पाठशाला) कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस अवसर पर माध्यमिक शाला छतवा के 20, शासकीय हाई स्कूल महादेवा के 30 एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ताला के 25 विद्यार्थी उपस्थित रहे। विद्यार्थियों के लिए वन एवं वन्य प्राणियों के संरक्षण हेतु जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान चित्रकला प्रतियोगिता, मेढक दौड़, बोरा दौड़ एवं सांप -सीढ़ी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ताला के विद्यार्थियों द्वारा बाघ संरक्षण के महत्व को मैं भी बाघ गीत पर नृत्य प्रस्तुति के माध्यम से बताया गया। सभी प्रतियोगिता में प्रथम , द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर आने वाले विद्यार्थियों को मुख्य अतिथि सहायक संचालक पनपथा बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व उमरिया के द्वारा पुरस्कृत किया गया। विद्यार्थियों को बीट बराघाटी के वन क्षेत्र में पाए जाने वाले लकड़ी के जीवाश्म के संबंध में भ्रमण कराकर जानकारी दी गई। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी प्रतिभागियों द्वारा पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली गई। कार्यक्रम में सहायक संचालक भूरा गायकवाड़ पनपथा ,परिक्षेत्र अधिकारी पनपथा प्रतीक श्रीवास्तव, प्राचार्य नागेंद्र तिवारी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ताला,प्राचार्य शासकीय हाई स्कूल महादेवा तथा शासकीय माध्यमिक शाला छतवा के शिक्षक उपस्थिति रहे।

न्यायालय तहसीलदार किरनापुर, जिला बालाघाट म.प्र.

रा.प्र.क./0026/ड-154/वर्ष 2024-25
साकिनः- सेवती प.ह.नं.- 70
रा.नि.मं. सेवती तहसील किरनापुर

-::आम-सूचना::-

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक होलीराम पिता शिवलाल जाति पंवार निवासी ग्राम गुलवा टोला सेवती तहसील किरनापुर जिला बालाघाट म.प्र. द्वारा अपने पिताजी शिवलाल पिता फकीर पारधी की मृत्यु दिनांक 29/09/2003 को मृत्यु के 1 वर्ष पश्चात पंजीयन की अनुमति मिलने हेतु लोकसेवा केन्द्र किरनापुर के माध्यम से आवेदन पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया है।

अतः उक्त के संबंध में हित रखने वाले सभी व्यक्ति यों को सूचित किया जाता है, कि वे निश्चित दिनांक 17/12/2025 को या तो स्वयं, किसी अभिभाषक अथवा प्रतिनिधी द्वारा उपस्थित होकर कोई आपत्ति हो तो प्रस्तुत करें। नियत दिनांक के बाद प्रस्तुत आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। नियत दिनांक के बाद प्रस्तुत आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। दिनांक 02/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर के अधीन जारी किया गया।विचार नहीं किया जावेगा।

तहसीलदार, किरनापुर

न्यायालय तहसीलदार किरनापुर, जिला बालाघाट म.प्र.

रा.प्र.क./0025/ड-154/वर्ष 2024-25
साकिनः- सेवती प.ह.नं.- 70
रा.नि.मं. सेवती तहसील किरनापुर

-::आम-सूचना::-

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक होलीराम पिता शिवलाल जाति पंवार निवासी ग्राम गुलवा टोला सेवती तहसील किरनापुर जिला बालाघाट म.प्र. द्वारा अपने माताजी पुरनाबाई पति शिवलाल की मृत्यु दिनांक 10/02/2015 को मृत्यु के 1 वर्ष पश्चात पंजीयन की अनुमति मिलने हेतु लोकसेवा केन्द्र किरनापुर के माध्यम से आवेदन पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया है। अतः उक्त के संबंध में हित रखने वाले सभी व्यक्ति यों को सूचित किया जाता है, कि वे निश्चित दिनांक 17/12/2025 को या तो स्वयं, किसी अभिभाषक अथवा प्रतिनिधी द्वारा उपस्थित होकर कोई आपत्ति हो तो प्रस्तुत करें। नियत दिनांक के बाद प्रस्तुत आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। नियत दिनांक के बाद प्रस्तुत आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांक 02/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर के अधीन जारी किया गया।विचार नहीं किया जावेगा।

तहसीलदार, किरनापुर

नगर मुख्यालय में बनेगा कलेक्ट्रेट का नवीन भवन, जन मांग पर जिला प्रशासन ने की बैठक, बनीं सहमति

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

नवीन कलेक्ट्रेट भवन निर्माण में स्थल चयन को लेकर चल रही माथापच्ची के बीच रविवार को जिला प्रशासन जनप्रतिनिधि और समाजसेवियों की बैठक हो जाने से इस समस्या का समाधान दिखाई देने लगा है। वर्तमान समय में चर्चा चल रही थी कि नवीन भवन चटुआमार बायपास में बनाया जाना है। जिसको लेकर लगातार विरोध आदि दर्ज कराया जा रहा था। विगत कई माहों से कलेक्ट्रेट नवीन भवन बनाये जाने की प्रक्रिया को लेकर चर्चा चल रही है। मंडला के योजना भवन में रविवार को नए कलेक्ट्रेट भवन के स्थान को लेकर एक बैठक हुई। इसमें सांसद फग्गनसिंह कुलस्ते, कैबिनेट मंत्री श्रीमति संपतिया उइके, प्रशासनिक अधिकारी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बैठक में चार संभावित जगहों पर चर्चा की। इनमें मौजूदा कलेक्ट्रेट परिसर, उद्यानिकी विभाग का परिसर, ग्राम चटुआमार और पीडब्ल्यूडी परिसर शामिल थे। अधिकारियों ने बताया कि मौजूदा कलेक्ट्रेट परिसर में नई इमारत के लिए पर्याप्त जगह नहीं है। वहीं उद्यानिकी विभाग की जमीन का मामला अभी कोर्ट में चल रहा है। ग्राम चटुआमार के प्रस्ताव पर आपत्ति दर्ज कराई गई। उनका कहना था कि यह जगह न्यायालय और बाकी जिला कार्यालयों से काफी दूर है। साथ ही हाईवे के पास होने से आने-जाने में हादसों का खतरा भी रहेगा। बैठक में बताया गया कि पीडब्ल्यूडी परिसर को पहले भी नए कलेक्ट्रेट भवन के लिए चुना जा चुका है और वहां की जमीन पहले से तय है। लंबी चर्चा के बाद सभी की सहमति से यह निर्णय लिया गया कि पहले उद्यानिकी परिसर को लेकर कोर्ट के फैसले का इंतजार किया जाएगा। अगर वहां निर्माण की अनुमति नहीं मिलती है, तो नया कलेक्ट्रेट भवन पीडब्ल्यूडी परिसर में बनाया जाएगा।

बैठक में एडीएम राजेंद्र सिंह, एसडीएम सोनल सिडाम, नगर पालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा, अधिवक्ता संघ अध्यक्ष रामेश्वर झारिया सहित कई सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, नागरिक और पत्रकार मौजूद रहे। बता दें कई सालों से मांग चल रही थी कि कलेक्ट्रेट का नवीन भवन आधुनिकरण के साथ नगर मुख्यालय में बनाया जाये। जिस पर योजना भवन के पास स्थित उद्यान विभाग की जमीन को चिन्हित किया गया था और इस जमीन पर भूमि पूजन की तैयारी भी की जा चुकी थी। लेकिन यहां लगे वृक्षो को लेकर शिकवा शिकायत और उच्च न्यायालय में मामला लंबित होने के कारण इस जमीन पर अब नवीन भवन बनाये जाने की उम्मीद पर पानी फिर चुका है। इसी कड़ी में जानकारी मिल रही थी कि कटरा बायपास चटुआमार, सहस्त्रधारा गौंझी एवं पीपरपानी सुगर मिल के पास नवीन कलेक्ट्रेट भवन के लिए जमीन देखी गई है और शीघ्र ही उक्त जमीनों में से किसी एक जमीन को भवन के लिए मूर्तरूप दिया जायेगा। लेकिन लोगों का कहना है कि कलेक्ट्रेट का नवीन भवन या तो महाराजपुर में बने या फिर नगर मुख्यालय के आस पास। जानकारों का कहना है कि ज्ञानदीप स्कूल के सामने जर्जर पड़े सरकारी आवास में यह भवन बनाया जा सकता है।

यह जमीन लगभग एक एकड़ के आस पास बताई जाती है। यहां पर पूर्व विधायक डॉ. अशोक मर्सकोले रहा करते थे। वर्तमान में उक्त जमीन खाली पड़ी है। इसी के साथ नेहरू स्मारक तरफ भी कई सरकारी आवास और लोक निर्माण विभाग कार्यालय खंडहर हो गये हैं। यहां की जगह भी चिन्हित की जा सकती है। लोगों का कहना है कि अगर नवीन भवन नगर मुख्यालय से दूर बनाया जायेगा तो लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा। समय के साथ धन खर्च होगा आवागमन में परेशानियां होगी। जिसके चलते मुख्यालय में ही भवन बनाया जाये। वहीं दूसरी तरफ जिले में प्रस्तावित नवीन कलेक्ट्रेट भवन के निर्माण स्थल को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच अधिवक्ता संघ ने कलेक्टर से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा और शहर से दूर भवन निर्माण के प्रस्ताव का विरोध दर्ज कराया।

अधिवक्ता संघ ने स्पष्ट कहा कि कलेक्ट्रेट को शहर से दूर ले जाना आम नागरिकों के साथ साथ अधिवक्ताओं के लिए भी गंभीर असुविधाओं का कारण बनेगा उद्यानिकी कार्यालय की भूमि पर निर्माण पर रोक नए स्थल की तलाश जारी मंडला में नवीन कलेक्ट्रेट भवन का निर्माण पहले से स्वीकृत है और जल्द ही भूमिपूजन की संभावना भी जताई जा रही थी प्रारंभिक योजना के अनुसार इसे उद्यानिकी विभाग की भूमि पर बनाया जाना था किन्तु इस भूमि को लेकर मामला उच्च न्यायालय में लंबित होने के कारण निर्माण स्थल को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है इसी स्थिति में अब जिला प्रशासन वैकल्पिक स्थानों का चयन कर रहा है हाल ही में सोशल मीडिया पर यह चर्चा तेज हो गई थी कि कलेक्ट्रेट का नया भवन ग्राम चटुआमार में बनाया जा सकता है।

रेलवे अधिकारी 13 वर्षो से कर रहे गुमराह

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

बीते दिनों संदेश पटैल ने कलेक्टर से शिकायत करते हुए रेलवे विभाग पर आरोप लगाए हैं। संदेश पटेल पिता कमलेश पटेल आयु 26 वर्ष निवासी ग्राम बम्हनी बंजर तह. व जिला मण्डला का निवासी हूँ। यह कि मेरे नाना श्याम सुंदर चंद्रौल की ग्राम बम्हनी बंजर तहसील व जिला मण्डला में स्थित खसरा नंबर 811/7 कुल रकबा 0.907 हे. भूमि है। उक्त भूमि के कुल रकबे मे से 0.117 हे. रकबा दपूम रेल्वे छिंदवाडा-नैनपुर-मण्डला फोर्ट अमान परिवर्तन परियोजना के लिए सन् 2011-2012 में अधीग्रहण किया गया था। शासन द्वारा अधीग्रहण की गई भूमि के एवज में पे मॅट्रिक, लेवल 17वां वेतनमान पद हेतु परिवार के एक सदस्य को रेल्वे में नौकरी देने की घोषणा की गयी थी जिसके दौरान मेरी मां ने नौकरी हेतु आवेदन दिया था। मेरी मां ने रेल्वे कार्यालय नागपुर और बिलासपुर के कई बार चक्कर काटे एवं अधिकारियों से नौकरी हेतु निवेदन भी की फिर भी रेल्वे विभाग द्वारा कार्यवाही नही कि गई और न ही उनको नौकरी मिल पाई यह कि रेल्वे के अधिकारीयों द्वारा मेरी मां से यह कह दिया गया की अब नौकरी देना बंद कर दिया गया है और रेल्वे की सारी प्रकिया बंद कर दी गई है। अधिकारीयों की बातें सुन कर मेरे मां सदमे और तनाव में आ गई। नौकरी न मिलने से परिवार के भरण-पोषण आदि समस्या से तनाव होने के कारण उनकी मृत्यु दिनांक 19.11.2025 को हो गई मांग है कि इस मामले की गहन जांच करवाकर मेरे परिवार को न्याय प्रदान करने एवं मुझे आश्रित को रेल्वे में नौकरी दिलवाने की दया करें।

प्रतिनिधि मंडल मिला कलेक्टर से

मण्डला (स्वतंत्रमत)। हम फाउंडेशन का एक प्रतिनिधिमंडल जिला शाखा अध्यक्ष एचपी झरिया के नेतृत्व में जिले में हो रही चिल्लर की समस्या को लेकर कलेक्टर से मिला है मांग है कि एक रुपए व दो रुपए की बाजार में कमी है जिसके चलते 12 रुपए के पेमेंट में 15 रुपए देने पड़ रहे हैं इसी प्रकार 7 रुपए की चाय के 10 रुपए देने पड़ रहे हैं ये तो एक उदाहरण है इसी प्रकार अन्य लेन-देन में परेशानी जा रही है खासकर ग्रामीण अंचलों में समस्या और भी जटिल हो जाती है। अब तो व्यापारी भी एक दो रुपए के सिक्के लेने से मना करने लगे हैं। कलेक्टरने समस्या के समाधान का आश्वासन दिया है। विगत दिवस हम फाउंडेशन का प्रतिनिधि मंडल इसी विषय को लेकर क्षेत्रीय प्रबंधक भारतीय स्टेट बैंक से भी मिला है आशा की जाती है कि समस्या का समाधान शीघ्र ही होगा व एक व दो रुपए के सिक्के बाजार में उपलब्ध होंगे?

सेक्टर जल चौपाल संपन्न

मण्डला (स्वतंत्रमत)। विकासखंड नैनपुर के सेक्टर क्र. 1 के ग्राम जेवनारा में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के अंतर्गत जल संचय अभियान के तहत सेक्टर स्तरीय जल चौपाल बैठक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जल संचय अभियान (बोरी बंधान) जो 15 नवम्बर से 31 दिसंबर तक चलाये जा रहे अभियान की कड़ी में जिला समन्वयक राजेन्द्र चौधरी के द्वारा बैठक में बताया गया कि इस अभियान के अंतर्गत सभी ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति नवांकुर संस्थाओं के साथ मिलकर जल के महत्व व संरक्षण की पहल को सफल बनाया जा सकता है।

विजयपथ का शुभारंभ आज

मण्डला (स्वतंत्रमत)। युवाओं को सही दिशा करियर मार्गदर्शन और प्रेरणा प्रदान करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा एक अभिनव पहल के रूप में करियर मार्गदर्शन, परामर्श एवं प्रेरणा आधारित नवाचार प्रोजेक्ट विजय पथ का शुभारंभ सोमवार को रानी दुर्गावती सभागार, आरडी कॉलेज खेरी में किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को शिक्षा प्रतियोगी परीक्षाओं, रोजगार और जीवन कौशल से जुड़े विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा, ताकि वे अपने लक्ष्य निर्धारित कर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकें।

प्रोसेसिंग प्रशिक्षण 19 को

मण्डला (स्वतंत्रमत)। जिला कोषालय अधिकारी ने बताया कि समस्त प्रकार के कर्मचारियों को प्रत्येक माह की एक तारीख को वेतन प्रदान करने के लिए आईएफएमआईएस के माध्यम से केन्द्रीकृत वेतन प्रोसेसिंग की सुविधा विकसित की गई है। इससे प्रत्येक डीडीओ को पृथक से पेरोल जनरेशन का कार्य नही करना होगा तथा आवश्यक संशोधन पेरोल में करते हुए देयक लगाए जा सकेंगे। इस प्रकार वेतन आहरण में समयबद्धता तथा त्वरित गति सुनिश्चित की जा सकेगी। दिसंबर 2025 के वेतन इस प्रकिया से ही किया जावेगा। इस सम्बन्ध में विस्तृत प्रक्रिया के लिए 19 दिसंबर को जिला योजना भवन में प्रशिक्षण आयोजित किया गया है।

आरटीओ यातायात की संयुक्त कार्यवाही

मण्डला (स्वतंत्रमत)। परिवहन आयुक्त मध्यप्रदेश ग्वालियर एवं कलेक्टर के निर्देशानुसार 13 दिसंबर को जिले में यातायात पुलिस एवं परिवहन विभाग द्वारा संयुक्त रूप से वाहन चैकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान जिले में संचालित 24 वाहनों की जांच की गई। जांच के दौरान वाहनों के फिटनेस प्रमाणपत्र, परमिट, बीमा, पीयूसी, अग्निशमन यंत्र फर्स्टएड बॉक्स, व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस, स्पीड लिमिट डिवाइस, रेडियम, ओवरलोडिंग तथा निर्धारित से अधिक किराया वसूली जैसे बिंदुओं पर विशेष ध्यान दिया गया जांच में नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर 8 वाहनों के विरुद्ध मोटरयान अधिनियम 1988 की विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई करते हुए कुल 28,500 का समन शुल्क वसूल किया गया इस चैकिंग कार्रवाई में जिला परिवहन अधिकारी विमलेश कुमार गुप्ता, यातायात प्रभारी ललित धुर्वे सहित परिवहन कार्यालय का स्टाफ उपस्थित रहा।

भांजी पर किया हमला

मण्डला/मोहगांव(स्वतंत्रमत)। जिले के जनपद पंचायत मोहगांव अंतर्गत ग्राम पंचायत मलवाथर थाना घुघरी क्षेत्र के ग्राम मलवाथर में शुक्रवार 12 दिसंबर की दोपहर एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। जानकारी के अनुसार एक कलियुगी मामा ने अपनी ही भांजी पर धारदार हथियार से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। आरोपी मामा जो छिबला टोला का निवासी है। घटना की जानकारी मिलते ही ग्राम पंचायत मलवाथर की सरपंच श्रीमती गंगा बती मरावी भी तुरंत अस्पताल पहुंचीं और घायल युवती की स्थिति की जानकारी ली सरपंच ने इस घटना को बेहद निंदनीय बताते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की है घुघरी पुलिस ने आरोपी के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

विद्यार्थी परिषद का प्रतिभा सम्मान समारोह

मण्डला (स्वतंत्रमत)।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा 22 नवम्बर को भगवान बिरसा मुंडा की 150 वीं जन्म जयंती के अवसर पर सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में जिले के 2524 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उक्त प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के सम्मान हेतु सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के शुभारंभ में सरस्वती माता, स्वामी विवेकानंद के तैल्यचित्रों के समक्ष दीप प्रज्वलन से किया गया। प्रथम स्थान शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय के छात्र श्रेयांश बर्मन पिता कमलेश बर्मन ने प्राप्त किया उन्हें एबीव्हीपी द्वारा स्मार्ट मोबाइल प्रदान किया गया। वहीं द्वितीय स्थान शासकीय हाई स्कूल मक्के नैनपुर विद्यालय की छात्रा प्रभा साहू पिता महेंद्र साहू को प्राप्त हुआ उन्हें साइकिल दी गई। वहीं तृतीय स्थान कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय निवास की छात्रा खुशबू बैरागी पिता प्रीतम बैरागी ने प्राप्त किया उन्हें स्मार्ट वॉच प्रदान की गई।

सांत्वना पुरस्कार में चतुर्थ स्थान संतोषी चक्रवर्ती पिता भाई लाल चक्रवर्ती वही पंचम स्थान अंशु साहू पिता नर्मदा साहू शासकीय हाईस्कूल मक्के नैनपुर को मिला। मुख्य अतिथि के रूप में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास को सशक्त बनाती हैं और उनके व्यक्तित्व में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है व साइबर अपराधों पर भी चर्चा करते हुए बताया कि हमें इन सभी अपराधों से बचना है और समाज में जाकर इन सभी अपराधों से बचने के लिए जागरूकता भी करना है। वहीं मुख्य वक्ता अभाविप मंडला विभाग संगठन मंत्री रामाधार सिंह बैस ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने जल जंगल जमीन की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया।

अल्प आयु में ही उन्होंने ब्रिटिश शासन की दमनकारी नीति को चुनौती दी और समाज को जागृत करने का कार्य किया। अभाविप प्रांत कार्यसमिति सदस्य वागीश पटेल ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद विश्व का सबसे बड़ा राष्ट्रवादी छात्र संगठन है जो विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु वर्षभर विविध कार्यक्रम संचालित करता है। कार्यक्रम की प्रस्तावना विभाग संयोजक प्रवीण ठाकुर ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए बताया कि जिला भर के 8 इकाई के 8 केंद्र में इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। जिसमें लगभग 2524 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

ड्रग इंस्पेक्टर की मिली भगत से किराए के लाइसेंस पर चल रहे मेडिकल स्टोर, जांच-कार्रवाई करेगा कौन?

नैनपुर (स्वतंत्र मत)।

गत दिनों छिंदवाड़ा के परासिया ब्लॉक में 20 बच्चों की कफ सिरप से मौतों के बाद जिला प्रशासन सिर्फ कफ सिरप की जांच पड़ताल करते हुए छापामार कार्यवाही मात्र खानापूर्ति करते रहे। जबकि जमीनी हकीकत यह है कि नैनपुर ब्लाक में अधिकांश किराए के लाइसेंस पर मेडिकल स्टोर संचालित हो रही हैं जो की पूरी तरह गैर कानूनी और अवैधानिक है। उल्लेखनीय है कि विगत कई वर्षों से जिले भर में चल रहे मेडिकल स्टोर्स में से अधिकतर दुकानें लंबे समय से नौसिखियों के भरोसे चल रही हैं। इन दुकानों पर टंगे लाइसेंस किसी ओर के नाम से हैं, जबकि यहां दवाओं की बिक्री किसी ओर के भरोसे की जा रही हैं। हालात यह है कि मेडिकल स्टोर्स संचालकों को यह लाइसेंस आसानी से किराए पर भी मिल जाते हैं। इसके बाद इन्हीं लाइसेंस के आधार पर इन दवा की दुकानों का संचालन अन्य व्यक्ति कर रहे हैं। ऐसे में यह नौसिखिए आमजन के स्वास्थ्य को खतरे में भी डाल रहे हैं। मेडिकल स्टोरों में नियमों की अनदेखी के बावजूद जिले के किसी भी मेडिकल स्टोर पर ड्रग विभाग, स्वास्थ्य विभाग व जिला प्रशासन की ओर से कोई कार्यवाही अभी तक नहीं की गई हैं। किसी भी दवा दुकान पर दवाओं की बिक्री करने के लिए स्वयं फार्मासिस्ट का होना बेहद जरूरी है। लेकिन हालात हैं कि अधिकतर दुकानों पर नौसिखिए ही दवाएं बेच रहे हैं। जानकारों का कहना है कि कुछ दिन तक फार्मासिस्ट के पास काम सीखनें के बाद वह भी किराए के लाइसेंस पर दुकान का पंजीयन करवा लेते हैं और किसी और की डिग्री के आधार पर ही दवा दुकान का संचालन शुरू कर रहे हैं।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार डिग्री होल्डर के लाइसेंस किराए पर लेकर दुकानें संचालित की जा रही है। दवा विक्रेता लाइसेंसी को घर बैठे ही मासिक 3 से 5 हजार रुपए बतौर किराए के रूप में दे रहे हैं। नियम विरुद्ध और अवैधानिक तरीके से संचालित हो रहे मेडिकल स्टोर्स पर कार्यवाही न होना विभाग की मिली भगत को उजागर कर रहा है।

मतदाता सूची का वाचन

मण्डला (स्वतंत्र मत)। 11 दिसबंर को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी भोपाल द्वारा आयोजित वीसी के माध्यम से विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम अंतर्गत एएस डीआर मतदाता की सूची के पुन: वाचन के लिए प्राप्त निर्देश के तारतम्य में 14 दिसंबर से 16 दिसंबर के मध्य प्रत्येक मतदान केन्द्र के बीएलओ द्वारा एएस डीआर मतदाता की सूची का वाचन किया जावेगा। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अनुविभागीय अधिकारी ने सभी राजनैतिक पार्टियों से कहा है कि अपने बूथ लेवल एजेंट को सूचित करें कि वे संबंधित बीएलओ से संपर्क कर वाचन की दिनांक पर संबंधित मतदान केन्द्र पर उपस्थित होवें।

प्रदेश उपाध्यक्ष बनें रत्नेश दुबे

मण्डला (स्वतंत्रमत)। राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद में प्रदेश उपाध्यक्ष पद में मंडला जिले के वरिष्ठ पत्रकार रत्नेश दुबे को नियुक्त किया गया है। मंडला जिला ईकाई अध्यक्ष नीरज अग्रवाल ने बताया कि श्री दुबे वर्तमान में दैनिक भास्कर अखबार में कार्यरत हैं। सहज, सरल व्यक्तित्व के धनी अनेक सामाजिक साहित्यिक सांस्कृतिक धार्मिक संगठनों में अपनी विशिष्ट भूमिका निभाने वाले एवं वर्तमान में पत्रकारिता के हितों के लिए समर्पित व्यक्तित्व की नियुक्ति से संगठन को नई उर्जा मिलेगी। वहीं मंडला जिला ईकाई ही नही संभाग ईकाई भी मजबूती से काम कर सकेंगी। इनकी नियुक्ति पर परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष परमानंद तिवारी, राष्ट्रीय संयोजक नलिनकांत बाजपेयी, राष्ट्रीय सचिव देवशंकर अवस्थी, प्रदेश अध्यक्ष राजेश दुबे, प्रदेश मुख्य महासचिव विलोक पाठक, राजीव उपाध्याय, संगठन महासचिव अनुरोध पटेरिया, पंडित आलोक पाठक, समाज कल्याण प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष शिवकुमार तिवारी, व्यापारी प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष गुड्डा अग्रवाल, ग्रह निर्माण समिति के सुरेश कामले, परिवार कल्याण प्रकोष्ठ के उत्पल कांत शर्मा, संभागीय अध्यक्ष पंडित चंद्रशेखर शर्मा, जबलपुर जिलाध्यक्ष सिमरन सिंह शुक्ला, प्रदेश सचिव संतराम केवड़े सहित पत्रकारों ने बधाई दी है।

नैनपुर में चोरी का डम्पर बरामद

वाहनों की सक्रीयता से जांच करने पर नगर में होगा बड़ा खुलासा

नैनपुर (स्वतंत्र मत)।

नगर व क्षेत्र में बाहरी जिलों से दो पहिया चार पहिया सहित बड़े मालवाहक सहित कृषि कार्य में उपयोग आनेवाले ट्रेक्टर ट्राली अधिक मात्रा में सड़कों पर देखें जा रहे हैं। जिनकी जांच आरटिओ व पुलिस को वर्ष में कम-से-कम एक वार किया जाना अतिआवश्यक हो गया। क्यों कि अनेक वाहन चोरी के एंव नम्बर प्लेट कुछ है और चेचिस नम्बर कुछ और लेकिन सड़कों पर सभी पूरी ईमानदारी से वाहन मालिक दोडा रहे हैं। गत दिनों छतरपुर से चोरी हुआ डम्फर नैनपुर के वार्ड क्रमांक 7 इटका में मिला जिसपर पुलिस ने कार्रवाई की है।

नैनपुर में पकड़ाया छतरपुर से चोरी हुआ डम्फर - नगर के वार्ड क्रमांक 7 इटका निवासी नावेद कुरैशी के पास से पुलिस ने एक डम्फर पकड़ा जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर एमपी 20 जेडएफ 2376 बताया गया है। पुलिस को पूछताछ के दौरान नावेद कुरैशी ने उक्त डम्फर के पूरे कागजात दिखाया और बताया कि उसने डम्फर लिखा-पढ़ी कर 20 लाख 50 हजार रुपए में खरीदा है। इन सब के बावजूद आरटीओ से उक्त डम्पफर के केसे दस्तावेज तैयार हो गये यह बड़ा सवाल सफेद हांथी की तरह खड़ा है।

एक बार नहीं अनेकों बार बिका डम्फर - पुलिस की पूछताछ में उक्त डम्फर दो-तीन बार नही बल्कि करीब 8 बार अलग-अलग लोगों के बीच बिक चुका है। पहला मालिक वीरेंद्र चौहान छतरपुर मे डम्फर किराए पर दिया गया था। इसके बाद पारुल पांडे उर्फ टिंकू परोहा सिहोरा के पास पहुंचा। अंत में नावेद कुरैशी ने इसे खरीदा।

पुलिस ने की कार्रवाई - छतरपुर पुलिस ने नैनपुर पहुंच चोरी का डम्फर नावेद के पास से जब्त किया और प्रकरण क्राइम नंबर 492/25 दर्ज करते धारा 406 द्धक्ष्ट के तहत मामला पंजीबद्ध किया है। आगे की कार्यवाही में पुलिस डम्फर की खरीद-फरोख्त की पूरी श्रृंखला की जांच कर रही है।

कैसे हुआ फर्जीवाड़ा - पुलिस जांच के अनुसार, चोरी के बाद डम्फर का नंबर बदलकर महाराष्ट्र से पंजीयन कराया गया और फिर अलग-अलग जगहों पर बेचा गया। कागजी हेरफेर कर वाहन को वैध दिखाने की कोशिश की गई। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच जारी है और सभी संबंधित लोगों से पूछताछ की जा रही है। जल्द ही पूरे मामले का खुलासा कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नगर में गजेड़ियों की बढ़ रही संख्या

खुले आम घूम-घूम कर बिक्रय किया जा रहा गांजा

नैनपुर। नगर क्षेत्र में लगातार गजेडियो की संख्या बढ़ती जा रही है। नगर के कुछ स्थान तो ऐसे हो गये है जहां पूरा वातावरण गांजा मय रहता है। जिससे राह चलने में गांजे की गंध से राह चलने बाले मदहोश हो जाते हैं। सुत्रो का कहना है बाजार सहित मुख्य मार्ग पोष्ट आफिस के सामने एंव वार्ड क्रमांक 10 में बड़ी मात्रा में गांजा का कारोबार घूम-घूम कर किया जा रहा है। जिनपर कार्यवाही का अभाव बना हुआ है।

संपादकीय

'नाम' की सियासत

19 साल पुरानी योजना महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) का नाम बदलकर 'पूज्य बापू ग्रामीण रोजगार योजना' करने के प्रस्ताव को केन्द्रीय कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है। केन्द्र सरकार जल्द ही इसका ऐलान कर सकती है। 'नाम' की इस सियासत को लेकर कांग्रेस केन्द्र सरकार पर हमलावर हो गई है। दरअसल, मनरेगा का अवतार गांव-देहात की भौतिक तस्वीर को बदलने की एक अनिवार्यता सरीखा बनता जा रहा है। प्रदेश के एक बड़े वर्ग के लिए मनरेगा अब जीवन की परिभाषा बनकर दर्ज होती है, तो इसका एक अलग से सामाजिक आवरण भी तैयार हो रहा है। अब मनरेगा का अपना अर्थ व समाज शास्त्र भी विकसित हो रहा है। हम मनरेगा के गुण-दोष में वित्तीय व्यवस्था की खामियां और औचित्य की शंकाएं ढूंढ सकते हैं, लेकिन सामाजिक ढांचे में नारी सशक्तिकरण की एक धीमी क्रांति हर घर से निकल रही है। बेशक काम के लिहाज से परिपाटी आज भी ग्रामीण परिवेश को समझ रही है, लेकिन मनरेगा के तहत चयनित महिलाएं अपने गौरव का निर्माण भी कर रही हैं। ऐसे में यह जानना व जांचना भी लाजिमी होगा कि मनरेगा की दिहाड़ी, समाज में औरत का कद कितना ऊंचा उठाती है। प्रशासनिक तौर पर ग्रामीण विकास के मुहाने पर असरदार वित्तीय व्यवस्था ने, पंचायती राज की भुजाएं सशक्त की हैं। रास्तों से निकलकर मनरेगा अब छोटी सड़कों, बावड़ियों से निकलकर सूक्ष्म सिंचाई योजनाओं तक तो पहुंच गई, लेकिन विषयों की अनपढ़ता को मिटाने की जरूरत है। हम रोजगार की इस अद्भुत गारंटी से जरूरतमंद लोगों को आत्मनिर्भरता तो सिखा रहे हैं, लेकिन गांव को आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प अभी पूरा नहीं है। वास्तव में मनरेगा का उद्देश्य भी यही होना चाहिए कि योजना के तहत गांव और गांव की आर्थिकी आत्मनिर्भर बने। विडंबना यह है कि जिस पुरानी बावड़ी पर मनरेगा का सीमेंट चढ़ जाता है, वह पानी से भरना भूल जाती है। जिस जमींन पर मनरेगा की दिहाड़ी बंटती है, वह खेत की मेहनत को नहीं सींच पा रही है। कृषि में अप्रत्यक्ष योगदान कर रही मनरेगा को प्रत्यक्ष साझीदार बनाने की आवश्यकता है। खेती के सिद्धांत में खेत को संवारने का श्रम और आवारा पशुओं से निजात की जरूरत है। मनरेगा के तहत कृषि, बागबानी और वानिकी को समझने की जरूरत है। अब समय आ गया है, जब खेत से जुड़े किसान की सारी परिपाटी भी मनरेगा से जुड़े और उसकी मदद के लिए रोजगार की गारंटी मुहैया हो। खास तौर पर बंदरों से खेत को बचाने के लिए इलेक्ट्रिक बाड़ जैसे प्रावधानों में मनरेगा की उपयोगिता जोड़नी होगी। इसी तरह टूरिज्म की नीति तभी मुकम्मल होगी, अगर इसे भी मनरेगा की मेहनत का रंग दिया जाए। प्रदेश में वन, हर्बल, मत्स्य पालन तथा ग्रामीण पर्यटन को मनरेगा के दायरे में लिखा जाए, तो लाखों कार्यदिवस गतिशील होंगे। प्रदेश के वन क्षेत्र में जड़ी-बूटियों के उत्पादन की संभावना में मनरेगा की एक स्थायी टास्क फोर्स तैयार हो सकती है, जबकि जल संसाधनों की क्षमता में मत्स्य पालन की संभावना भी बढ़ जाती है। गांव में मनरेगा के तहत हो रहे कार्यों का रूपांतरण अगर पर्यटन सुविधाओं व मनोरंजन के व्यापक चित्रण में किया जाए, तो गरीब की दिहाड़ी कई पर्यटन परिसर खड़े कर देगी। लिहाजा, सिर्फ नाम बदलना ही नहीं बल्कि गांव में सरलता से मनरेगा के तहत गरीब की मेहनत रंग लाए, इसके लिए माकूल व्यवस्था व नवाचार की अत्यंत आवश्यकता है।

भारत-रूस योग और पश्चिम की वक्र दृष्टि

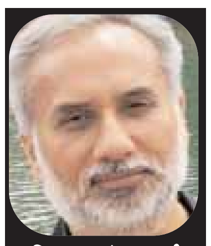

शिव कांत शर्मा
लेखक लंदन स्थित वरिष्ठ पत्रकार हैं

अमेरिका और नाटो रूस को यूक्रेन से खदेड़ने के लिए लगभग चार वर्षों से उसकी अर्थव्यस्था को घुटनों पर लाने के प्रयासों में जुटे हैं। उन्हें लगता था जैसे दूसरे विश्वयुद्ध ने ब्रिटेन को और अफ़ग़ानिस्तान के युद्ध ने सोवियत संघ को दिवालिया बना दिया था वैसे ही यूक्रेन का युद्ध रूस की कमर तोड़ देगा। वास्तव में ऐसा हुआ नहीं। शुरू के दो सालों में आए मुद्रास्फीति के उछाल और रूबल और अर्थव्यवस्था की गिरावट को रक्षासामग्री के निर्माण और ऊर्जा के निर्यात ने संभाल लिया। फिर भी, पुतिन जानते हैं कि संकट केवल टला है गया नहीं है। युद्ध में लगभग 1500 अरब डॉलर ख़र्च हो चुके हैं। मुद्रा स्फीति और ब्याज दरें आसमान छू रही हैं और कर्ज़ का पहाड़ खड़ा हो गया है। देश में निवेश, सामान और कामगारों की भयंकर तंगी है। चीन ने इस अवसर का लाभ उठाकर रूस में उसी तरह अपना कारोबार फैलाया है जैसे दूसरे विश्वयुद्ध के बाद अमेरिका ने यूरोप में फैलाया था और विश्व की सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बन बैठा था। इसी अवसर का लाभ उठाने के लिए ट्रंप शांति समझौता कराने को बेचैन हैं।

पुतिन की भारत यात्रा की सबसे बड़ी वजह यही थी। यूक्रेन युद्ध से विश्व के दो सबसे धनी और बड़े बाज़ारों और निवेशकों, अमेरिका और यूरोप को खो देने के बाद उनके पास चीन और भारत से बेहतर विकल्प नहीं हैं। रूस की तरह भारत और चीन भी ट्रंप के पल-पल बदलते, मनमाने टैरिफ़ फ़रमानों, आप्रवासन नीतियों और प्रतिबंधों से परेशान हैं। इसलिए पुतिन ने भारत में उन क्षेत्रों से जुड़े प्रस्ताव प्रमुखता से रखे जो ट्रंप की टैरिफ़ नीतियों और यूरोप के प्रतिबंधों के निशाने पर हैं। जैसे रक्षा सामग्री और तकनीक का क्षेत्र जहां अमेरिका और यूरोप शर्तें लगाते हैं और तकनीक का हस्तांतरण करने एवं संयुक्त निर्माण करने को तैयार नहीं होते। रूस ने वहां बिना शर्त हस्तांतरण और संयुक्त निर्माण की पेशकश की है। अमेरिका और यूरोप जहां एच1बी वीज़ा पर संख्या और समय की सीमाएं लादने और कुशल कामगरों की आवाजाही को रोकने में लगे हैं वहीं रूस ने कामगरों की निर्बाध आवाजाही की पेशकश की है क्योंकि उसे इस समय कामगरों की ज़रूरत है। अमेरिका और यूरोप जहां तरह-तरह की शर्तें लगाकर मुक्त व्यापार समझौते को महीनों से लटकाए हुए हैं वहीं रूस ने अपने साथ-साथ अपने आर्थिक संघ के

सदस्य देशों के साथ भी बिना शर्त मुक्त व्यापार समझौते का प्रस्ताव रख दिया है। अमेरिका और यूरोप जहां भारत पर रूस से तेल और गैस न खरीदने का दबाव डाल रहे हैं वहीं रूस ने भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए तेल और गैस के साथ-साथ परमाणु ईंधन की भी निर्बाध आपूर्ति करने और छोटे परमाणु बिजलीघर बनाकर देने की पेशकश की है।

अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या अमेरिका और यूरोप भारत में पुतिन के स्वागत और व्यापार प्रस्तावों से नाराज़ होकर भारत को और परेशान करेंगे या फिर भारत का व्यापार रूस के हाथों में जाने से रोकने के लिए जल्दी व्यापार समझौते करेंगे? भारत के लिए रूस के व्यापार प्रस्ताव और उसका भरोसा आकर्षक ज़रूर हैं और रूस में व्यापार और आप्रवासन बढ़ाने की संभावनाएं भी व्यापक हैं। पर वे अमेरिका और यूरोप की नाराज़गी से हो सकने वाले नुकसान की भरपाई के लिए काफ़ी नहीं। भारत ने पिछले साल अमेरिका को 87 अरब और यूरोप को 77 अरब डॉलर का सामान बेचा था जो उसके कुल निर्यात के 40 प्रतिशत के बराबर है। रूस को अभी वह मात्र 5 अरब डॉलर का निर्यात करता है। पिछले दो साल में रूस से सस्ते दामों पर ख़रीदे तेल से होने वाली बचत भी 4 अरब डॉलर से अधिक की नहीं थी। इसलिए अमेरिका और यूरोप में होने वाली 164 अरब डॉलर की बिक्री को सुरक्षित रखना और उसे बढ़ाना भारत का पहला लक्ष्य होना चाहिए। परंतु भारत जैसा बड़ा देश किसी की धौंस या दबाव में कुछ नहीं कर सकता।

जैसे रूस और चीन ट्रंप और यूरोप के प्रतिबंध, टैरिफ़ और आप्रवासन नीतियों की मार से टस से मस नहीं हुए वैसे ही भारत भी अपनी नीतियों पर अडिग रहा। ट्रंप ने सत्ता संभालते ही सबसे पहले पुतिन की बड़ाई कर उन्हें फुसलाने की कोशिशें की। फिर धमकाने, धौंस जमाने और प्रतिबंध लगाने की कोशिशें कीं पर एक न चली। यही हाल चीन के साथ हुआ और हार कर ट्रंप को ही झुककर सुलह करनी पड़ी। भारत में ब्रिटेन, फ़्रांस और जर्मनी के राजदूतों ने मिलकर पुतिन की यात्रा से पहले लिखे अपने लेख में उनकी आलोचना करते हुए यूक्रेन के हमले को अंतरराष्टीय नियमों का घोर उल्लंघन बताया था। यदि वह उल्लंघन था तो फिर अमेरिका कौन से अंतरराष्टीय नियम का पालन करते हुए करेबियाई सागर में वेनेज़ुएला की नौकाओं पर हमले कर रहा है? ईरान के परमाणु केंद्र पर किया हमला संयुक्त राष्ट के किस नियम का पालन था? क्या ब्रिटेन, फ़्रांस और जर्मनी मिलकर अमेरिका को रोक सकते हैं? इसी तरह रूस, चीन और भारत जैसे महादेशों को भी प्रतिबंधों और धौंस-धमकियों से घेरा और विवश नहीं किया जा सकता। शायद इसीलिए संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के समय उस समय की पांच महाशक्तियों को वीटो का अधिकार दिया गया था। यह बात संयुक्त राष्ट्र का संस्थापक और संरक्षक होने के नाते अमेरिका को और नाटो में शामिल ब्रिटेन और फ़्रांस जैसी शक्तियों को नहीं भूलनी चाहिए थी।

पुतिन की यात्रा के दौरान और उसके बाद ट्रंप और नाटो ने कोई ऐसा बयान नहीं दिया जिससे भारत को चिंता हो। यूं भी यूरोप भी इस समय ट्रंप के टैरिफ़, यूक्रेन की लड़ाई और सुस्त अर्थव्यवस्था से जूझ रहा है इसलिए उसे भी भारत के व्यापार की उतनी ही ज़रूरत है जितनी भारत को है। ऊपर से ट्रंप के पल-पल बदलते और नित नए फ़रमानों ने यूरोप की नींद उड़ा रखी है। रूस को यूक्रेन के चार प्रांत और क्रीमिया प्रायद्वीप देकर शांति समझौता कराने की 28 सूत्री शांति योजना न यूरोप के निगले बन रही है न उगले। इसी बीच ट्रंप ने नई राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति जारी कर दी है जिसमें यूरोप की सारी समस्याओं का ठीकरा उसके एकीकरण के सिर फोड़ते हुएउसे राजनीतिक स्वतंत्रता और प्रभुसत्ता का गला घोंटने का दोषी बताया गया है। इसमें फ़्रांस की नेशनल रैली पार्टी, जर्मनी की एएफ़डी पार्टी और इटली की एफ़डीएल जैसी राष्ट्रवादी पार्टियों से सत्ता का आंदोलन चलाने को भी कहा गया है। ऐसा लगता है ट्रंप यूरोप को उसकी हैसियत याद दिलाकर रूस के साथ व्यापारिक संबंध बहाल करने की जल्दी में है। इससे रूस को अपना खोया वर्चस्व बहाल करने और यूरेशिया में अपना प्रभाव क्षेत्र बनाने का मौका मिलेगा। चीन ने पहले ही हिंदचीनी देशों में अपना प्रभाव क्षेत्र जमा रखा है। ऐसे में अब विश्व में उभरती नई व्यवस्था को अमेरिका और चीन की धुरियों में बंटने की जगह बहुपक्षीय बनाए रखने के लिए यूरोप और भारत को भी अपने-अपने प्रभाव क्षेत्र बना कर चलना होगा। पश्चिम एशिया और अफ़्रीका में दोनों के लिए अपार संभावनाएं हैं।

एआई के साथ इंसानी हकों को नयी दिशा

योगेश कुमार गोयल

10 दिसंबर 1948 को संयुक्त राष्ट्र ने 'मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा' को अपनाया, जो यह सिद्धांत प्रस्तुत करती है कि मनुष्य केवल शारीरिक प्राणी नहीं, बल्कि विवेक, गरिमा, स्वतंत्रता और समानता से युक्त चेतन अस्तित्व है। इस घोषणा ने मानवता को उसके बुनियादी अधिकारों का अहसास दिलाया और साथ ही यह विश्वास जगाया कि मानव गरिमा सर्वोपरि है। इसने वैश्विक व्यवस्था को नैतिक दिशा दी और सभ्यता को मानवीय आधार प्रदान किया।

आज दुनिया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के द्वार पर खड़ी है। यदि औद्योगिक क्रांति ने काम, उत्पादन और शक्ति-संतुलन को बदला था तो एआई उस परिवर्तन से भी आगे बढ़कर मानव मस्तिष्क के साथ मशीन की क्षमता का संगम प्रस्तुत कर रही है। यह युग केवल स्वचालन या कंप्यूटेशन का दौर नहीं है, यह मानव सभ्यता के लिए अपनी नियति के पुनर्लेखन का अवसर है। तकनीक अब केवल उपकरण नहीं रही, वह विचार, निर्णय, ज्ञान और शासन के केंद्र में प्रवेश कर चुकी है। मानवाधिकारों के संदर्भ में एआई के आगमन ने एक महत्वपूर्ण विमर्श को जन्म दिया है। अब मानवाधिकारों की रक्षा केवल न्यायालयों, घोषणाओं, आंदोलनों और संविधानों की जिम्मेदारी नहीं रह गई, बल्कि यह डिजिटल व्यवहार, एल्गोरिद्मिक निर्णय और डेटा-चालित नीतियों की वास्तविक परीक्षा बन चुकी है। आश्चर्यजनक किंतु प्रेरक तथ्य यह है कि यदि एआई को नैतिकता, पारदर्शिता और मानवीय संवेदनाओं के साथ विकसित किया जाए तो यह मानवाधिकारों के इतिहास का स्वर्णकाल सिद्ध हो सकता है। न्याय व्यवस्था में इसका उपयोग केवल तकनीकी प्रयोग नहीं, बल्कि मानव गरिमा की सुरक्षा का नया आयाम है। स्वास्थ्य जगत में एआई का योगदान मानवाधिकारों की प्रकृति को बदलने की क्षमता रखता है। दूरस्थ क्षेत्रों में चिकित्सा सहायता, रोगों की शीघ्र पहचान, व्यक्तिगत उपचार पद्धति और आपात स्थितियों में तेज निर्णय, ये सब केवल तकनीकी उपलब्धियां नहीं, बल्कि जीवन के अधिकार की प्रत्यक्ष अभिव्यक्ति हैं। जब मशीनें रोग के पैटर्न पहचानकर डॉक्टरों को निर्णय लेने में सहायता करती हैं, तब मानव जीवन अधिक सुरक्षित, अधिक संरक्षित और अधिक सम्माननीय बनता है। शिक्षा के क्षेत्र में भी एआई मानवाधिकारों की नई परिभाषा गढ़ रही है। शिक्षा अब एक-सा मॉडल नहीं रही, वह व्यक्तिगत बन रही है। प्रत्येक विद्यार्थी की क्षमता, रुचि और सीखने की गति के अनुसार ज्ञान-संरचना बन रही है। यह समानता का वह रूप है, जिसकी कल्पना समाज सुधारकों ने सदियों पहले की थी-ऐसी शिक्षा, जिसमें कोई पीछे न रह जाए। मनुष्य अब केवल सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक पहचान तक सीमित नहीं है, उसकी एक डिजिटल पहचान भी है। यह पहचान, यह डेटा अब उसकी प्रतिष्ठा, निजता और

स्वतंत्रता का हिस्सा है। इसे सुरक्षित रखना, इसका दुरुपयोग रोकना और डेटा पर नियंत्रण का अधिकार देना अब आधुनिक मानवाधिकारों का अनिवार्य तत्व है। यदि डिजिटल गरिमा सुरक्षित नहीं, तो संपूर्ण मानवीय गरिमा अधूरी है। एआई की शक्ति का दूसरा आयाम इसकी सीखने और निर्णय लेने की क्षमता है, परंतु निर्णय वहीं तक उचित हैं, जहां तक वे मानवीय मूल्यों से नियंत्रित रहें। इसलिए विश्वभर में 'नैतिक एआई' की अवधारणा उभर रही है। यह परिवर्तन इसलिए महत्वपूर्ण है कि तकनीक अब केवल कार्य-निष्पादन नहीं करती, वह निर्णय निर्मित करती है और निर्णय वे धुरी हैं, जिन पर मानवाधिकार टिका होता है। 'ह्यूमन इन द लूप' सिद्धांत इसी सच्चाई का प्रतिफल है, जहां अंतिम निर्णय मनुष्य लेगा, मशीन नहीं, क्योंकि बुद्धि मशीन में हो सकती है, पर विवेक केवल मनुष्य में है। आर्थिक अवसरों की दृष्टि से भी एआई ने मानवीय अधिकारों का आयाम विस्तृत किया है। यह सत्य है कि तकनीक कुछ पारंपरिक रोजगारों को अप्रासंगिक बना रही है, पर यह आधा सत्य है। एआई नए कौशल, नए रोजगार, नए व्यवसाय और नए बाजारों को भी जन्म दे रही है। मनुष्य अब ऐसे कार्य कर पा रहा है, जो रचनात्मकता, कल्पनाशीलता और नवाचार पर आधारित हैं-ऐसे कार्य, जिनमें मशीनें कभी पूर्ण प्रतिस्थापन नहीं कर पाएंगी।

कौशल-विकास अब केवल आर्थिक विकल्प नहीं, बल्कि मानवाधिकार की तरह आवश्यक हो गया है। जब व्यक्ति तकनीक के साथ कदम मिलाकर चल सकेगा, तभी उसकी स्वतंत्रता सार्थक होगी। यह स्वतंत्रता ही तो मानवाधिकारों का मूल है। यही स्थिति शासन के क्षेत्र में भी दिखाई देती है। सरकारें अब नागरिकों की जरूरतें समझने, पूर्वानुमान करने व त्वरित समाधान देने में सक्षम हो रही हैं। एआई आधारित नीतियां, कल्याणकारी योजनाएं व पारदर्शी प्रशासन नागरिकों को न केवल सेवाएं दे रहे, बल्कि अधिकारों की सार्थकता भी यकीनी बना रहे हैं। बहरहाल, विश्व मानवाधिकार दिवस अब भविष्य की दिशा चुनने का अवसर है। यह युग मानव और मशीन की ऐसी साझेदारी का है, जिसका ध्येय शक्ति नहीं, संवेदना; प्रगति नहीं, सहअस्तित्व; और प्रभुत्व नहीं, गरिमा है। यदि एआई को मानवीय मूल्यों के अनुरूप विकसित किया गया, एल्गोरिद्म गरिमा के अधीन रहे, डेटा निजता का सम्मान करे और यदि नवाचार मानव को बड़े उद्देश्य की ओर ले जाए, तो आने वाली पीढ़ियां संभवतः इसी युग को मानवाधिकारों का स्वर्णकाल

गिरने वाला गिरे फिक्र किस बात की

अशोक गौतम

व्यंग्य

हैलो बेब्स! जो रुपया गिरकर अपने सबसे निचले स्तर पर आ गया है, घबराने की कोई जरूरत नहीं। हम हैं न! हमने बड़ों-बड़ों का उठा दिया। इसे भी उठा देंगे।

डियर बेब्स! हमने अपने जीवन में इतने गिरते हुए देखे हैं कि अब हम किसी के गिरने को कतई भी गंभीरता से नहीं लेते। हम किसी के गिरने से कतई नहीं घबराते। बल्कि किसी के गिरने पर उसके गिरने का उत्सव मनाते हैं। हम जानते हैं कि तुमने अब घबराना छोड़ दिया है। आखिर आदमी जिंदगी भर कब तक घबराता फिरे? किस किससे घबराता फिरे?

डॉन्ट वरी! जो हमारे रुपये के गिरने को लेकर हाहाकार मचाए हैं उन्हें सिरे से इग्नोर कीजिए। उन्हें हाहाकार मचाने दीजिए। ये वे देशप्रेमी हैं जो सोये-सोये भी देश की सच्ची हालत पर हाहाकार मचाए रहते हैं। इनकी मत सुनिए। ये सब देश के विकास के गतिरोधी हैं। जरा सोचो तो, हमें कौन से अपनी जेब में डॉलर लेकर गोभी, बैंगन, प्याज, टमाटर खरीदने निकलना है? हम तो अपनी जेब में अपना रुपया लेकर ही जाएंगे न भाई साहब! वह उठा हो या गिरा, इससे क्या फर्क पड़ता है? है तो रुपया ही न! अपने तो गिरे हुए भी दूसरों के उठे हुए से हजार दर्जे प्यारे होते हैं जनाब! होने भी चाहिए, जो हममें लेश मात्र भी देशभक्ति हो तो।

वे कौन होते हैं, चीखने-चिल्लाने वाले कि हमारा रुपया रिकॉर्ड गिर रहा है। रुपया हमारा है। वह गिरे तो गिरे। जब हमें ही उसके गिरने का दुःख नहीं, तो वे कौन होते हैं हमारे बिन कहे हमारे दुःख में रोने वाले?

यहां गिरा कौन नहीं? गिरना कुदरत का नियम है। हम ऊपर उठने वाले को ऊपर उठने से तो रोक सकते हैं, पर गिरने वाले को ऊपर कदापि उठा नहीं सकते। गिर कर उठना खुद अपने हाथ में होता है। कोई उसे उठने दे तो। लेकिन समाज में गिरना शाश्वत है। उठना मिथ्या। उठता केवल लोकतंत्र में पूंजीवाद है।

यहां सब कुछ गिरनशील है। पेड़ों से पत्ते गिरते हैं। सिर से बाल गिरते हैं। मुंह के दांत गिरते हैं। झरने से पानी गिरता है। गारंटियों से जनसेवक गिरता है। सच से सच्चा पक्का गिरता है। जब चारों ओर सब गिर रहा हो तो इस टके के रुपये के गिरने से भी क्या घबराना? क्यों घबराना? बस, सबकी तरह उसके भी गिरने का आनंद लीजिए। उसके गिरने पर राग मल्हार गाइए। ढोल बजाइए। चिमटा बजाइए। मंजीरा बजाइए। तानपुरा बजाइए। जैसे भी हो, बस, अपने मरणासन्न होने पर भी अपने को स्वस्थ फील कराइए। यही जनधर्म है।

कर्तव्य में एकता सुनिश्चित करती सेना की नैतिकता

ले.ज. एसएस मेहता (रिटा.)

कई बार ऐसे क्षण होते हैं जब अदालत का निर्णय किसी विवाद को निबटाने से अधिक बन जाता है; यह दिशा तय करता है। अपने सैनिकों के साथ रेजिमेंटल पूजास्थल के भीतर जाने से इनकार करने वाले एक अधिकारी को सेवा मुक्त किए जाने के निर्णय को बरकरार रखने वाला सर्वोच्च न्यायालय का फैसला ऐसा ही एक क्षण है। यह उस सच्चाई की पुष्टि करता है जो सैनिक सदा जीता है व जिसे लोकतंत्रों को निरंतर मजबूत करना चाहिए- एक गणराज्य अपने संस्थानों के बूते खड़ा होता है और संस्थान अपना प्रण ईमानदारी से निभाने पर खड़े होते हैं। सार्वजनिक बहस में, और कुछ टिप्पणियों में, इस मामले को लंबे समय से चली आ रही सैन्य प्रथाओं पर फिर से विचार करने के अवसर के रूप में लेना, इसको गलत अर्थ देना होगा। यह व्याख्या केंद्रीय बिंदु से चूक जाती है। मामला यहां किसी अनुष्ठान पर विवाद को लेकर नहीं है, बल्कि सम्बद्धता, कर्तव्य और एक विविधतापूर्ण सेना की संवैधानिक संरचना के बारे में है।
यह विवाद एक रेजिमेंट में उत्पन्न हुआ, जहां एक मंदिर और गुरुद्वारा साथ-साथ हैं और लंबे समय से एक एकीकृत सर्व धर्म स्थान के रूप में सुचारू हैं। अधिकारी ने यह कहकर अंदर जाने से इनकार कर दिया कि उसकी धार्मिक मान्यता उस पूजा स्थल के गर्भगृह में प्रवेश करने की अनुमति नहीं देती। समूची सेना में, ऐसे स्थानों को मान्यता की दरकार नहीं है; बल्कि वे तो सह-अस्तित्व को पुष्ट करते हैं। उनका मंतव्य केवल इतना कि विविधता के बीच, सम्बद्धता में दरार न आने पाए। परामर्श-सत्र और एक पादरी द्वारा यह आश्वस्त किए जाने के बाद भी कि पूजा स्थल पर प्रवेश करना उसके धर्म से समझौता नहीं है, वह अधिकारी अपने रुख पर अडिग रहा। विविधता में एकता का मतलब कभी भी इकाइयों के अंदर रार पैदा करना या किसी आदेश के मनमाफिक मायनों को प्रस्तुत करना नहीं रहा। सेना ने एकता का अर्थ कभी भी संख्या, अनुपात या निर्धारित संरचनाओं के रूप में नहीं लिया। जो कोई भी एक साथ खड़ा है, जहां कहीं से भी वो आता है और जिस भी अनुपात में दिखाई देता है, वह भी एकता है, क्योंकि सामंजस्य कोई गणित नहीं; यह अनुभूत अनुभव है। यही कारण है कि कुछ टिप्पणियों में दिया गया सुझाव कि यह मामला वर्गीय संरचनाओं अथवा रेजिमेंटल प्रथाओं पर पुनर्विचार के लिए प्रेरित करे, पूरी तरह बिंदु से चूक जाता है। सेना के अंदर की एकता बाहरी रूपरेखा से निर्मित नहीं है; यह साझे कर्तव्य, साझे खतरे और उस शपथ से कायम रहती है, जो प्रत्येक सैनिक को दूसरे से जोड़कर रखती है। एक घटना, चाहे वो कैसी भी दिखाई दे, उसका उपयोग एक संस्थागत संरचना को फिर से खोलने या पुनः व्याख्या करने के लिए नहीं किया जा सकता। कर्तव्य निर्वहन से इंकार को समझना चाहिए, न कि पुनः रूपरेखा के लिए, और जो भी इस नैतिकता विशेष की पुनः व्याख्या में लगते दिखाई दे रहे हैं, निश्चित ही वे इसके वर्ण, वर्णमाला और व्याकरण से अनभिज्ञ हैं। सेना की प्रथाएं युद्ध की वास्तविकताओं, सामंजस्य की दरकार और विविधतापूर्ण इकाइयों द्वारा एकीकृत होकर लड़ने वाले अनुभूत अनुभव से ढाली गई हैं। कुछ लोग पूछ

सकते हैं कि अगर उक्त अधिकारी बहुसंख्यक समुदाय से होता, तब क्या प्रतिक्रिया अलग होती। यह सवाल फौजी वर्दी को गलत तरीके से पढ़ता है। सेना पहचान को अधिमान नहीं देती; दायित्व पर जोर देती है। एकता जनित कर्तव्य का उल्लंघन एक समान है, चाहे वह कोई भी करे। नैतिकता किसी एक या कई के लिए, अल्पसंख्यक से हो या बहुसंख्यक वर्ग से, सबके लिए समान है, क्योंकि जिस घड़ी पहचान में गणित प्रवेश करता है, उसी पल सामंजस्य का निकास हो जाता है। इसलिए यह निर्णय इस बारे नहीं कि अधिकारी कौन था। इस बारे है कि संस्था को कैसी बने रहना चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय ने उस अधिकारी को सेवामुक्त किए जाने का फैसला बरकरार रखा, इसलिए नहीं कि यहां उसकी ईमानदारी पर शक है, बल्कि इसलिए कि उसका मानना है कि सशस्त्र पेशे में धार्मिक मान्यता को कर्तव्य से ऊपर नहीं रखा जा सकता। यहां निजी व्याख्या से रेजिमेंटल वैध प्रथा को अलग करके लिया जा रहा था। वह भी एक ऐसे बल में जहां परिचालन में एकता पर समझौता नहीं हो सकता, यह कृत्य अनुशासनहीनता का है। सेना ने अपने शासनादेश के भीतर रहकर काम किया; अदालत ने इसे बरकरार रखा क्योंकि यह निष्पक्ष -निर्भय होकर काम करने वाले बल की रीढ़ संवैधानिक रूप से मजबूत करता है। यह समझने को कि विश्वास को कर्तव्य से ऊपर क्यों नहीं रखा जा सकता, उसे सैनिक बनने के व्याकरण को पुनः पढ़ना होगा। थलीय युद्ध का ढंग कभी नहीं बदलता = हाथ से हाथ, संगीन से संगीन, आदमी से आदमी, टैंक से टैंक। आमने-सामने के युद्ध में दरार की कोई गुंजाइश नहीं बचती। विभिन्न हथियारों और सेवाओं वाली सेना में विविधता वर्णमाला है। व्याकरण है आक्रमण, बेदखली, कब्जा और पकड़, थलीय युद्ध का निष्ठुर वाक्यविन्यास जिसे अटूट सामंजस्य की दरकार है। अक्षर, वर्णमाला और व्याकरण के बीच, स्थिरांक है व्यक्ति- उसकी सहज प्रवृत्ति, प्रेरणा व उसकी चिरस्थायी संहिता...नाम, नमक, निशान। विविधता में एकता एक आकांक्षा नहीं; परिचालन की जरूरत है। सैन्य इकाई चाहे सर्व-वर्गीय हो, मिश्रित वर्ग की हो या निर्धारित वर्ग की, अधिकारी स्तरीय नेतृत्व हमेशा मिश्रित रहा है। इस तंत्र के वास्ते सर्वधर्म स्थल होते हैं। यह कोई अनुष्ठान नहीं; यह तो स्वतंत्रता उपरांत एक संस्थागत नीति है जो तय करती है कि हरेक सैनिक अपने साथियों संग खड़ा हो सके, भले वे समान रूप से पूजा न करें। यह सेना का एकता बनाने का अपना देसी व्याकरण है। यह निर्णय मायने रखता है क्योंकि सेना गणतंत्र में संवैधानिक नागरिकता का सबसे अधिक दिखाई देने वाला संस्थान है। यह वह जगह है जहां प्रत्येक फौजी टुकड़ी की पंक्ति में विभिन्न भाषा, क्षेत्र, जाति और पंथ दिखाई देते हैं, फिर भी किसी के लिए विशेषाधिकार या प्राथमिकता निर्धारित नहीं। सेना की नैतिकता मतभेद मिटाना नहीं, बल्कि मतभेदों को अलगाव बनाने से रोकना है। यह लाखों पहचानों को, दूसरे की कीमत पर, खुद को हावी किए बिना, एक वर्दी पहनने की अनुमति देती है। यह नैतिकता सजावटी नहीं। यह अनुशासन, विश्वास और परिचालन एकता की नींव है। जो क्षण सामूहिक पहचान का प्रतीक बन जाता हो, वहां एक सेनापति अपने सैनिकों से अलग खड़ा नहीं हो सकता। यदि कोई निजी पसंद के जरिये संस्थागत प्रथा की पुनः व्याख्या करने लगे तो कोई इकाई एकजुट नहीं रह पाएगी। अदालत ने माना, ऐसा रास्ता एक धर्मनिरपेक्ष, अराजनैतिक बल को कमजोर कर देगा। सेना की धर्मनिरपेक्षता यह सुनिश्चित कर सबके हकों की रक्षा करती है कि कोई भी श्रेष्ठता स्थापित न करे। यहां सेना के लिए भी ताकीद है। केवल परंपरा से सामंजस्य की गारंटी नहीं। प्रत्येक बार जब शपथ को व्याख्या से ऊपर रखा जाता है, सामूहिक नैतिकता को बिना हिचकिचाहट बरकरार रखा जाता है, तो इसका नवीनीकरण हो जाता है। सेना अपने सैनिकों के लिए आस्था का चयन नहीं करती; यह यकीनी बनाती है कि आस्था केंद्र भावना में दरार न डाले। ऐसे युग में जब समाज अपना संतुलन बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, जब शोर सूक्ष्मता पर हावी है और पहचान सहानुभूति से आगे निकल चुकी है, भारतीय सेना की नैतिकता एक राष्ट्रीय स्थिरांक बन जाती है। दर्शाती है कि सह-अस्तित्व कोई आदर्श न होकर, एक रुटीन है। यह दर्शाती है कि पदानुक्रम के इतर असहमति बनी रह सकती है और साझा उद्देश्य अंदरूनी मतांतर रेखाओं से ऊपर हैं। सेना के फैसले को बरकरार रखते हुए, सुप्रीमकोर्ट ने ऐसे सिद्धांत को मजबूत किया जिसने भारत को युद्धों, उथल-पुथल और अनिश्चितता के बीच से निकाला है। वह धुरी जो इसे कायम रखे है। यह उस प्रतिज्ञा के प्रति निष्ठा से बनी है जो दस लाख सैनिकों को एक सूत्र में पिरोए है। जब उस प्रण को बरकरार रखा जाता है, तो गणतंत्र स्थिर रहेगा, फौजी संस्था इस पर स्पष्ट खड़ी दिखाई देती है, और हर पद के लिए सुस्पष्ट संदेश सदा है- कर्तव्य में एकता से कोई समझौता नहीं।

(लेखक सेना की पश्चिमी कमान के पूर्व कमांडर एवं पुणे इंटरनेशनल सेंटर के संस्थापक ट्रस्टी हैं)

बंगलादेश में मनाया गया शहीद बुद्धिजीवी दिवस

ढाका (वार्ता)। बंगलादेश में रविवार को शहीद बुद्धिजीवी दिवस के मौके पर राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने मीरपुर स्थित शहीद बुद्धिजीवी स्मारक पर माल्यार्पण कर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इसके बाद, मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस ने भी स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की और मौन रखा। नेताओं के बाद समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों को स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करने की अनुमति दी गई, जिन्होंने युद्ध के अंतिम दिनों में अगवा कर मारे गए बुद्धिजीवियों का सम्मान किया। गौरतलब है कि बंगलादेश में शहीद बुद्धिजीवी दिवस 14 दिसंबर को मनाया जाता है। यह दिन उन बड़ी संख्या में बांग्लादेशी बुद्धिजीवियों को याद करने के लिए समर्पित है, जिनकी हत्या 1971 के बंगलादेश मुक्ति संग्राम के दौरान पाकिस्तानी सेना के सहयोगी अल-बद्र ने की थी। इन हत्याओं का मुख्य उद्देश्य उस समय के पूर्वी पाकिस्तान के बौद्धिक वर्ग को समाप्त करके नए राष्ट्र को बौद्धिक रूप से अपंग करना था। इस भयावह हत्याकांड के ठीक दो दिन बाद 16 दिसंबर को पाकिस्तानी सेना के आत्मसमर्पण के साथ बंगलादेश स्वतंत्र हो गया था।

छग में नये विधानसभा भवन में पहली बैठक

रायपुर (वार्ता)। छत्तीसगढ़ में नवा रायपुर स्थित नव-निर्मित विधानसभा भवन में शीतकालीन सत्र रविवार से प्रारंभ हुआ। यह सत्र 17 दिसंबर तक चार दिनों तक चलेगा। सत्र की शुरुआत से पहले विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह की अध्यक्षता में कार्यमंत्रणा समिति की बैठक हुई, जिसमें सदन की कार्यवाही और एजेंडा तय किया गया। बैठक में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप सहित समिति के अन्य सदस्य मौजूद रहे। तय कार्यक्रम के अनुसार सदन की कार्यवाही प्रतिदिन सुबह 11 बजे से शाम पांच बजे तक चलेगी। सत्र के पहले दिन सदन में छत्तीसगढ़ विजन-2047 विषय पर चर्चा रखी गई है। हालांकि कांग्रेस विधायकों द्वारा पहले दिन के सत्र के बहिष्कार के चलते इस चर्चा में केवल भाजपा विधायक भाग ले रहे हैं। पहले दिन प्रश्नकाल आयोजित नहीं किया गया है। वहीं, 15 दिसंबर से कानून-व्यवस्था, धान खरीदी, बिजली आपूर्ति और जमीन की दरों जैसे मुद्दों पर विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच तीखी बहस और हंगामे के आसार जताए जा रहे हैं।

गोण्डा में सड़क हादसे में पीआरडी जवान की मौत

गोण्डा (वार्ता)। उत्तर प्रदेश में गोण्डा जिले के कोतवाली क्षेत्र में रविवार को ट्रैक्टर ट्राली की चपेट में आने से बाइक सवार पीआरडी जवान की मौत हो गया जबकि एक अन्य गंभीर रुप से घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि देहात कोतवाली क्षेत्र में स्थित अपने-अपने घर से दो पीआरडी जवान एक ही बाइक पर सवार होकर डियूटी करने जा रहे थे कि महराजगंज इलाके में ईंट लदी एक ट्रैक्टर ट्रॉली की चपेट में आ गये। उन्होंने बताया कि देहात कोतवाली क्षेत्र के पूरेडीहा गांव के रहने वाले पीआरडी जवान राम उत्तरी वर्मा की मौके पर ही मृत्यु हो गयीं जबकि कटहिया उसका साथी सत्य राम वर्मा बुरी तरह घायल हो गया। घायल को मेडिकल कॉलेज में भर्ती करा दिया है।

निकाय चुनाव में कांग्रेस की वापसी, बीजेपी की एंट्री और लेफ्ट को झटका

क्या केरल में बदल रहा है सियासी गणित

नई दिल्ली

केरल में शनिवार को आए स्थानीय निकाय चुनाव नतीजों ने 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक माहौल साफ कर दिया है। सत्तारूढ़ सीपीआई(एम) के नेतृत्व वाले लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट को राज्यभर में बड़ा नुकसान झेलना पड़ा है, जबकि कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट ने शहरी और ग्रामीण दोनों इलाकों में जोरदार वापसी की है। वहीं, बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए ने भी अपनी पकड़ मजबूत करते हुए केरल की राजनीति को सिर्फ लेफ्ट बनाम कांग्रेस की लड़ाई तक सीमित ना रहने देने के संकेत दिए हैं। केरल में स्थानीय निकाय चुनावों को हमेशा विधानसभा चुनावों का सेमीफाइनल माना जाता रहा है। इस बार के नतीजे लेफ्ट के लिए इस स्तर पर अनुकूल नहीं माने जा रहे हैं। राज्य के कई जिलों में... यहां तक कि लेफ्ट के परंपरागत गढ़ों में भी उसे नुकसान उठाना पड़ा है। कांग्रेस गठबंधन सबसे बड़ा लाभार्थी बनकर उभरा है, जबकि बीजेपी ने खासतौर पर शहरी इलाकों में अपनी मौजूदगी को और मजबूत किया है। इससे यह संकेत मिल रहा है कि केरल की राजनीति अब पूरी तरह द्विध्रुवीय नहीं रह सकती।

छह नगर निगमों में से चार पर कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ ने जीत हासिल की, जबकि एक-एक नगर निगम एलडीएफ और एनडीए के खाते में गया। नगर पालिकाओं की बात करें तो 86 में से 54 पर यूडीएफ को जीत मिली, एलडीएफ 28 पर सिमट गया और एनडीए ने दो नगर पालिकाओं में सफलता हासिल की। ग्राम पंचायत स्तर पर कांग्रेस गठबंधन ने ऐतिहासिक प्रदर्शन किया और 941 में से 504 पंचायतों पर कब्जा जमाया। वहीं, एलडीएफ को 341 और एनडीए को 26 पंचायतों में जीत मिली। ब्लॉक पंचायतों में एलडीएफ ने 63 और यूडीएफ ने 79 सीटें जीतीं, जबकि जिला पंचायत स्तर पर दोनों गठबंधनों को सात-सात सीटें मिलीं।

ग्रामीण केरल में कांग्रेस की ऐतिहासिक बढ़त- यह पहली बार है जब केरल के ग्रामीण स्थानीय निकायों में कांग्रेस ने इतनी मजबूत उपस्थिति दर्ज की है। आमतौर पर पंचायत स्तर पर सीपीआई(एम) का मजबूत कैडर नेटवर्क और संगठनात्मक पकड़ मानी जाती रही है, लेकिन इस बार यह बढ़त भी कमजोर पड़ती दिखी। केरल के चुनावी इतिहास को देखें तो स्थानीय निकाय और विधानसभा चुनावों के नतीजों के बीच मजबूत संबंध रहा है। 2010 में जब कांग्रेस ने निकाय चुनावों में शानदार प्रदर्शन किया था तो अगले ही साल 2011 में यूडीएफ ने सरकार बनाई थी। इसके उलट, 2020 के निकाय चुनावों में एलडीएफ की जीत के बाद 2021 में मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने लगातार दूसरी बार सत्ता हासिल कर इतिहास रच दिया था। इसी पैटर्न को देखते हुए मौजूदा नतीजों को लेफ्ट सरकार के खिलाफ जनभावना में बदलाव का शुरुआती लेकिन अहम संकेत माना जा रहा है।

लेफ्ट के पारंपरिक गढ़ों में बड़ा झटका- इन नतीजों का सबसे चौंकाने वाला पहलू शहरी इलाकों में एलडीएफ की भारी हार रही। यूडीएफ ने कोल्लम, त्रिशूर और कोच्चि नगर निगम लेफ्ट से छीन लिए और कन्नूर को बरकरार रखा। कोल्लम और त्रिशूर क्रमशः 25 और 10 वर्षों से लेफ्ट के कब्जे में थे। कोझिकोड नगर निगम में मुकाबला बेहद करीबी रहा, जहां अंततः एलडीएफ ने मामूली बढ़त के साथ जीत दर्ज की। लेफ्ट के लिए सबसे बड़ा राजनीतिक झटका राजधानी तिरुवनंतपुरम में लगा। यहां सीपीआई(एम) के 45 साल पुराने गढ़ में बीजेपी के नेतृत्व वाला एनडीए आगे निकल गया। तिरुवनंतपुरम नगर निगम की 101 में से 50 डिवीजन जीतकर एनडीए ने स्पष्ट बहुमत हासिल किया। एलडीएफ सिर्फ 29 सीटों पर सिमट गया, जबकि यूडीएफ को 19 सीटें मिलीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे केरल में बीजेपी के लिए एक वाटरशेड मोमेंट बताया।

चुनावी मुद्दे और एंटी-इन्कम्बेंसी फैक्टर हावी- हालांकि स्थानीय मुद्दों और वार्ड स्तर के प्रचार की भूमिका रही, लेकिन यह चुनाव काफी हद तक राज्य सरकार के खिलाफ जनमत संग्रह जैसा बन गया। विश्लेषकों के मुताबिक, केरल में पहली बार इतनी व्यापक और एकसमान एंटी-इन्कम्बेंसी देखने को मिली है। हालांकि, चुनाव से पहले एलडीएफ सरकार ने जनता को रिझाने में कसर नहीं छोड़ी। सामाजिक सुरक्षा पेंशन में बढ़ोतरी की। आशा कार्यकर्ताओं के मानदेय में इजाफा किया और महिलाओं की सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं की घोषणा की, लेकिन करीब एक दशक के शासन के बाद मतदाताओं की थकान इन घोषणाओं पर भारी पड़ी। यूडीएफ ने सबरीमला में कथित सोने की चोरी का मुद्दा उठाया। वहीं, लेफ्ट ने निष्कासित कांग्रेस विधायक राहुल ममकूटाथिल पर लगे यौन उत्पीड़न के आरोप और यूडीएफ पर सांप्रदायिक ताकतों से हाथ मिलाने के आरोपों को जोर-शोर से उठाया। राजनीतिक विश्लेषक जोसेफ सी मैथ्यू के मुताबिक, केरल में पहली बार इतनी समान रूप से एंटी-इन्कम्बेंसी देखने को मिली है। यह फैसला दुर्लभ है। उन्होंने कहा कि पंचायत स्तर पर सीपीआई(एम) की पारंपरिक मजबूती अब हिलती दिख रही है।

गंभीर परिणाम भुगतने होंगे

सीरिया हमले में तीन अमेरिकियों की मौत पर भड़के ट्रंप

वाशिंगटन

सीरिया में हाल में ही हुए एक हमले में दो अमेरिकी सैनिकों और नागरिक के मारे जाने पर ट्रंप ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इस दौरान जवाबी हमले की कसम खाई है। ट्रंप ने एलान करते हुए कहा कि अमेरिका जवाबी कार्रवाई जरूर करेगा। दरअसल, यूएस ने इस हमले को लेकर इस्लामिक स्टेट समूह को जिम्मेदार ठहराया है। बाल्टीमोर में सेना- नौसेना फुटबॉल मैच के लिए रवाना होने से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात की।

उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यह आईएसआईएस का हमला है। ट्रंप ने बताया कि सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल शारा भी इस हमले से काफी परेशान हैं। वह भड़के हुए भी है। वहीं, रिपब्लिकन सेन जोनी का कहना है कि मारे गए सैनिक लोवा नेशनल गार्ड के जवान थे। उन्होंने कहा कि लोवा नेशनल गार्ड के सैनिकों की मौत बेहद दुखद है। वहीं, जो लोग इस हमले में घायल हुए हैं उनका उपचार चल रहा है। यूएस सेंट्रल कमांड ने कहा कि यह एक आतंकी हमला था और जवाबी कार्रवाई में वह भी मारा गया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर ट्रंप ने लिखा कि हमले को काफी गंभीरता से लिया गया है। बता दें कि सीरिया में बशर अल असद की सरकार गिरने के बाद पहली बार सीरिया में अमेरिकी सैनिकों पर इस प्रकार का कोई हमला हुआ है। पेंटागन के चफ प्रवक्ता ने बताया कि आतंकविरोधी अभियान में शामिल सैनिकों पर यह हमला किया गया है। गौरतलब है कि आईएसआईएस से लड़ाई के लिए अमेरिका ने पूर्वी सीरिया में अपनी फौज तैनात की है। बशर अल अशद की सरकार में अमेरिका ने सीरिया से राजनैतिक संबंध खत्म कर दिए थे। सीरिया में तख्तापलट के बाद अमेरिका ने एक बार फिर संबंध बहाल किए हैं। पिछले महीने ही सीरिया के राष्ट्रपति अल शारा ने अमेरिका का दौरा भी किया था।

शफी बुरफत ने फैज हमीद की सजा को 'सैन्य ड्रामा' बताया

नई दिल्ली

सिंध राष्ट्रवादी नेता शफी बुरफत ने पाकिस्तानी सैन्य अदालत द्वारा जनरल फैज हमीद को 14 साल की सजा सुनाए जाने की तीखी आलोचना की है। उन्होंने इसे सैन्य ड्रामा करार देते हुए आरोप लगाया कि यह सजा सैन्य प्रभाव को बढ़ाने और राजनीतिक दबाव बनाने का एक षड्यंत्र है, खासकर इमरान खान जैसे नेताओं को डराने के लिए। बुरफत ने कहा कि इस सजा का उद्देश्य असल में जवाबदेही नहीं, बल्कि राजनीति में सैन्य दखल को और मजबूत करना है। उन्होंने 1971 के बंगाल नरसंहार और बलात्कार के मामले का जिक्र करते हुए पाकिस्तान की सेना पर आरोप लगाया कि उसने अपने उच्च अधिकारियों को कभी जवाबदेह नहीं ठहराया। बुरफत ने पाकिस्तान की सैन्य संलिप्तता के मामलों का जिक्र करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री जुल्फिकार अली भुट्टो की न्यायिक हत्या, बेनजीर भुट्टो की हत्या और पाकिस्तान के पहले प्रधानमंत्री लियाकत अली खान की हत्या में सेना की भूमिका पर सवाल उठाया। साथ ही, बुरफत ने पाकिस्तान के सैन्य शासन को सिंध, बलूचिस्तान और अफगानिस्तान में संघर्ष के लिए जिम्मेदार ठहराया और आरोप लगाया कि पाकिस्तानी सेना वैश्विक शक्तियों के लिए एक हथियार बन चुकी है। उन्होंने यह भी कहा कि इमरान खान को झूठे आरोपों में फंसाकर मानसिक यातना दी जा रही है, जबकि फैज हमीद की सजा केवल सैन्य संस्थान की रक्षा करने का एक दिखावा है।

यूएस की चालाकी को समझ गया चीन, एआई चिप में चाहिए आजादी

नई दिल्ली

व्हाइट हाउस के एआई प्रमुख डेविड सैक्स के अनुसार चीन ने इसे एनवीडिया कार्प के एच200 चिप खरीदने देने की अमेरिकी रणनीति को समझ लिया है और वह घरेलू स्तर पर डेवलप सेमीकंडक्टर के पक्ष में इस एआई चिप को रिजेक्ट कर रहा है। दरअसल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को कहा था कि वह एनवीडिया के एच200 की शिपमेंट को चीन जाने देंगे। यह एडमिनिस्ट्रेशन की उस कोशिश का हिस्सा है जिसे सैक्स का समर्थन हासिल है। इस कोशिश का मकसद हुआवेई टेक्नोलॉजीज कंपनी जैसी चाइनीज टेक कंपनियों को उनके घरेलू बाजार में अमेरिकी कंपनियों से मुकाबला करवाकर चुनौती देना है। डेविड सैक्स ने संकेत दिया कि उन्हें इस बात पर पूरा यकीन नहीं है कि यह तरीका काम करेगा या नहीं। सैक्स के मुताबिक चीन अमेरिकी चिप्स को रिजेक्ट कर रहा है। सैक्स को लगता है कि इसका कारण यह है कि वे (चीन) सेमीकंडक्टर के मामले में आजादी चाहते हैं। सैक्स ने कहा है कि चीन एक लोकल अप्रूवल प्रोसेस के जरिए चिप्स तक पहुंच को सीमित करने की तैयारी कर रहा है, जिसमें चीनी खरीदारों को अपनी खरीदारी को सही ठहराना होगा। सैक्स की टिप्पणियों से यह सवाल उठने लगा है कि क्या एनवीडिया चीन से रेवेन्यू रिकवर कर पाएगा, जो एक ऐसा डेटा सेंटर मार्केट है जिसे इसने अपने पूर्वानुमानों से पूरी तरह हटा दिया है। लेकिन कंपनी के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर जेनसेन हुआंग ने इस साल चीन से 50 बिलियन डॉलर के रेवेन्यू का अनुमान लगाया है। ब्लूमबर्ग इंटेलिजेंस के एनालिस्ट्स का अनुमान है कि चीन में सालाना एच200 रेवेन्यू 10 बिलियन डॉलर का अवसर हो सकता है।

दक्षिण अफ्रीका में निर्माणाधीन हिंदू मंदिर गिरा भारतीय मूल के व्यक्ति समेत 4 लोगों की मौत

नई दिल्ली

दक्षिण अफ्रीका से एक बड़ी खबर सामने आई है। साउथ अफ्रीका के क्वाजुलु-नटाल प्रांत में निर्माणाधीन चार मंज़िला हिंदू मंदिर धराशायी हो गया। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 52 साल के भारतीय मूल का व्यक्ति भी शामिल है। दरअसल, ईथेक्विनी के उत्तर में रेडक्लिफ में एक खड़ी पहाड़ी पर बने न्यू अहोबिलम टेम्पल ऑफ प्रोटेक्शन का विस्तार किया जा रहा था, इसी दौरान इमारत का हिस्सा ढह गया। शुरुआती जानकारी के अनुसार, मलबे में कितने मजदूर दबे हुए हैं इसकी सही संख्या अभी पता नहीं चल सकी है। पहले दो लोगों की मौत की पुष्टि हुई थी। उसके बाद दो और लोगों के शव बचावकर्मियों को मिले, जिसके बाद मृतकों की संख्या चार हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि खराब मौसम के कारण राहत एवं बचाव कार्य रोक दी गई है। स्थानीय मीडिया ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि चार मृतकों में से एक की पहचान विक्की जयराज पांडे के रूप में हुई है, जो मंदिर ट्रस्ट के एग्जीक्यूटिव सदस्य और कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट के मैनेजर थे। रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि मृतक विक्की जयराज पांडे लगभग दो साल पहले मंदिर बनने के बाद से ही इसके डेवलपमेंट में गहराई से शामिल थे। मंदिर से जुड़ी चैरिटी संस्था, फूड फॉर लव के डायरेक्टर सनवीर महाराज ने भी कन्फर्म किया कि पांडे मरने वालों में से थे। गौरतलब है कि मंदिर को एक गुफा के तरह डिजाइन किया गया है। जिसमें भारत से लाए गए पत्थरों का इस्तेमाल किया गया था। इसे बनाने वाले परिवार ने दावा किया था कि इसमें दुनिया के सबसे बड़े देवताओं में से एक भगवान नृसिंहदेव की मूर्ति होगी।

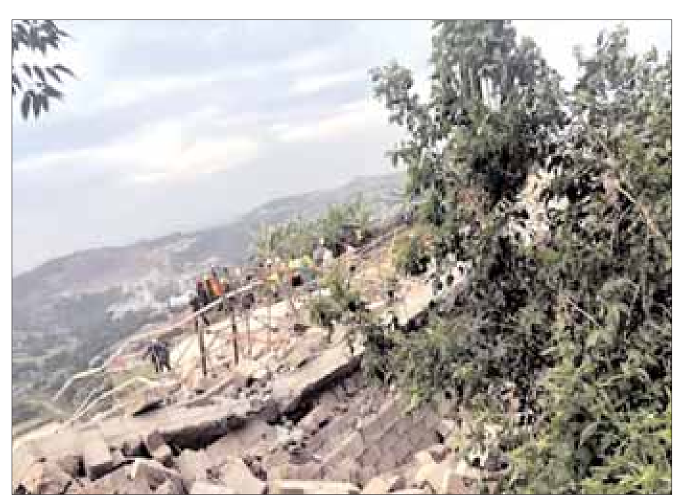

फिल्म/टीवी मनोरंजन

'धुरंधर' का ल्यारी टाउन कैसे बना माफियाओं का गढ़?

आदित्य धर की मल्टी-स्टारर फिल्म धुरंधर के सिनेमाघरों में आते ही दुनिया का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। मूवी के किरदारों के साथ पाकिस्तान के कराची के ल्यारी इलाके की भी चर्चा होने लगी। यह वो इलाका है जिसे कराची की मां कहा जाता है। यह वही ल्यारी है जो 2000 के दशक में खूनी जंग का मैदान बना था। गैंगवार ने यहां सैकड़ों जिंदगियां लील ली थीं। साढे तीन घंटे की इस जासूसी थ्रिलर फिल्म में कराची की जननी लयारी को आधार बनाया गया है। कहानी 1999 में अफगानिस्तान के कंधार हवाई अड्डे से शुरू होती है, फिर लयारी पहुंचती है और वहीं रहकर उन काले दिनों की गाथा बयां करती है। यहां ड्रग्स, रंगदारी और हथियारों के कारोबार का वर्चस्व था। अपराधियों के सिंडिकेट के कारण ल्यारी वास्तव में 'नो-गो जोन' बन गया था। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि स्क्रीन पर दिखने वाला यह पाकिस्तान असल में पाकिस्तान है ही नहीं। यह सारा सीन भारत के ही एक गांव में फिल्माया गया। फिल्म में इसे रियल लुक देने की कोशिश की गई है। लियारी नाम लियार से आया है, जो कब्रिस्तानों में उगने वाला एक पेड़ है। और वास्तव में, गैंग वार के दिनों में इस शहर ने कई कब्रें देखी हैं। यह वही शहर है जिसने रहमान डकैत नामक राक्षस का जन्म, उदय और अंत देखा। फिल्म में अक्षय खन्ना ने रहमान डकैत का रोल निभाया है और मूवी में उनकी एंट्री से लेकर किरदार और वायरल गाना खूब पॉपुलर हो रहा है। फिल्म में उनका एक डायलॉग है - रहमान डकैत की मौत बड़ी कसाईनुमा होती है। दिखाता है कि रहमान किस किस्म था और कितना क्रूर आदमी था।

कौन था रहमान डकैत?

1975 में गैंगस्टर मोहम्मद दादल के घर जन्मे इस शख्स ने महज 13 साल की उम्र में पहली बार चाकूबाजी की थी। रहमान ने 19 साल की उम्र में अपनी ही मां की हत्या कर दी थी। आरोप है कि उसने गला घोंटकर और छत के पंखे से लटकाकर उनकी हत्या की थी। बीस साल की उम्र तक आते-आते वह एक गिरोह का सरगना बना और तीस साल की उम्र तक आते-आते वह लयारी का कुख्यात सरगना बन गया था।

सिंगल पापा : हल्के-फुल्के अंदाज में उठाया समाज का बड़ा मुद्दा

सिंगल पापा, जैसा की टाइटल से पता चलता है कि यह कहानी एक ऐसे पिता की है जो अकेले बच्चे की परवरिश करता है। कुणाल के किरदार का नाम गौरव है जो अपनी छोटी सी फैमिली के साथ रहता है जिसमें उसके माता-पिता (आयशा रजा और मनोज पाहवा) और बहन (प्राजक्ता कोली) रहती है। हालांकि गौरव की वाइफ भी होती है लेकिन दोनों तलाक ले लेते हैं और इसके पीछे का कारण है गौरव की पिता बनने की इच्छा होना।

गौरव चाहता है कि उसका एक बच्चा हो लेकिन पत्नी के ना चाहने की वजह से उनका तलाक हो जाता है। जिसके बाद गौरव को अपनी ही कार में एक बच्चा अमूल के बॉक्स में मिलता है जिसे देखकर वह चौंक जाता है लेकिन खुश भी होता है क्योंकि उसे लगता है कि भगवान ने यह बच्चा उसी के लिए भेजा है। बस तभी से वह बच्चे को अडॉप्ट करने की जद्दोजहद में लग जाता है लेकिन उसकी इस कोशिश में मिसेज नेहरा के रोल में नेहा धूपिया बाधा बनती है जो कि बिल्कुल नहीं चाहती कि गौरव इस बच्चे के पिता बने, क्योंकि वह उसे लापरवाह और गैर जिम्मेदार समझती है। अब इस नोंकझोंक में बच्चा गौरव को मिलता है या नहीं और अगर मिलता भी है तो क्या गौरव सिंगल पिता की जिम्मेदारी अच्छे से निभाता पाता है यह जानने के लिए सीरीज देखनी होगी।

सिंगल पापा एक ऐसी कहानी है जो हमारे आस-पास बहुत कम परिवारों में होती है लेकिन- सिंगल फादर का होना। ऐसा इसलिए क्योंकि समाज में कई सालों से यही स्टीरियोटाइप रहा है कि एक मां के बिना बच्चे की परवरिश नहीं की जा सकती, हालांकि कुछ हद तक यह सच भी है क्योंकि लड़कों की परवरिश ही इस तरह की जाती है कि वे बड़े होकर इसे एक जिम्मेदारी के तौर पर नहीं ले पाते। हालांकि ये सीरीज इन दोनों ही मुद्दों को खुलकर उठाती है। सीरीज का सब्जेक्ट यूनिक और हटकर है। कुमाल खेमू का किरदार एक ऐसे लड़के का है जिसे बचपन से लेकर बड़े होने तक घर का कोई काम नहीं करना पड़ा। खाने से लेकर कपड़े तक सबकुछ तैयार उसके हाथों में परोसा गया, लेकिन बड़े होने और शादी होने के बाद उसके मन में पिता बनने की इच्छा जगी जो उसके तलाक का कारण भी बनी। हालांकि तलाक होने के बावजूद कुणाल के किरदार की पिता की बनने की इच्छा कम नहीं हुई। इस कहानी में कुणाल के किरदार यानि गौरव की एक सिंगल पिता बनने और उसमें होने वाली जद्दोजहद को बड़ी ही हल्की फुल्की कहानी में दिखाया गया है। समाज के इस बड़े स्टीरियोटाइप को मेकर्स ने बड़ी ही आसानी से कॉमेडी और ड्रामा के धागे में पिरोया है। कुणाल खेमू कम ही प्रोजेक्ट्स पर काम करते है लेकिन उनके ये प्रोजेक्ट्स कुछ हटकर भी होते हैं। इस सीरीज में उन्होंने अच्छी एक्टिंग की है। कॉमिक टाइमिंग के साथ-साथ कुणाल की इमोशनल एक्टिंग भी जबरदस्त रही। वहीं मनोज पाहवा, आयशा रजा और प्राजक्ता कोली ने भी एक मिडिल क्लास परिवार के किरदारों को अच्छी तरह निभाया। नेहा धूपिया का मिसेज नेहरा किरदार एक अनाथालय की मैनेजर के रूप में इंप्रेसिव रहा। वहीं दयानंद शेट्टी ने मेल नैनी के किरदार में भरपूर इमोशन डाले।

सीरीज का कॉन्सेप्ट और सब्जेक्ट यूनिक है लेकिन कही-कहीं पर यह काफी ड्रामेटिक हो जाती है। गौरव का हर सिचुएशन में झूठ बोलना थोड़ा अनरियलिस्टिक लगता है। कहानी में बच्चे का कोई बैकग्राउंड नहीं है, सीधा कार में बच्चा मिलना असलियत से काफी दूर लगता है। अगर बैकग्राउंड में कुछ होता तो कहानी में थोड़ा और इमोशन जुड़ सकता था। म्यूजिक और डायरेक्शन थोड़ा और बेहतर हो सकता था। वीकेंड पर कुछ हल्का फुल्का, कॉमेडी और ड्रामा से भरपूर यूनिक और हटकर कंटेंट देखना चाहते हैं तो ये सीरीज आपके लिए है।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने की दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान के द्वितीय चरण की गहन समीक्षा

दुग्ध संपर्क अभियान का द्वितीय चरण की शुरूआत 17 दिसम्बर से

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने आगामी 17 दिसम्बर से शुरू हो रहे दुग्ध समृद्धि सम्पर्क अभियान के द्वितीय चरण की समीक्षा कर अभियान को सफल बनाने के लिए पशु चिकित्सा विभाग की टीम को आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि यह अभियान जिले के पशु पालकों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करेगा और दुग्ध उत्पादन को नई ऊंचाईयों तक ले जाएगा। उल्लेखनीय है कि यह अभियान जिले के कुल 13 हजार 547 पशुपालकों को कवर करेगा। इसमें 87 हजार 313 गोवंश एवं भैंसवंशी पशु को शामिल किया गया है। इस द्वितीय चरण में पशु चिकित्सा विभाग की टीमें विशेष रूप से उन पशुपालकों से संपर्क करेंगी, जिनके पास 5 या 9 गोवंश या भैंसवंशी पशु है। अभियान का मुख्य उद्देश्य पशुपालकों के घर-घर जाकर उनसे सीधे संवाद कर दुग्ध उत्पादन में वृद्धि और उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ की जा सके। अभियान को सफल बनाने के लिए 43 सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी, 172 गौ-सेवक (गौ-मैत्री सहित) शामिल हैं। इन सभी 215 कर्मियों को मास्टर ट्रेनर द्वारा पशुपालकों से सार्थक संवाद करने के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। यह प्रशिक्षण टीम को पशुपालकों की समस्याओं को समझने और उन्हें प्रभावी समाधान प्रदान करने में सहायता करेगा। उप संचालक पशुपालन विभाग नरसिंहपुर डॉ. सुनील कुमार ब्रजपुरिया ने बताया कि गठित टीम घर-घर जाकर पशुपालकों से संपर्क करेगी। उक्त टीम बेहतर दुग्ध उत्पादन के लिए पशुओं की नस्ल सुधारने के वैज्ञानिक तरीके, पशुओं के संतुलित आहार और पोषण प्रबंधन की जानकारी और पशुओं में प्रमुख बीमारियों की रोकथाम एवं पशुओं को स्वस्थ रखने के उपाय के संबंध में संवाद स्थापित करेगी। जिले में यह संपूर्ण अभियान सीईओ जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह नागेश की निगरानी और मार्गदर्शन में संचालित किया जाएगा। डॉ. ब्रजपुरिया ने बताया कि अभियान के लिए विभाग पूरी तरह से तैयार है और पशुपालन से जुड़ी योजनाओं और वैज्ञानिक जानकारी अंतिम छोर के पशुपालक तक पहुंचेगी।

महिला सशक्त वाहिनी कक्षा की छात्राओं की फिजिकल क्लास सम्पन्न

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ योजना के तहत महिला सशक्त वाहिनी कक्षा का संचालन महिला महाविद्यालय नरसिंहपुर में किया जा रहा है। इसमें कक्षा 12 वीं पास छात्राओं को पुलिस भर्ती सह विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराई जा रही है। लिखित परीक्षा की तैयारी सामान्य गणित, सामान्य विज्ञान, सामान्य तर्क शक्ति, सामान्य कंप्यूटर एवं अन्य विषयों के प्रश्न हल कराए जा रहे हैं। कक्षा का मुख्य उद्देश्य है कि अधिक से अधिक छात्राओं/ बालिकाओं को पुलिस सह विभिन्न विभिन्न विभागों में चयन किया जा सके। शुक्रवार और शनिवार को खेल एवं युवा कल्याण विभाग नरसिंहपुर के सहयोग से ब्लैक बेल्ट प्रशिक्षण प्राप्त सुश्री महिमा लोधी द्वारा फिजिकल क्लास छात्राओं को कराई जा रही है।

दिया कुशवाहा, जिया जोशी का हॉकी टीम में चयन

नरसिंहपुर।

नरसिंहपुर हॉकी अकादमी की दो छात्राओं का चयन जबलपुर यूनिवर्सिटी से राज्य हॉकी प्रतियोगिता में किया गया है । हॉकी अकादमी की दो छात्राओं दिया कुशवाहा, जिया जोशी जबलपुर यूनिवर्सिटी से राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता मै भाग लेकर उपविजेता रहीं, हॉकी अकादमी के एन आई एस कोच राजकुमार चौबे ने बताया कि यह जबलपुर यूनिवर्सिटी टीम से जोन प्रतियोगिता में भाग लेंगे। पच्चीस, दिसम्बर को. पूना के लिये रवाना होंगी।

नरसिंहपुर के वरिष्ठ खिलाड़ी अध्यक्ष जियाउद्दीन खान, सचिव डॉ संजीव चांदोकर , लक्ष्मी कहार, प्रवीण सिंघई, इलियास खान, संदीप नामदेव, प्रवीण ठाकुर, शिवाम प्रधान आदि ने बधाई दी।

जल ही जीवन है थीम पर जल संचय अभियान के तहत चांवरपाठा स्थित झरना में 83 बोरियों का बंधान हुआ

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

जल ही जीवन है थीम पर जल संचयन अभियान जिले में चलाया जा रहा है। मप्र जनअभियान परिषद नरसिंहपुर के तत्वाधान में परिषद से जुड़ी संस्थाओं व आम नागरिकों की सहभागिता से जल संचय की दिशा में बोरी बंधान के कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में जिले के चांवरपाठा स्थित झिरना में 83 बोरियों का बंधान किया गया। यह बोरी बंधान जनअभियान परिषद की चांवरपाठा, सीएमसीएलडीपी के विद्यार्थी, नवांकुर संस्था श्री स्वामी साधना समिति बिल्थारी एवं भारद्वाज जनकल्याण समिति ईश्वरपुर के संयुक्त नेतृत्व में किया गया। जिला समन्वयक मप्र जनअभियान परिषद श्री जयनारायण शर्मा ने बताया कि जल संचय अभियान 31 दिसंबर 2025 तक चलाया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत नदी, नालों, झरनों आदि में बोरी बंधान करने का कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर जिला समन्वयक श्री जयनारायण शर्मा, नवांकुर संस्था भारद्वाज जन कल्याण समिति ईश्वरपुर के अध्यक्ष श्री कमलस्वरूप शर्मा, श्री स्वामी साधना समिति बिल्थरी के सचिव श्री बाबूलाल नोरिया, पाठ्यक्रम के परामर्शदाता व विद्यार्थी मौजूद थे।

फसल अवशेषों में आगजनी घटनाओं को रोकने एवं फसल पतरोई नरवाई के उचित प्रबंधन के उद्देश्य से संयुक्त दल ने किया भ्रमण

कृषि विभाग ने किया नरवाई प्रबंधन यूनिट का निरीक्षण

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में उपसंचालक कृषि श्री मोरिस नाथ एवं सहायक यंत्री नरसिंहपुर व अन्य स्टाफ द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन में आगजनी की घटनाओं को रोकथाम के उद्देश्य से और फसल अवशेष पतरोई, नरवाई के उचित प्रबंधन के प्रचार- प्रसार के लिए ग्राम कौंड़िया, बोहानी, गाडरवारा व चीचली क्षेत्रों का भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान दल के श्री पानसिंह कौशल, श्री आदित्य कुमार वैश्य, श्री केपी सिंह, श्री रामकरण पाटीदार, श्री संतोष पटेल सहित अन्य अधिकारी- कर्मचारी मौजूद थे। निरीक्षण के दौरान ग्राम कौंड़िया के श्री अजय दीक्षित ने बताया कि बायो बिजली ग्रीन पावर लिमिटेड प्लांट सूकरी द्वारा फसल अवशेष जैसे गन्ने की पतरोई, धान, गेहूं की नरवाई आदि को किसानों के खेतों से निःशुल्क एकत्रित किया जाता है और प्लांट में लाकर बिजली बनाई जाती है। इस प्लांट द्वारा प्रति घंटा 10 मैगाटन बिजली निर्मित करती है। इससे जहां किसानों की फसल अवशेषों का उचित प्रबंध होता है, तो वहीं पर्यावरण प्रदूषित नहीं होता है।

इसी प्रकार ग्राम कौंड़िया से लगे ग्रामों चिर्रिया, महंगुवा, सुपारी आदि ग्रामों में चल रहे बेलर, रेकर मशीन से फसल अवशेषों के एकत्रीकरण के कार्य का अवलोकन किया। संजय स्ट्रा बेल एग्रीगेटर नर्मदापुरम के द्वारा गाडरवारा व करेली क्षेत्र में गन्ने की पयरोई- फसल अवशेष आदि एकत्रीकरण के लिए लाई गई 20 बेलर- रेकर मशीनों का निरीक्षण किया। इसके पश्चात ग्रीन पावर इंडिया लिमिटेड चिरहकलां- गाडरवारा प्लांट का भ्रमण किया। उक्त प्लांट में फसलों के अवशेषों से पेलेट्स निर्माण किया जाता है, जो ईंधन के रूप में उपयोग आता है।

हाईटेक कस्टम हायरिंग केंद्र संचालनकर्ता श्री विवेक चौधरी के अत्याधुनिक मशीनों का भी निरीक्षण किया गया। किसानों के खेतों से अधिक फसल अवशेषों की एकत्रीकरण के निर्देश दिए। यशजी भारत ग्रीन एनर्जी प्लांट मोहपानी में फसल अवशेष प्रबंधन प्लांट का निरीक्षण कर आवश्यक जानकारी ली और बेहतर कार्य के लिए निर्देश दिए। उप संचालक कृषि श्री नाथ ने बायो बिजली ग्रीन पॉवर लिमिटेड सूकरी कौड़िया का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रबंधक ने अवगत कराया कि धान एवं गन्ना का बेलर के माध्यम से अवशेष एकत्रित किया जाता है। फसल अवशेष से बिजली बनाने वाले प्लांट बायो बिजली ग्रीन पावर लिमिटेड सूकरी- कौडिया, 10 मे.गा. टन प्रति घंटा बिजली उत्पादन क्षमता, डमरू घाटी के पीछे कौंड़िया में स्थित ग्रीन पावर इंडिया लिमिटेड फसल अवशेष गट्ठों से? पेलेटस लकड़ी से कोयला बनाता है। यह एक प्रकार का ईंधन है, जो एनटीपीसी में सप्लाई किया जाता है। बैलर मशीन एक घंटे में एक एकड़ में फसल अवशेष पतरोई आदि का कार्य करती है, जो लगभग 15 क्विंटल गट्ठे बनाती है।

एक दिन में एक बेलर मशीन अधिकतम 15 से 20 एकड़ में कार्य करती है। किसानों से किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाता। निःशुल्क फसल अवशेष प्रबंधन का कार्य किया जाता है, जिसे बैलर मशीन संचालक द्वारा प्लांट में 190 रुपए प्रति क्विंटल से विक्रय करता है। इनकी करेली क्षेत्र में 5 और गाडरवारा क्षेत्र में 15 अत्याधुनिक बेलर- रेकर मशीन उपलब्ध है, जो किसानों की सूचना पर नरवाई एकत्रीकरण का कार्य करती है।

जिले के किसान बेलर मशीन अपने खेत पर चलवाने के लिए श्री राहुल के मोबाइल नंबर 9098930829, श्री गौरव शर्मा के मोबाइल नंबर 8982734418, श्री कपिल के मोबाइल नंबर 9826196277 व 8964054337, श्री अरविंद के मोबाइल नंबर 7697293188, ग्रीन इंडिया बायो फयूल गाडरवारा के विवेक पटेल के मोबाइल नंबर 7691929488 व 9691815626, श्री सोहिल मंसूरी के मोबाइल नंबर 7000832970, श्री राजा पटेल के मोबाइल नंबर 9406569245 और श्री शिवेन्द्र पटले के मोबाइल नंबर 000955355 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा आयोजित

क्षेत्र के 6 परीक्षा केंद्रों पर हुई परीक्षा

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

जवाहर नवोदय विद्यालय की कक्षा 6 मे सत्र 2026-27 मे प्रवेश हेतु चयन परीक्षा क्षेत्र के चयनित 6 परीक्षा केंद्रों पर प्रातः 11:30 बजे से 1:30 बजे तक आयोजित की गई । उक्त परीक्षा मे शासकीय व अशासकीय स्कूलों के वर्तमान सत्र मे अध्ययनरत 5 वी कक्षा के पंजीकृत छात्र छात्राएं शामिल हुए। परीक्षा हेतु क्षेत्र के साईंखेड़ा ब्लॉक के बच्चों के लिए बनाये गए परीक्षा केंद्र उत्कृष्ट विद्यालय साईंखेड़ा मे 288 में से 246, बीटीआई स्कूल गाडरवारा मे 288 में से 229, शासकीय कन्या उ मा शाला गाडरवारा मे 256 में से 223 छात्र छात्राएं शामिल हुए। इसके अलावा चीचली ब्लॉक हेतु बनाये गए परीक्षा केंद्र उत्कृष्ट विद्यालय चीचली मे 288 में से 268, शा कन्या उ मा विद्यालय सालीचौका मे 288 में से 267 एवं शासकीय आदर्श उ मा विद्यालय गाडरवारा मे कुल 258 छात्र छात्राओ में से 230 छात्र छात्राओं ने परीक्षा दी । शनिवार को आयोजित हुई परीक्षा का जिला शिक्षा अधिकारी प्रतुल इंदुरख्या, नवोदय प्राचार्य अरुण तिवारी, सहायक संचालक नीलम मरावी, सीमा डोंगरे ने लिपिक अमित पटैल के साथ निरीक्षण किया। बीटीआई स्कूल में प्राचार्य श्रीमती सुनीता पटैल, आदर्श स्कूल में प्राचार्य एस के मिश्रा, शा क उ मा विद्यालय गाडरवारा में प्राचार्य सुशील शर्मा, उत्कृष्ट साईखेड़ा में प्राचार्य चंद्रकांत विश्वकर्मा, उत्कृष्ट विद्यालय चीचली में प्राचार्य भूपेश ठाकुर, शा क उ मा विद्यालय सालीचौका में प्राचार्य ए के रघुवंशी के निर्देशन में परीक्षा आयोजित हुई। विदित हो कि प्रत्येक केंद्र पर नवोदय विद्यालय से एक शिक्षक सीएलओ के रूप में उपस्थित रहा।

परीक्षा के सफल आयोजन में बीटीआई स्कूल में राजेश दुबे, आदर्श स्कूल में आर पी महिलाँग, कन्या शाला में के के दुबे, उत्कृष्ट चीचली में हेमंत शुक्ला,सत्यम ताम्रकार, काशीराम रजक, विनीत नामदेव, भारत ताम्रकार, शिवम नागा, उत्कृष्ट साईखेड़ा में मनीष शंकर तिवारी, रूप सिंह कुशवाहा, भानु राजपूत एवं कन्या विद्यालय सालीचौका में जगदीश मेहरा सहित पर्यवेक्षकों की अहम भूमिका रही। उल्लेखनीय है कि परीक्षा में शामिल होने के लिए छात्र छात्राएं अपने पालको एवं स्कूल के शिक्षकों के साथ केन्द्रो पर पहुंच गये थे।

नगर पालिका परिषद में नेशनल लोक अदालत का आयोजन

नपा में 38 लाख से अधिक राशि की हुई वसूली

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

शासन के निर्देश के परिपालन में 13 दिसम्बर 2025 शनिवार को गाडरवारा नगर पालिका परिषद में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिसमें बकाया सम्पत्ति कर एवं जलकर की राशि में अधिभार में छूट का लाभ उपभोक्ताओं को दिया गया। लोक अदालत का शुभारंभ अध्यक्ष पं. शिवाकांत मिश्रा एवं नपा सीएमओ वैभव देशमुख ने लोक अदालत में पहुंचे प्रथम उपभोक्ता का सम्मान कर किया गया। दिनभर चली लोक अदालत में लोगों ने सरचार्ज में छूट का लाभ लेते हुये जलकर एवं सम्पत्ति कर जमा करने में बढचढकर हिस्सा लिया। नगर पालिका में आयोजित नेशनल लोक अदालत में सम्पत्ति कर 30 लाख 5 हजार 12 रूप्ये एवं जलकर 8 लाख 40 हजार रूपये की बकाया राशि वसूल की गई। नपा अध्यक्ष एवं सीएमओ द्वारा नगर के सभी उपभोक्ताओं का आभार व्यक्त किया गया।

राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला हुआ रोमांचक

मणिनागेंद्र सिंह फाउंडेशन की टीम शूट आउट स्ट्रोक में विजेता

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

स्थानीय स्टेडियम ग्राउंड पर 10 दिसम्बर से मणिनागेंद्र सिंह फाउंडेशन के तत्वावधान एवं सहयोग क्रीड़ा मण्डल के सहयोग से आयोजित राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता का 14 दिसंबर को पूर्व राज्यमंत्री श्री जालम सिंह पटेल गोटेगांव विधायक श्री महेंद्र नागेश, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह नागेश,नगर पालिका उपाध्यक्ष अजीत सिंह ठाकुर,पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष श्री महंत प्रीतमपुरी ,राधेश्याम नेमा , जिला ओलंपिक संघ अध्यक्ष अजय प्रताप पटैल, सरदार बलवंत सिंह,प्रदीप नायर इंदौर, पंकज चौकसे,शक्ति राजपूत,ठा हेमेंद्र सिंह की गरिमामय उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। आयोजन समिति द्वारा अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।प्रतियोगिता का प्रतिवेदन वाचन संयोजक श्री मनीष कटारे एवं आभार आशीष नोएल द्वारा किया गया। विजेता टीम मणिनागेंद्र सिंह फाउंडेशन नरसिंहपुर को विजेता कप एवं 31000 की नगद राशि एवं उपविजेता टीम उज्जैन को उपविजेता कप एवं 21000 की नगद राशि से प्रतियोगिता के संरक्षक पूर्व राज्यमंत्री श्री जालम सिंह पटेल एवं अतिथियों द्वारा पुरस्कृत कर बधाई दी। प्रतियोगिता के ऑफिशियल्स को भी मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया गया।

रोमांचक रहा फाइनल मुकाबला

प्रतियोगिता का फाइनल मैच मणिनागेंद्र सिंह फाउंडेशन की टीम एवं उज्जैन के मध्य रोमांचक मुकाबले में दोनों टीम पूरे समय मैदान पर चार चार गोल से बराबर रही। शूट आउट स्ट्रोक मुकाबले में फाउंडेशन नरसिंहपुर ने उज्जैन को तीन दो से पराजित कर प्रतियोगिता में विजेता का खिताब अपने नाम किया एवं उज्जैन की टीम उपविजेता रही प्रतियोगिता के सफल आयोजन में जिला संयोजक पंकज नेमा, आशीष नामदेव, अर्पित सक्सेना, हेमेंद्र जनोरिया,विजय सेन,संदीप नामदेव अमित कहार, सुमित बख्शी, खेलो इंडिया टेक्निकल ऑफिसर डॉ अंजीता वर्मा,हॉकी संघ अध्यक्ष जियाउद्दीन खान, प्रवीण ठाकुर, प्रवीण सिंघई, इलियास खान पंकज खरारे का सहयोग सराहनीय रहा।

अब तक 10 हजार 200 कृषकों से उपार्जित की जा चुकी है धान

कृषकों को किया गया 36.63 करोड़ रुपये का भुगतान

कटनी (स्वतंत्रमत)।

खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में जिले में 1 दिसंबर से समर्थन मूल्य पर शुरू हुये धान उपार्जन में 14 दिसंबर तक कुल 10 हजार 200 कृषकों से अब तक 91 हजार 807 मीट्रिक टन धान का उपार्जन किया जा चुका है। जिले में अब तक 45 हजार 969 कृषकों द्वारा स्लॉट की बुकिंग की जा चुकी है तथा 42 हजार 880 मीट्रिक टन के स्वीकृति पत्रक भी जारी किये जा चुके है। साथ ही अब तक कृषकों को उपार्जित धान का 36.63 रुपये का भुगतान भी किया जा चुका है। जिले में अब तक समर्थन मूल्य पर हुए धान उपार्जन के मामले में तहसील बहोरीबंद अग्रणी है। यहां अब तक की स्थिति में कुल 1960 किसानों से 18 हजार 435 मीट्रिक टन धान का उपार्जन किया जा चुका है। जबकि दूसरे नंबर पर तहसील ढ़ीमरखेड़ा में 2180 किसानों से 15 हजार 796 मीट्रिक टन धान समर्थन मूल्य पर उपार्जित की जा चुकी है। इसी प्रकार बड़वारा तहसील में अब तक 1644 किसानों से 14 हजार 196 मीट्रिक टन धान उपार्जित की गई है। जबकि विजयराघवगढ़ तहसील में 1171 कृषकों से 10 हजार 484 मीट्रिक टन धान उपार्जित की जा चुकी है। रीठी तहसील में अब तक की स्थिति में 984 किसानों से 10 हजार 1 मीट्रिक टन धान उपार्जित की गई है। वहीं बरही तहसील में 758 किसानों से 8 हजार 151 मीट्रिक टन धान उपार्जित की जा चुकी है। इसके अलावा स्लीमनाबाद तहसील में 751 किसानों से 7 हजार 501 मीट्रिक टन धान तथा कटनी ग्रामीण एवं नगर तहसील में 752 किसानों से 7 हजार 244 मीट्रिक टन धान की खरीदी की जा चुकी है। कलेक्टर ने धान उपार्जन कार्य से जुड़े सभी अधिकारियों को धान उपार्जन केन्द्रों में तिरपाल, पन्नी सहित अन्य समस्त आवश्यक इंतजाम पुख्ता रखनें के निर्देश दिए है। इसके अलावा कलेक्टर ने खरीदी केन्द्र प्रभारियों और इस कार्य से संबंधित सभी अधिकारियों को दो टूक लहजे मे निर्देशित किया है कि किसानों के हित से जुड़े मामले में किसी भी स्तर पर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

फोटो : विकास गुप्ता

जेपीवी डीएवी विद्यालय के विद्यार्थियों का शैक्षिक भ्रमण जागृति पार्क में

कटनी (स्वतंत्रमत)।

जेपीवी डीएवी विद्यालय के विद्यार्थियों ने शैक्षिक एवं मनोरंजक उद्देश्य से कटनी शहर स्थित जागृति पार्क का सफल भ्रमण किया। 11 दिसम्बर को कक्षा नर्सरी से यू.के.जी. के विद्यार्थियों ने विद्यालय की बसों द्वारा प्रातः 10:30 बजे प्रस्थान किया। इस भ्रमण में विद्यालय की शिक्षिकाएँ ज्योति गौर, प्रियंका गौतम, अंजली श्रीवास्तव, रेणु अग्रवाल एवं दीपकांता पासी का मार्गदर्शन एवं सहयोग प्राप्त हुआ। इसी क्रम में 12 दिसम्बर को कक्षा पहली से दूसरी के विद्यार्थियों ने प्रातः 11 बजे जागृति पार्क का भ्रमण किया। विद्यार्थियों के साथ दीप्ति बक्स, बोनू मुखर्जी, मोनिका नाकरा, शालिनी सिंह, हुश्ना खान एवं प्रांशुल जैन उपस्थित रहीं, जिन्होंने पूरे भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। यह भ्रमण मध्यप्रदेश जोन के क्षेत्रीय निदेशक एवं विद्यालय प्राचार्य एस. के. सिन्हा की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। विद्यार्थियों ने प्राकृतिक पर्यावरण का आनंद लिया तथा विभिन्न प्रकार के पशु-पक्षियों के चित्रपट, साइंस पार्क एवं तितली पार्क का अवलोकन किया।

साथ ही बच्चों ने विभिन्न खेलों में भाग लिया और स्वादिष्ट व्यंजनों का भी आनंद उठाया। कक्षा नर्सरी से यू.के.जी. के विद्यार्थी 11 दिसम्बर को दोपहर 1:30 बजे तथा कक्षा पहली से दूसरी के विद्यार्थी 12 दिसम्बर को दोपहर 2:30 बजे सुरक्षित रूप से विद्यालय वापस लौटे। इस अवसर पर प्राचार्य ने विद्यार्थियों को शैक्षिक भ्रमण के महत्व से अवगत कराते हुए उन्हें उज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

फोटो : विकास गुप्ता

बुजुर्ग तीर्थयात्रियों का जत्था हुआ द्वारका सोमनाथ के लिए रवाना

महापौर प्रीति सूरी ने पार्षद साथियों के साथ किया तीर्थयात्रियों का आत्मीय स्वागत

कटनी (स्वतंत्रमत)। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन यात्रा योजना के अंतर्गत भक्तिमय वातावरण में बुजुर्ग तीर्थ यात्रियों का जत्था शुक्रवार को कटनी साउथ रेलवे स्टेशन से स्पेशल ट्रेन द्वारा द्वारका सोमनाथ के लिए रवाना हुआ। इस मौके पर महापौर प्रीति संजीव सूरी ने निगम के पार्षद साथियों के साथ रेलवे स्टेशन पहुंचकर यात्रा पर जा रहे यात्रियों का तिलकवंदन कर माला पहनाकर उनका आत्मीय स्वागत किया और तीर्थयात्रियों को शुभकामनाएं दीं। इस दौरान मेयर इन काउन्सिल सदस्य बीना संजू बैनर्जी, एडवोकेट सुरेंद्र गुप्ता, पार्षद सीमा श्रीवास्तव, वंदना राजकिशोर यादव, शकुंतला सोनीए समाजसेवी संजय तिवारी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी रही। जिले का साउथ रेलवे स्टेशन शुक्रवार को द्वारका सोमनाथ जानें वाले तीर्थयात्रियों और उन्हे तीर्थ यात्रा में भेजनें के लिए पहुंचे परिजनों से पूरा स्टेशन परिसर धर्म, आस्था, श्रद्धा के सैलाब से भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा।

करौंदी के विकास हेतु 21 दिसंबर को होगी पत्रकार महापंचायत

पर्यटन क्षेत्र घोषित करने पर होगा मंथन

कटनी/करौंदी।

मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ द्वारा 21 दिसंबर को भारत के हृदय स्थल करौंदी में भव्य पत्रकार महापंचायत एवं व्याख्यान माला का आयोजन किया जा रहा है। करौंदी को पर्यटन क्षेत्र घोषित करवाने, स्थानीय संसाधनों के संरक्षण, रोजगार संभावनाओं के विस्तार और क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए यह पहल ऐतिहासिक और दूरगामी प्रभाव डालने वाली मानी जा रही है। इस आयोजन में प्रदेश भर के वरिष्ठ पत्रकारों से लेकर प्रमुख जनप्रतिनिधियों तक की उपस्थिति तय है, जो करौंदी के भविष्य को लेकर व्यापक विमर्श करेंगे।कार्यक्रम के संबंध में जानकारी देते हुए मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के जिला महासचिव अज्जू सोनी ने बताया कि इस महापंचायत की तैयारी कई दिनों से जारी है। संघ के वरिष्ठ साथी एवं जिला प्रभारी डॉ. सुरेंद्र राजपूत, जिला अध्यक्ष राकेश तिवारी, कार्यवाहक अध्यक्ष नवनीत गुप्ता, डॉ. ज्योति राजपूत, कोषाध्यक्ष डॉ. मनोज खरे, वरिष्ठ साथी अनंत गुप्ता और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया अध्यक्ष सजल साधेलिया के मार्गदर्शन में कार्यक्रम को भव्य रूप देने हेतु सभी सदस्य जुटे हुए हैं। उन्होंने बताया कि करौंदी को वर्षों से विकास की आस है। भौगोलिक केंद्र विन्दु होने के बावजूद अभी तक पर्यटन क्षेत्र का दर्जा नहीं मिल पाया है। इस मुद्दे को सशक्त रूप से उठाने तथा शासनङ्कप्रशासन के समक्ष ठोस प्रस्ताव रखने हेतु यह पत्रकार महापंचायत अत्यंत महत्वपूर्ण होने जा रही है। महापंचायत में मध्यप्रदेश के वरिष्ठतम पत्रकार एवं राज्यसभा टीवी के पूर्व निदेशक राजेश बादल मुख्य आकर्षण रहेंगे। उनके साथ अन्य बहुचर्चित पत्रकार, जबलपुर तथा कटनी जिले के प्रमुख मीडिया प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। पत्रकार बिरादरी के अलावा राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर पर भी बड़े नेताओं और अधिकारियों की भागीदारी कार्यक्रम को खास महत्व प्रदान करेगी। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक धीरेन्द्र बहादुर सिंह, बहोरीबंद विधायक प्रणव पाण्डेय, मुड़वारा कटनी विधायक संदीप जायसवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक टंडन सोनी, जिला कलेक्टर आशीष तिवारी, जिला मंत्री विजय दुबे, जिला उपाध्यक्ष सुरेश राय, जिला पंचायत सदस्य कविता पंकज राय, आरएसएस के वरिष्ठ कार्यकर्ता राजेश ब्योहार, सांसद प्रतिनिधि पदमेश गौतम, जनपद अध्यक्ष सुनीता संतोष दुबे, उमरिया पान मंडल अध्यक्ष आशीष चौरसिया, ढीमरखेड़ा मंडल अध्यक्ष नरेन्द्र त्रिपाठी, सिलौड़ी मंडल अध्यक्ष मनीष बागरी सहित कई जनप्रतिनिधियों, सरपंचों, व्यापारियों, समाजसेवियों और आम नागरिकों की उपस्थिति रहने की संभावना है। सभी मिलकर करौंदी को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में सुझाव प्रस्तुत करेंगे। श्रमजीवी पत्रकार संघ ने समस्त ग्रामीणों, बुद्धिजीवियों, जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों और युवाओं से अपील की है कि करौंदी के उज्वल भविष्य और विकास की नई दिशा तय करने के इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। इस महापंचायत से मिलने वाले सुझाव और प्रस्ताव आगे चलकर क्षेत्र के विकास का मजबूत खाका तैयार करेंगे।

इनके होंगे व्याख्यान

व्याख्यान माला में विशिष्ट वक्ताओं के रूप में वरिष्ठ पत्रकार एवं पूर्व निदेशक राज्यसभा टीवी राजेश बादल, स्वतंत्र मत के संपादक राजेंद्र मिश्रा, वरिष्ठ पत्रकार सुमन पुरोहित, शिक्षा रत्न पारस जैन (डायरेक्टर-कटनी डिग्री कॉलेज) और डॉ. ज्योति राजपूत (प्रधान संपादक-कटनी न्यूज) शामिल होंगे। ये वक्ता पत्रकारिता के सामाजिक दायित्व, ग्रामीण क्षेत्रों में विकास की चुनौतियाँ, करौंदी के पर्यटनङ्कसंभावनाएँ, शिक्षाङ्कस्वास्थ्यङ्कइंफ्रास्ट्रक्चर की जरूरतें और जनभागीदारी पर अपने विचार प्रकट करेंगे।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप रॉयल द्वारा किया गया मानव सेवा कार्य

कटनी (स्वतंत्रमत)। मानव सेवा के कार्य में सदैव अग्रणी संस्था दिगंबर जैन सोशल ग्रुप रॉयल कटनी के द्वारा रविवार को ग्राम बंगला टोला/ देवरा/ सुरकी/ टोला गांव में जाकर जरूरतमंदों को कंबल कपड़/ जैकेट/ स्वेटर एवं खाने की सामग्री इत्यादि समान रॉयल ग्रुप कटनी के द्वारा वितरण किया गया।

कार्यक्रम में अंकित जैन, अमित सिंघई, विवेक जैन, राजू जैन, अमित कटारे, आशीष शहनाई, आकेत जैन, अमित चुना, राहुल जैन, पुष्कर जैन, सचिन जैन, अमित जैन एवं संस्था के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्यों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

नेशनल लोक अदालत में आपसी समझौते से हुआ पारिवारिक राजीनामा

नेशनल लोक अदालत में आपसी समझौते से हुआ पारिवारिक राजीनामा

कटनी (स्वतंत्रमत)। मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कटनी के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश जितेन्द्र कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में जिला न्यायालय एवं तहसील न्यायालयों सहित अन्य विभागों में 13 दिसम्बर को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। नेशनल लोक अदालत के अंतर्गत आपसी समझौते से कुटुम्ब न्यायालय कटनी में पारिवारिक राजीनामा किया गया। कुटुम्ब न्यायालय कटनी में आवेदिका ने अपने पति से अलग रहकर भरण पोषण के लिए परिवार न्यायालय, कटनी में धारा 125 दंप्रसं के अंतर्गत प्रकरण दायर किया था, क्योंकि पति द्वारा लंबे समय से कोई आर्थिक सहायता नहीं दी जा रही थी। आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण आवेदिका स्वयं एवं अपने भरण पोषण का प्रबंध करने में असमर्थ थी, अतः न्यायालय की शरण लेना उसकी मजबूरी बन गई। न्यायालय एवं कानूनी सहायता की भूमिका कार्यवाही के दौरान न्यायालय द्वारा दोनों पक्षों को परामर्श एवं समझाइश दी गई, जिससे प्रतिवादी पति को अपनी वैधानिक जिम्मेदारी का बोध कराया गया। न्यायालय और कानूनी सेवाओं की सक्रिय पहल से विवाद को लम्बी मुकदमे की दिशा में बढ़ने के बजाय आपसी सहमति से सुलह की ओर मोड़ा गया। लोक आदलत की कार्यवाही के दौरान विस्तृत तरीके से उभयपक्ष के मध्य मैत्रीभाव व सामंजस्य कराया गया। उभयपक्ष आपसी सभी मतभेदों को भुलाकर सुखपूर्वक एक साथ दांपत्य जीवन निर्वहन के लिये तैयार होकर, एक-दूसरे को यह आश्वासन दिलाया है कि भविष्य में वे एक-दूसरे के प्रति किसी प्रकार का अप्रिय व्यवहार नहीं करेंगे और आपस में सामंजस्य बनाकर एक साथ सुखपूर्वक जीवन व्यतीत करेंगे।

इस प्रकार समझाईश पश्चात उभयपक्ष एक साथ निवास करने को तत्पर हो गये तथा इस याचिका को राजीनामा के आधार पर समाप्त करा लिया है। इसी प्रकार नेशनल लोक अदालत में आपसी समझौते से कुटुम्ब न्यायालय कटनी में पारिवारिक राजीनामा किया गया।

आवेदिका पूजा गौतम के द्वारा सन 2016 में पति विनय गौतम के विरुद्ध घरेलू हिंसा का आवेदन प्रस्तुत किया गया था एवं 2024 में पति के विरुद्ध भरण-पोषण का आवेदन प्रस्तुत किया गया। एक अन्य मामला सन 2024 में भरण-पोषण की राशि बढ़ाए जाने के संबंध में पेश किया गया था। इन तीनों मामलों में उभयपक्ष के मध्य न्यायालय द्वारा समझौते की कार्यवाही की गई। दोनों उभयपक्षों को सुना गया। इस सम्पूर्ण कार्यवाही में आवेदिका एवं अनावेदक के परिवार के सदस्य उपस्थित रहे। उभयपक्ष के अधिवक्ता एवं न्यायालय के द्वारा अथक परिश्रम के बाद उभयपक्ष के मध्य सहमति बनी और उभयपक्ष समझौते के लिए आगे बड़े। सम्पूर्ण तुष्टि में आवेदिका को अनावेदक की ओर से तीन लाख रुपये नगद प्रदान किए गए।

फोटो : विकास गुप्ता

जल संचय अभियान के अंतर्गत संगोष्ठी का आयोजन

कटनी (स्वतंत्रमत)। 14 दिसंबर को मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड कटनी के सेक्टर क्रमांक 5 हीरवारा के प्रस्फुटन ग्राम सरसवाही में नवांकुर संस्था साध्वी जन कल्याण समिति कटनी के द्वारा जल संचय अभियान के अंतर्गत प्रथम चरण में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें उपस्थित ग्राम वासियों समिति के उपस्थित सदस्यों से जल संचय अभियान के अंतर्गत जागरूकता गतिविधियां आयोजित करने हेतु प्रेरित किया गया, तत्पश्चात द्वितीय चरण में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ग्राम के बाहर बहने वाले नाला में श्रमदान के माध्यम लगभग बोरियों का बोरी बंधान किया गया। इस अभियान में विकासखंड समन्वयक बालमुकुंद मिश्र के मार्गदर्शन में संतोष बर्मन, अंकुश श्रीवास, आशा बर्मन, सुधा बर्मन आदि का सराहनीय सहयोग रहा।

शह-मात के खेल में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

मंगलम गार्डन में शतरंज टूर्नामेंट का शुभारम्भ

कटनी (स्वतंत्रमत)। सांसद खेल महोत्सव के तत्वाधान में शतरंज टूर्नामेंट मंगलम गार्डन में शुभआरम्भ हुआ। जिसमे मुख्यातिथि पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सांसद वीडी शर्मा की उपस्थित रही। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष दीपक टंडन सोनी, शतरंज संघ के अध्यक्ष जे.पी. निषाद, डॉ. खम्परिया, सुनील उपाध्याय, पीताम्बर टोपनानी, शशांक श्रीवास्तव, रामरतन पायल, पार्षद जयनारायण निषाद, मृदुल द्विवेदी, अंकिता तिवारी, सचिन तिवारी लगभग 100 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया व उनके माता पिता समस्त सहित सैंकड़ो युवा एवं वरिष्ठजनों की उपस्थित रही। संचालन कर रहे श्याम निषाद ने बताया की कटनी शतरंज संघ के एक ही आग्रह मे सांसद खेल महोत्सव मे शतरंज को शामिल किया उसके लिए वीडी शर्मा पूरे शतरंज संघ व कटनी के शतरंज खिलाड़ियों ने धन्यवाद आभार व्यक्त किया। सांसद वीडी शर्मा ने खुशी व खिलाड़ियों की उपस्तिथि व खेल के प्रति सक्रियता देख कर पूरी कटनी शतरंज संघ व श्याम निषाद की जमकर प्रशंसा व सराहना की की पूरे टूर्नामेंट मे चीफ आर्बिटर शिखा पल्टा, आर्बिटर वंदना गेलानी, सी.बी.एस. अहिरवार, गोल्ड मेडिलिस्ट मोनिका निषाद, मंगलम गार्डन की डायरेक्टर शशि निषाद, हर्षित श्रीवास्तव, वीरेंद्र ताम्रकार, शेखर वर्मा उपस्थित थे।

विजयराघवगढ़ में अधिवक्ता संघ का शपथ ग्रहण समारोह

योग्यता पर लगी मुहरः आरके सैनी

संजय सत्येंद्र पाठक रहे मुख्य अतिथि, अधिवक्ताओं की हर मांग पूरी करुंगा : संजय पाठक

कटनी (स्वतंत्रमत)।

विजयराघवगढ़ तहसील अधिवक्ता संघ के नव निर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह 13 दिसंबर को सत्र न्यायालय परिसर में गरिमामय रूप से संपन्न हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक संजय सत्येन्द्र पाठक शामिल हुए और अधिवक्ताओं को न्याय, सत्य और सेवा के प्रति निष्ठावान रहने का संदेश दिया। मंचासीन अतिथियों मे मुख्य अतिथि विजयराघवगढ़ विधायक संजय सत्येंद्र पाठक वशिष्ठ अतिथि वाईस चेयरमैन स्टेट बार काउंसिल जबलपुर के आर के सैनी तथा वरिष्ठ अधिवक्ता मिथिलेश जैन कार्यक्रम की अध्यक्षा रवि दिक्षित, विजयराघवगढ़ नगर परिषद अध्यक्ष राजेश्वरी हरीश दुवे, कैमोर नगर परिषद अध्यक्ष पलक नमीत ग्रोवर, शिवदत्त उर्मलीया, जनपद उपाध्यक्ष उदयराज सिंह चौहान, राजेश सोनी, अमित सिंड, उद्योगपति पीडी अवस्थी, अमित शुक्ला, संजू परौहा, रंगलाल पटेल आदी अतिथियों ने सरस्वती पूजन कर दिप प्रज्वलित किया। अतिथियों का स्वागत सभी अधिवक्ताओं ने किया तथा नव निर्वाचित अधिवक्ता पदाधिकारियों का स्वागत क्षेत्री विधायक संजय सत्येंद्र पाठक ने किया सर्व प्रथम नव निर्वाचित अध्यक्ष नूर मोहम्मद सिद्धकी ने अपने उद्बोधन में अभी का स्वागत अभिनंदन करते हुए अधिवक्ता संग की कुछ समस्याएं बताई व चिंहित विभिन्न कार्य कराने के लिए विधायक से मांग की। उद्बोधन की कडी में आरके सैनी वाईस चेयरमैन स्टेट बार काउंसिल ने अपने उद्बोधन मे कहा की नूर मोहम्मद सिद्धकी में वह सारी खुशियां है जो एक अच्छे निर्णायक अधिवक्ता मे होनी चाहिए अधिवक्ताओं ने उचित व्यक्ति को अपना मद दिया योग्यता पर मुहर लगी इस बात की खुशी है। तदपरांत विजयराघवगढ़ विधायक संजय सत्येंद्र पाठक ने उदारता पूर्व माईक लेते ही कहा वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने मुझे पर भरोसा जताया है उनका मानना है की मै नव निर्वाचित अध्यक्ष नूर मोहम्मद सिद्धकी की मांगो को पूरा करुगा तो मैं वरिष्ठों का सम्मान करते हुए अपने अधिवक्ताओं साथियों को निराश नही करुगा इनकी सभी मांगे पूरी करने की घोषणा कर्ता हूं इन कार्यों मे चाले दस लाख लगे या पचास लाख कार्य गुडवत्ता के साथ कर अधिवक्ताओं को सौप दिया जाएगा। विधायक की उदारता देख उपस्थिति जनो ने जम कर तालियो के साथ संजय सत्येंद्र पाठक का सम्मान पढाया। कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिवक्ताओं की मौजूदगी में विधायक संजय सत्येंद्र पाठक ने नव-निर्वाचित पदाधिकारियों को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। समारोह में बड़ी संख्या में अधिवक्ता और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

फोटो : विकास गुप्ता

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भूमिस्वामी विनोद कुमार वल्द रामसिया गुप्ता सा. शास्त्री कालोनी कटनी वालों द्वारा क्रेता विदुषी गुप्ता पुत्री राजेन्द्र कुमार गुप्ता से भूमि खसरा नंबर-358/4/2, 359/2, 375/68 कुल रकवा 0.033 हे. भूमि का विक्रय का इकरार किया गया है। इस संबंध में किसी व्यक्ति, संस्था को किसी प्रकार की आपत्ति हो तो आज से आगामी 15 दिवस के भीतर अपने स्वामित्व से संबधित दस्तावेज लेकर संपर्क करे अन्यथा 15 दिवस के पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार नही कि जायेगी।

अशोक तिवारी
एडवोकेट
सिविल कोर्ट कटनी
मों- 9009966099

भारतीय टीम ने अंडर-19 एशिया कप में पाकिस्तान को हराया

दुबई।

आरोन जॉर्ज के शानदार अर्धशतक के बाद दीपेश देवेंद्रन और कनिष्क चौहान की घातक गेंदबाजी की सहायता से भारतीय टीम ने पाकिस्तान को अंडर-19 एशिया कप क्रिकेट मैच में 90 रनों से हरा दिया। इस मैच में पाकिस्तान ने टॉस जीतने के बाद भारत को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया था। भारत ने आरोन के 85 और कनिष्क के 46 रनों की सहायता से 46.1 ओवर में 240 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले 241 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान टीम 41.2 ओवर में 150 रन ही बना पायी। पाकिस्तान की टीम 241 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भातरीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पायी। उसकी शुरूआत धीमी और

टीम के लगातार विकेट गिरते गये। केवल हुजैफा अहसान ही 50 रन बनाये पाये। इस खिलाड़ी के आउट होते ही पाक टीम की बल्लेबाजी ढ़ह गयी। इससे पहले आरोन और कनिष्क की अच्छी बल्लेबाजी से भारतीय टीम ने 240 रन बनाए। इस मैच में आरोन ने 85 रन की अर्धशतकीय पारी खेली जबकि कनिष्क ने 46 रन बनाये। वहीं पाक की ओर से मोहम्मद सैय्यम और अब्दुल सुभान ने 3-3 विकेट लिए।

असफल रहे स्टार बल्लेबाज

भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी आज असफल रहे और केवल 5 रन ही बना पाये। वह 3.2 ओवर में मोहम्मद सैय्यम का शिकार बने। यशस्वी के अलावा भारतीय टीम के कप्तान आयुष म्हात्रे भी 38 रन ही बना पाये। विहान मल्होत्रा ने 12 रन जबकि वेदांत त्रिवेदी ने 7 रन बनाये। अभिज्ञान कुंडू ने 32 गेंदों पर 22 रन बनाए। आरोन ने सबसे बेहतर खेलते हुए 12 चौके और एक छक्का लगाकर 88 गेंदों पर 85 रन बनाए। खिलान पटेल केवल 6 रन ही बना पाये। कनिष्क चौहान 46 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी पारी में 46 गेंदों पर 2 चौके, 3 छक्के लगाये। -हेनिल पटेल12 रन जबकि दीपेश देवेंद्रन 1रन बनाकर पेवेलियन लौटे।

टीम इंडिया ने साउथ अफ्रीका को 7 विकेट से रौंदा

टी20 सीरीज में 2-1 की बनाई बढ़त

धर्मशाला। टीम इंडिया ने पांच मैचों की टी20 सीरीज में 2-1 की बढ़त हासिल कर ली है। भारत ने रविवार को तीसरे टी20 में साउथ अफ्रीका को सात विकेट से रौंदा। साउथ अफ्रीका ने धर्मशाला में 118 रनों का टारगेट दिया, जिसे भारत ने 15.5 ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर चेज किया। लक्ष्य का पीछा करते हुए अभिषेक शर्मा ने भारत को तेज शुरुआत दिलाई। भारत ने पांच ओवर में ही 60 रन जोड़ लिए थे। अभिषेक ने 18 गेंदों में 35 रनों की पारी खेली, जिसमें तीन चौके और तीन सिक्स शामिल हैं। वह छठे ओवर में कॉर्बिन बॉश के जाल में फंसे। गिल ने 28 गेंदों में पांच चौकों की मदद से 28 रन जुटाए। उन्होंने तिलक वर्मा के साथ दूसरे विकेट के लिए 32 रनों की पार्टनरशिप की। गिल को मार्को जानसेन ने 12वें ओवर में बोल्ड किया। तिलक 34 गेंदों में 25 रन बनाकर नाबाद लौटे। उनके बल्ले से तीन चौके निकले। शिवम दुबे ने चार गेंदों में नाबाद 10 रन बनाए। उन्होंने छक्का और चौका लगाकर भारत को जीत की दहलीज पर कराई। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 11 गेंदों में नाबाद 12 रन बनाए।

इससे पहले, भारत ने टॉस जीतने के बाद साउथ अफ्रीका को निर्धारित 20 ओवर में 117 रनों पर समेटा। कप्तान एडेन मार्करम (46 गेंदों में 61, छह चौके, दो छक्के) को छोड़कर कोई भी साउथ अफ्रीकी बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजों का डटकर मुकाबला नहीं कर सका। साउथ अफ्रीका के शुरुआती तीन विकेट महज सात रन पर गिर गए थे। सलामी बल्लेबाज रीजा हेंड्रिक्स का खाता नहीं खुला। क्विंटन डिकॉक (1) और डेवाल्ड ब्रेविस (2) समेत आठ प्लेयर दहाई के अंक तक नहीं पहुंचे। डोनोवन फरेरा ने 20 और एनरिख नॉर्खिया ने 12 रनों का योगदान दिया। भारत की ओर से अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती ने दो-दो विकेट लिए। हार्दिक पांड्या और शिवम दुबे ने एक-एक शिकार किया।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : यशस्वी के शतक से मुम्बई ने हरियाणा को हराया

मुम्बई।

बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के शतक 101 रनों की सहायता से मुम्बई ने हरिणाण के खिलाफ सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी ट्रॉफी में जीत के लिए मिले 235 रनों के लक्ष्य को छह विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया है। ये इस टूर्नामेंट में लक्ष्य का पीछा करते हुए सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले सबसे बड़ी जीत का रिकार्ड झारखंड को था जो उसने पंजाब बे खिलाफ 237 रन बनाकर हासिल किया था।

इस मैच में अपनी पारी से यशस्वी ने साबित किया है कि वह केवल टेस्ट ही नहीं टी20 के भी अच्छे बल्लेबाज हैं।

सुपर लीग के इस मैच में हरियाणा ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए एक बड़ा स्कोर बनाया।। उनके बल्लेबाज़ों ने शुरुआत से ही आक्रामक बल्लेबाजी रते हुए मुंबई के गेंदबाज़ों को कोई मौका नहीं दिया। 235 रनों के बड़े लक्ष्य का

पीछ करते हुए यशस्वी ने पूरी जिम्मेदारी से खेला। नॉकआउट चरण के इस मैच में मुंबई की टीम ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया। उसके खिलाड़ियों ने शुरुआत से ही सराकात्मक रुख अपनाया।

इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए यशस्वी जायसवाल ने शुरुआत से ही आक्रामक बल्लेबाजी की इस बल्लेबाज ने एक के बाद एक आक्रामक शॉट खेले और केवल 48 गेंदों में ही अपने 50 रन पूरे कर लिये। यशस्वी ने अपनी इस पारी में 16 चौके और एक छक्का लगाया। ये उनका टी20 में चौथा शतक था। यशसवी की बल्लेबाजी के सामने हरियाणा के गेंदबाज बेबस दिखे। सबसे अधिक अंशुल कंबोज पर उनका कहर टूटा। कंबोज की 13 गेंदों पर ही उन्होंने 34 रन बना दिये। वहीं सुमित कुमार के एक ओवर में उन्होंने केवल 13 गेंदों में 25 रन बनाये। इससे मुंबई का रन रेट अच्छा बना रहा और उसके बल्लेबाजों पर कोई दबाव नहीं आया। यशस्वी जब आउट हुए तब मुंबई को जीत के लिए केवल सात रन बनाने थे। जीत से सिर्फ सात रन दूर थी।

राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियनशिप में अमन सहरावत और अंतिम पंघाल ने जीते स्वर्ण पदक

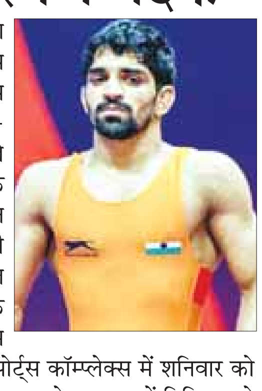

अहमदाबाद। ओलंपिक पदक विजेता अमन सहरावत और विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता अंतिम पंघाल ने राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियनशिप 2025 के अपने - अपने फाइनल मुकाबलों में जीत दर्ज करते हुए स्वर्ण पदक जीते ।पेरिस ओलंपिक 2024 के कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत अपने पसंदीदा 57 किग्रा की बजाय 61किग्रा पुरुषों के फ्रीस्टाइल डिवीजन में मुकाबला करते हुए यह पदक जीता। वह राष्ट्रीय स्पर्धा के लिए वजन कम करने से बचना चाहते थे ।वीर सावरकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में शनिवार को मुकाबला करते हुए अमन सहरावत ने शनिवार को फाइनल में निखिल को 10-0 से हराकर पुरुषों का 61 किग्राम का खिताब जीता ।इससे पहले, अमन ने पहले राउंड में अधित नारायण को 12-1 से हराया और फिर क्वार्टर-फाइनल में ललित को 10-0 से हराया, जबकि उनकी दाहिनी आंख के ऊपर गहरा कट लग गया था ।इसके बाद ओलंपिक मेडलिस्ट ने पट्टी बंधी और खून बहती भौंह के साथ मुकाबला जारी रखा और 2-0 की कमी को पूरा करते हुए सेमीफाइनल में अनुज कुमार को 13-2 से हराया ।अंडर-23 वर्ल्ड चैंपियन सुजीत कल्कल ने फाइनल में विशाल कालिरामन को 10-0 से हराकर पुरुषों का 65किग्राम वर्ग का खिताब जीता। एशियन अंडर 23 स्वर्ण पदक विजेता विक्की ने 97 किग्राम का खिताब जीता ।दो बार की विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता अंतिम पंघाल ने भी 53 किग्रा वर्ग के बजाय 55 किग्रा वर्ग में मुकाबला करने का फैसला किया क्योंकि वह अमन की तरह सीजन के आखिर में वजन कम करने की मुश्किलों से नहीं गुजरना चाहती थीं।

मंधाना ने हरमनप्रीत के नाम का स्टैंड बनने पर दी बधाई

नई दिल्ली।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप कप्तान स्मृति मंधाना ने महाराजा यादवेंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में कप्तान हरमनप्रीत कौर के नाम पर एक स्टैंड का नाम किये जाने पर बधाई देते हुए कहा है कि मुझे तुम पर गर्व है। मंधाना ने हरमनप्रीत को सोशल मीडिया पर बधाई देते हुए लिखा कि महिला क्रिकेट के लिए ये दिन दिन काफी अच्छा रहा जब किसी खिलाड़ी के नाम पर स्टैंड बना है। पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) ने विश्व विजेता टीम की कप्तान हरमनप्रीत को सम्मानित करने उनके नाम पर एक स्टेडियम का उद्घाटन किया था।

बीसीसीआई ने हरमनप्रीत का एक वीडियो अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट किया है। इसे साझा करते हुए मंधाना ने लिखा, 'बधाई हो हरमनप्रीत। महिला क्रिकेट के लिए क्या शानदार दिन है, मुझे तुम पर बहुत गर्व है।' इस वीडियो में

हरमनप्रीत ने कहा, 'विश्व कप जीतने के बाद मेरी जिंदगी में बहुत कुछ बदल गया है पर मुझे लगता है कि यह मेरे लिए एक खास पल है जिस मैदान पर मैंने खेलना शुरू किया था, आज आखिरकार उसपर मेरे नाम पर एक स्टैंड बना है। ये मेरे लिए बेहद गर्व का पल है और मैं इसके लिए पीसीए की आभारी हूं। लंबे संघर्ष के बाद ये दिन आया है। हरमनप्रीत की कप्तानी में भारतीय टीम ने आईसीसी विश्वकप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराया था। वह तीसरी भारतीय महिला क्रिकेटर बनीं जिनके नाम पर एक स्टैंड का नाम रखा गया है. इससे पहले झूलन गोस्वामी और मिताली राज के नाम पर स्टैंड बने थे पर हरमनप्रीत को सक्रिकय क्रिकेटर के तौर पर ये सम्मान मिला है।

इसके साथ ही हरमनप्रीत को 11 लाख रुपये का चेक भी मिला है। के अलावा अमनजोत कौर और हरलीन देओल को भी 11 लाख रुपये मिले हैं। वहीं फील्डिंग कोच मुनीश बाली को 5 लाख रुपये मिले हैं।

गेहूं, चीनी मजबूत चावल के दाम नरम

दालों, खाद्य तेलों में घट-बढ़

नयी दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चावल के औसत भाव टूट गये। ग्राहकी आने से गेहूं और चीनी में तेजी रही जबकि खाद्य तेलों और दालों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। घरेलू थोक जिंस बाजारों में सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 67 रुपये घटकर सप्ताहांत पर 3,755.96 रुपये प्रति क्विंटल रही ।गेहूं चार रुपये चढ़कर 2,848.44 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। आटा 18 रुपये की बढ़त के साथ 3,307.09

रुपये प्रति क्विंटल बोला गया ।बीते सप्ताह मूंगफली तेल 50 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। पाम ऑयल में 47 रुपये और सूरजमुखी तेल में 54 रुपये प्रति क्विंटल की तेजी देखी गयी। सोया तेल पांच रुपये महंगा हुआ ।सरसों तेल की कीमत 107 रुपये और वनस्पति की 62 रुपये प्रति क्विंटल घट गयी। सप्ताह के दौरान चना दाल की औसत कीमत 19 रुपये प्रति क्विंटल घट गयी। वहीं, मसूर दाल छह रुपये महंगी हुई। तुअर दाल आठ रुपये और मूंग दाल सात रुपये प्रति क्विंटल मजबूत हुई। उड़द दाल की कीमत भी 32 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी ।मीठे के बाजार में सप्ताह के दौरान गुड़ के औसत भाव 18 रुपये प्रति क्विंटल गिर गये ।वहीं, चीनी 11 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई।

सेंसेक्स की प्रमुख आठ कंपनियों का मार्केट कैप 79,129 करोड़ घटा

मुंबई।

बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में रही गिरावट के बीच बीएसई की शीर्ष 10 में से आठ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) 79,129 करोड़ रुपये घट गया। बीएसई के आंकड़ों के अनुसार, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इंफोसिस, बजाज फाइनेंस और एलआईसी के एमकैप में सप्ताह के दौरान वृद्धि हुई है जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज और एलएंडटी का सम्मिलित एमकैप 25,345 करोड़ रुपये बढ़ गया। बीएसई के आंकड़ों के अनुसार एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, टीसीएस, आई. सी. आइ.'सी. आई. बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इंफोसिस, बजाज फाइनेंस और एलआईसी के बाजार

पूंजीकरण में कमी आई। सबसे ज्यादा नुकसान बजाज फाइनेंस को हुआ, जिसका एमकैप 19,290 करोड़ रुपये घट गया। इसके बाद आईसीआईसीआई बैंक का बाजार मूल्य 18,516 करोड़ रुपये कम हुआ। भारती एयरटेल और भारतीय स्टेट बैंक के एमकैप में क्रमशः 13,885 करोड़ और 7,846 करोड़ रुपये की गिरावट रही। आईटी कंपनियों में इंफोसिस का एमकैप 7,146 करोड़ और टीसीएस का 6,784 करोड़ रुपये घटा। एचडीएफसी बैंक और एलआईसी के बाजार पूंजीकरण में क्रमशः 4,461 करोड़ और 1,202 करोड़ रुपये की कमी दर्ज हुई। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज और एलएंडटी दो ऐसी कंपनियां रहीं, जिनका एमकैप बढ़ा। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 20,434 करोड़ रुपये बढ़कर 21,05,653 करोड़ रुपये हो गया, जबकि एलएंडटी का एमकैप 4,911 करोड़ रुपये बढ़ा।

बाजार पूंजीकरण के हिसाब से रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले, एचडीएफसी बैंक दूसरे और भारती एयरटेल तीसरे स्थान पर बनी रही। यह स्थिति दर्शाती है कि ऊर्जा और निर्माण क्षेत्र में निवेशकों की रुचि बनी हुई है, जबकि बैंकिंग और आईटी क्षेत्र में हल्की गिरावट देखी गई। कुल मिलाकर बीएसई की शीर्ष 10 कंपनियों का बाजार पूंजीकरण पिछले सप्ताह मिला-जुला रहा। आठ कंपनियों ने गिरावट झेली, जबकि दो कंपनियों का एमकैप बढ़ा। यह बाजार की सतर्कता और निवेशकों की रणनीति को दर्शाता है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि प्रमुख शेयरों में उतार-चढ़ाव पर नजर बनी हुई है।

वीडा ने एक लाख से अधिक यूनिट्स बेचकर बनाया नया रिकॉर्ड

नई दिल्ली। भारतीय इलेक्ट्रिक दोपहिया बाजार में तेजी से बढ़ती मांग के बीच हीरो मोटोकॉर्प की इलेक्ट्रिक ब्रांड वीडा ने ने साल खत्म होने से पहले ही अपने ई-स्कूटर्स की एक लाख से अधिक यूनिट्स बेचकर नया रिकॉर्ड बनाया। वीडा ने 2025 में बड़ा कीर्तिमान स्थापित किया है।

यह उपलब्धि किसी भी भारतीय ईवी ब्रांड के लिए बड़ी सफलता मानी जा रही है। वीडा की बढ़ती लोकप्रियता का अहम कारण इसकी किफायती कीमत है, जो रुपए 44,990 से शुरू होती है और आम उपभोक्ताओं की पहुंच में आसानी से आ जाती है। बिक्री के आंकड़ों पर नजर डालें तो जनवरी में वीडा ने केवल 1,600 से ज्यादा यूनिट्स बेची थीं, लेकिन साल के मध्य से मांग में अचानक उछाल आया। मार्च से जून के बीच हर महीने छह से सात हजार यूनिट्स की

बिक्री दर्ज की गई। जुलाई कंपनी के लिए महत्वपूर्ण रहा, जब पहली बार 10,000 यूनिट्स की बिक्री हुई और इसके बाद लगातार पाँच महीनों तक वीडा इस क्लब में बनी रही। अक्टूबर में रिकॉर्ड 16,000 स्कूटर्स की बिक्री हुई और नवंबर में वीडा ने ओला जैसे बड़े प्लेयर्स को पीछे छोड़ते हुए बाजार में चौथी रैंक हासिल कर ली। कंपनी की सफलता में सबसे बड़ा योगदान इसके नए मॉडल वीडा वीएक्स2 का रहा, जिसे जुलाई में लॉन्च किया गया। बैटरी-अज़्-अ-सर्विस मॉडल ने इसे सबसे किफायती ई-स्कूटर्स में शामिल कर दिया, क्योंकि ग्राहक कम कीमत देकर बैटरी को सब्सक्रिप्शन पर ले सकते हैं। तेज़ी से बढ़ती बिक्री ने वीडा का मार्केट शेयर बढ़ाकर लगभग 8 प्रतिशत तक पहुंचा दिया है।

मर्सिडीज-बेंज की नई सीएलए कार को मिली 5-स्टार रेटिंग

नई दिल्ली। हाल ही में यूरो एनकैप की सेफ्टी टेस्टिंग में मर्सिडीज-बेंज की नई सीएलए कार ने धाकड़ प्रदर्शन करते हुए 5-स्टार रेटिंग हासिल कर ली है। मर्सिडीज सीएलए ने अपनी सुरक्षा के हर अहम पहलू में जबरदस्त स्कोर प्राप्त किए हैं। इस साल की आखिरी टेस्टिंग राउंड में यह अपने सेगमेंट की टॉप-रेटिंग कारों में शामिल हो गई है। यह टेस्ट यूरोप की सबसे भरोसेमंद सुरक्षा एजेंसी यूरो एनकैप द्वारा किया जाता है जो ये जांचता है कि किसी गाड़ी में सवार इंसानों और सड़क पर चलने वाले लोगों की सुरक्षा कितनी बेहतर है। टेस्टिंग से पता चला कि मर्सिडीज सीएलए ने एडल्ट ऑक्यूपेंट प्रोटेक्शन में दमदार 94 पर्सेंट स्कोर हासिल किया। यानी आगे और पीछे बैठे यात्रियों की सेफ्टी के लिहाज से यह बेहद मजबूत कार है।

दूसरी ओर बच्चों की सेफ्टी के मामले में भी सीएलए ने 89 पर्सेंट स्कोर हासिल किए। खास बात यह है कि कार का सिस्टम अपने-आप समझ लेता है कि चाइल्ड सेफ्टी सीट लगी है या नहीं। यह उसी हिसाब से एयरबैग्स को एक्टिव या डी-एक्टिव कर देता है। सड़क पर चलने वाले पैदल यात्रियों और बाइकर्स की सुरक्षा को लेकर भी सीएलए ने बेहतरीन

प्रदर्शन किया है। वल्नरेबल रोड यूजर्स प्रोटेक्शन कैटेगरी में इसे शानदार 93 पर्सेंट स्कोर मिला।

यह स्कोर बताता है कि कार की ब्रेकिंग और सेफ्टी टेक्नोलॉजी किसी भी संभावित दुर्घटना में नुकसान को काफी हद तक कम कर सकती है। बता दें कि यूरो एनकैप ने खासतौर पर इसकी ऑटोनॉमस इमरजेंसी ब्रेकिंग (एईबी) तकनीक की प्रशंसा की है जो खतरा भांपकर खुद ब्रेक लगा देती है। आखिर में सेफ्टी असिस्ट टेक्नोलॉजी के टेस्ट में सीएलए ने 85 पर्सेंट स्कोर कर यह साफ कर दिया कि इसके ड्राइवर-असिस्ट फीचर्स भी बेहद भरोसेमंद हैं। इन सभी स्कोर के साथ नई मर्सिडीज सीएलए ने 2025 की यूरो एनकैप टेस्टिंग को शानदार 5-स्टार रेटिंग के साथ पूरा किया है।

एसबीआई के कर्ज सोमवार से होंगे सस्ते

नयी दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े ऋृण दाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने आवास और निजी ऋृण लेने वाले ग्राहकों को बड़ी राहत देते हुए ब्याज दरों में 25 आधार अंक (0.25 प्रतिशत) की कटौती की घोषणा की है ।दरों में कटौती 15 दिसंबर से प्रभावी हो जायेंगे ।बैंक की प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि उसने बाहरी बेंचमार्क पर आधारित दर (ईबीएलआर) में 25 आधार अंकों की कटौती की है ।यह मौजूदा 8.15 प्रतिशत से घटकर सोमवार से 7.90 प्रतिशत हो जायेगी ।ईबीएलआर वह दर है जो फ्लोटिंग दर पर लिये गये हर ऋृण की ब्याज दर तय करता है ।अधिकतर आवास ऋृण, व्यक्तिगत ऋृण और छोटे उद्यमों को दिये गये ऋृणों की ब्याज दर इसी आधार पर तय होती है ।एसबीआई ने यह कटौती भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा 05 दिसंबर को रेपो दर में की गयी 25 आधार अंकों की कटौती के बाद की है ।केंद्रीय बैंक ने इस साल चौथी बार रेपो दर में कटौती की है ।इस दौरान रेपो दर 1.25 प्रतिशत कम हुई है ।आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने 09 दिसंबर को बैंकों के शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक में रेपो दर की कटौती का लाभ ग्राहकों को देने के लिए कहा था ।एसबीआई ने सभी अवधि के सीमांत लागत ऋृण दरों में पांच आधार अंकों और बेस रेट में 10 आधार अंकों की कटौती की घोषणा की है। उसने बताया है कि अब बेस रेट 10 प्रतिशत से घटकर 9.90 प्रतिशत हो गयी है ।वहीं, सावधि जमा पर ग्राहकों को मिलने वाले ब्याज की दर ज्यादातर अवधियों के लिए अपरिवर्तित रहेगी ।सिर्फ दो साल या उससे अधिक और तीन साल से कम की अवधि के लिए ब्याज दर 6.45 प्रतिशत से घटाकर 6.40 प्रतिशत की गयी है। वरिष्ठ नागरिकों के लिए इसी अवधि की जमा पर अब 6.95 प्रतिशत की बजाय 6.90 प्रतिशत ब्याज मिलेगा। साथ ही अमृत वरिष्ठ के तहत वरिष्ठ नागरिकों को 444 दिन की अवधि के लिए ब्याज की दर 6.60 प्रतिशत से घटाकर 6.45 प्रतिशत कर दी गयी है।

इस सप्ताह बाजार पर रहेगा महंगाई और वैश्विक कारकों का असर

भारत-अमेरिका ट्रेड डील और एफआईआई की गतिविधियों पर भी निवेशकों की नजर रहेगी

मुंबई।

घरेलू शेयर बाजार लगातार दूसरी साप्ताहिक गिरावट के बाद स्थिरता की तलाश में हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इस सप्ताह में बाजार पर महंगाई के आंकड़े और वैश्विक आर्थिक कारक असर डाल सकते हैं। खुदरा महंगाई (सीपीआई) के आंकड़े शुक्रवार को जारी हुए, जबकि थोक महंगाई (डब्ल्यूपीआई) के आंकड़े सोमवार को बाजार बंद होने के बाद जारी होंगे। शेयर बाजार पर अमेरिका और भारत के बीच ट्रेड डील, विदेशी निवेशक की गतिविधियां और अंतरराष्ट्रीय ब्याज दरों के बदलाव का असर भी दिखाई देगा। अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दर में 25 बेसिस प्वॉइंट कटौती से कुछ राहत मिली है, वहीं डॉलर के मुकाबले रुपये की गिरावट (90.56 का नया रिकॉर्ड) निवेशकों को सतर्क कर रही है। विदेशी निवेशकों ने शुक्रवार को भारतीय शेयरों में अधिक बिकवाली की, कुल 396.26 करोड़ रुपये के शेयर बेचे गए। इसके विपरीत, भारतीय संस्थागत निवेशकों ने शेयरों की खरीद अधिक की,

जिससे नेट बाइंग 2,828.21 करोड़ रुपये रही। इससे बाजार में कुछ स्थिरता बनी, लेकिन रुपया कमजोर बना हुआ है। अगले सप्ताह निवेशक थोक महंगाई, निर्यात-आयात आंकड़े, और मैन्युफैक्चरिंग व सर्विसेज सेक्टर की गतिविधियों पर बारीकी से नजर रखेंगे। यह आंकड़े वर्ष के अंत तक भारत की अर्थव्यवस्था की ताकत का संकेत देंगे। विशेषज्ञों का अनुमान है कि रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 89.50 से 91.00 के दायरे में ऊपर-नीचे रहेगा। भारत-अमेरिका ट्रेड डील में किसी भी सकारात्मक खबर से रुपये और शेयर बाजार में हल्की मजबूती आ सकती है। कुल मिलाकर, घरेलू और वैश्विक आर्थिक कारक, निवेशकों की गतिविधियां और व्यापार वार्ता बाजार की दिशा तय करेंगे। निवेशकों को महंगाई, निर्यात-आयात आंकड़े और विदेशी निवेशक व्यवहार पर ध्यान रखना होगा ताकि वे सही निवेश निर्णय ले सकें।

मध्य प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं में हो रही है लगातार वृद्धि : मुख्यमंत्री डॉ.यादव

मुख्यमंत्री ने नवीन एमवाय अस्पताल भवन के निर्माण कार्य का किया भूमि पूजन

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री जे.पी. नड्डा के नेतृत्व में देश और प्रदेश की स्वास्थ्य सुविधाओं में पिछले 11 वर्षों से लगातार वृद्धि हो रही है। मध्य प्रदेश में नए-नए मेडिकल कॉलेज और नर्सिंग कॉलेज कॉलेज खोले जा रहे हैं। प्रदेश सरकार नागरिकों की सुविधाओं में वृद्धि के लिए दिन-रात प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में प्रदेश की स्वास्थ्य सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार आया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को इंदौर के महाराजा यशवंतराव चिकित्सालय परिसर में कुल 773.07 करोड रुपए लागत से निर्मित होने वाले 1450 बिस्तरीय अस्पताल के नवीन भवन निर्माण कार्य के भूमि पूजन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में प्रदेश के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, स्वास्थ्य राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल भी मौजूद थे।

एमवाय अस्पताल की प्रदेश में विशिष्ट पहचान- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर कहा कि जिस तरह इंदौर शहर हमारे प्रदेश का गौरव है, उसी तरह इंदौर के एमवाय अस्पताल की भी मध्यप्रदेश में अपनी विशिष्ट पहचान है। उन्होंने कहा कि इंदौर में 1450 बिस्तरीय अस्पताल बन जाने से न केवल मध्यप्रदेश, बल्कि हमारे पड़ोसी राज्यों के सीमावर्ती जिलों के मरीजों को भी यहां बेहतर स्वास्थ सुविधाएं उपलब्ध होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वास्थ विभाग और चिकित्सा शिक्षा विभाग को मिलाकर इस विभाग को और सशक्त बनाया गया है। उन्होंने इस अवसर पर बताया कि इंदौर के एमवाय अस्पताल में बोनमेरो ट्रांसप्लांट और किडनी ट्रांसप्लांट की सुविधा निशुल्क उपलब्ध है। उन्होंने निर्माण एजेंसी के अधिकारियों को नए अस्पताल भवन के निर्माण में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए।

मरीजों को मिलेंगे सभी सुविधाएं- उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश भवन विकास निगम द्वारा निर्मित किए जाने वाले नए अस्पताल भवन में मेडिसिन वार्ड में कुल 330 बिस्तर, सर्जरी विभाग में 330 बिस्तर, ऑर्थोपेडिक्स विभाग में 180 बिस्तर, शिशु रोग सर्जरी विभाग में 60, शिशु रोग वार्ड में 100, न्यूरो सर्जरी में 60, नाक कान गला विभाग में कुल 30, दंत रोग विभाग में 20, त्वचा रोग विभाग में कुल 20, मातृ एवं शिशु वार्ड में 100, नेत्र वार्ड में 80 तथा इमरजेंसी मेडिसिन वार्ड में भर्ती होने वाले मरीजों के लिए 180 बिस्तरीय सुविधा उपलब्ध रहेगी। नए अस्पताल भवन में कुल 1450 बिस्तरीय वार्डों के निर्माण पर कुल 528 करोड़ रुपए व्यय होंगे। इसके अलावा 550 बिस्तरीय नर्सिंग हॉस्टल के निर्माण पर 21.37 करोड रुपए, 250 सीटर मिनी ऑडिटोरियम के निर्माण पर 1.60 करोड रुपए व्यय किए जाएंगे। इसके अलावा सार्वजनिक पार्किंग के निर्माण पर 31.50 करोड़ रुपए, विद्युतीकरण, बाउंड्रीवॉल एवं सोलर पैनल स्थापना पर 25.53 करोड रुपए तथा सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, प्लंबिंग एवं वाटर सप्लाई संबंधी कार्यों कार्य पर लगभग 10 करोड रुपए लागत आएगी।

बेस्ट वाइल्ड लाइफ डेस्टिनेशन बना मध्यप्रदेश

ट्रेवल + लीजर इंडियाज बेस्ट अवॉर्ड्स-2025 में मिला प्रतिष्ठित सम्मान

भोपाल (स्वतंत्र मत)

अतुल्य भारत का हृदय प्रदेश मध्यप्रदेश को अद्वितीय जैव-विविधता और नैसर्गिक घने जंगलों के लिए प्रतिष्ठित 'ट्रेवल + लीजर इंडियाज बेस्ट अवॉर्ड्स 2025' में बेस्ट वाइल्डलाइफ डेस्टिनेशन' से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान नई दिल्ली के आईटीसी मौर्य स्थित नन्दिया गार्डन्स में आयोजित गरिमामयी समारोह में प्रदान किया जायेगा। यह अवॉर्ड्स का 14वां संस्करण है, जिसमें मध्यप्रदेश को देश के वन्यजीव अनुभवों के केंद्र के रूप में मान्यता दी गई है। पर्यटन, संस्कृति और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश को 'बेस्ट वाइल्डलाइफ डेस्टिनेशन' का अवॉर्ड मिलना अत्यंत गौरव का विषय है। यह सम्मान इस बात का प्रमाण है कि प्रकृति ने मध्यप्रदेश को खुले हाथों से संवारा है और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सरकार ने उस धरोहर को उतनी ही शिद्दत से सहेजा है। यह पुरस्कार पर्यटन विभाग, वन विभाग और उन सभी प्रकृति प्रेमियों को समर्पित है। अपर मुख्य सचिव, पर्यटन, संस्कृति, गृह एवं धार्मिक न्यास और धर्मस्व श्री शिव शेखर शुक्ला ने इसे दूरदर्शी पर्यटन नीतियों का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि पुरस्कार मध्यप्रदेश की कंजर्वेशन-लेड टूरिज्म (संरक्षण आधारित पर्यटन) नीति की सफलता को रेखांकित करता है। हमारा प्रयास केवल पर्यटकों की संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि उन्हें जंगल के नैसर्गिक सौंदर्य और जैव-विविधता का एक जिम्मेदार और यादगार अनुभव देना है। यह सम्मान हमें और अधिक प्रतिबद्धता के साथ सस्टेनेबल टूरिज्म की दिशा में कार्य करने के लिए प्रेरित करेगा।

पीएम मित्र पार्क में होगा 10 हजार करोड़ रुपये का निवेश

मंत्री विजयवर्गीय की अध्यक्षता में हुई जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक

भोपाल (स्वतंत्र मत)

नगरीय विकास एवं आवास एवं धार जिले के प्रभारी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा है कि धार जिले में पीएम मित्र पार्क की स्थापना से प्रगति को नई रफ्तार मिलेगी। उन्होंने कहा कि करीब 2 हजार करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह प्रोजेक्ट 10 हजार करोड़ से अधिक के निवेश का साक्षी होगा। इससे 50 हजार लोगों को प्रत्यक्ष और डेढ़ लाख से अधिक लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। पीएम मित्र पार्क में धागा, कपड़ा, कताई-बुनाई, रंगाई, डिजाइन और वस्त्र निर्माण से जुड़ी हर आधुनिक सुविधा उपलब्ध होगी। प्रभारी मंत्री विजयवर्गीय धार में जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में विधायक श्रीमती नीना वर्मा भी मौजूद थीं। मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा कि पिछले 2 वर्षों में जिले में धार्मिक, पर्यटन, औद्योगिक, कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, नगरीय एवं ग्रामीण विकास के क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की गई हैं। जिला विकास सलाहकार समिति की चर्चा करते हुए प्रभारी मंत्री ने बताया कि समिति में सभी क्षेत्रों के विशेषज्ञों को स्थान दिया गया है। समिति जिले के तेजी से विकास में महत्वपूर्ण रोल अदा करेगी। बैठक में कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने बताया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में वर्ष 2024-25 में 122 सड़कों के नवीनीकरण से 362 किलोमीटर, वर्ष 2025-26 में 45 सड़कों के नवीनीकरण से 118 किलोमीटर मार्गों में सुधार हुआ है। जल जीवन मिशन में 3 लाख 3 हजार 690 घरों में नल कनेक्शन दिये जा चुके हैं। शहरी क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना में 16 हजार 250 आवासों का निर्माण पूरा हो चुका है। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सरदार सिंह मेडा और समिति के सदस्यों ने जिले के विकास के संबंध में उपयोगी सुझाव दिये।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने गुना जिले के म्याना रेलवे स्टेशन को किया सम्मानित

भोपाल। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने रविवार को नई दिल्ली में राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस के अवसर पर गुना के म्याना रेलवे स्टेशन को सम्मानित किया है। ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करते हुए म्याना रेलवे स्टेशन द्वारा 9 हजार 687 यूनिट विद्युत ऊर्जा की बचत की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस पर राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार (नेशनल एनर्जी कंजर्वेशन अवार्ड-2025) के अंतर्गत ट्रांसपोर्ट कैटेगरी (रेलवे स्टेशन) में जिला गुना के म्याना रेलवे स्टेशन को बेस्ट परफॉर्मिंग यूनिट के रूप में सम्मानित होने पर बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के म्याना रेलवे स्टेशन ने ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित कर गौरव बढ़ाया है। इस उपलब्धि के लिए संबंधित अधिकारी-कर्मचारी और सहयोगी टीम बधाई की पात्र है।

छूट के फेर में उमड़ी युवाओं की भीड़, देखकर टली ओपनिंग

पुलिस को संभालना पड़ा मोर्चा

हटा (स्वतंत्र मत)

पहली बार खुल रहे शॉपिंग मॉल की ओपनिंग पर युवाओं का हुजूम उमड़ पड़ा कि पुलिस को सामने आकर मोर्चा संभालना पड़ा और बार-बार समझाने के बाद भी जब भीड़ नहीं हटी तो ओपनिंग कैंसल करने की घोषणा करना पड़ी। दरअसल हटा में निर्माणाधीन दमोह पन्ना फोर लाइन रोड पर नगर पालिका के पार्क के सामने एक मॉल की ओपनिंग तय थी। माल संचालक ने पिछले दस दिनों से व्यापक प्रचार-प्रसार के अलावा खासी छूट की भी घोषणा की थी जिसके कारण रविवार को सुबह 11 बजे ही युवकों का आना आरम्भ हो गया। दोपहर एक बजे फोर लाइन के दोनों ओर युवकों का हुजूम जमा होने से जाम के हालात बन गए। जिसकी सूचना टीआई सुधीर बेगी भीड़ के बीच पहुंच गए और युवकों को समझाना आरम्भ किया। जब कोई नहीं माना तब माल संचालक से ओपनिंग निरस्त कराने की घोषणा की। इससे भी ग्रामीण क्षेत्रों से सुबह से आए युवक आक्रोशित हो गए और उन्होंने प्रचार-प्रसार का बुलाने के लिए विरोध जताया। इसी बीच लोगों को पंक्तिबद्ध कर माल के छोटे दरवाजे से युवकों को प्रवेश कराया और निर्धारित समय में मंदिरों में दर्शन कराने की तर्ज पर उन्हें माल में घुमाने का अवसर दिया। समाचार लिखे जाने तक माल के सामने भीड़ लगी थी और पुलिस बल मुख्य मार्ग सहित स्थितियों पर नजर लगाए हुए था। टीआई सुधीर बेगी ने भीड़ को संतुष्ट कराने माइक से घोषणा की कि ओपनिंग के दौरान घोषित स्कीम अगले दस दिन तक जारी रहेगी कोई भी जल्दबाजी न करे, इसके बाबजूद भीड़ का जोश ठंडा नहीं पड़ा।

खाटू श्याम भजन संध्या का आयोजन कल

दमोह। प्रति वर्ष अनुसार विशाल खाटू श्याम भजन संध्या का आयोजन होने जा रहा है। इस विशाल भजन संध्या में अपनी मधुर आवाज से लोगों को भारत के सुप्रसिद्ध कलाकार भजन गायक प्रीति सरगम सिंह जबलपुर, गौरी अग्रवाल इंदौर, राहुल जोशी पन्ना, आरएस म्यूजिकल आनंदित करेंगे। इस दौरान आयोजकों ने बताया दमोह में प्रतिवर्ष अनुसार भारत के सबसे बड़े कलाकार भजन सम्राट वाले के द्वारा खाटू श्याम बाबा एक शाम खाटू वाले के नाम भव्य दरबार में छप्पन भोग अखंड ज्योति पुष्प वर्ष से भजन कर गुणगान किया जाएगा। इस भजन संध्या का आयोजन कल मंगलवार 16 दिसंबर को नीलकमल गार्डन दमोह में किया जाएगा। सांय 7 बजे भजन संध्या शुरू होकर प्रभु इच्छा तक चलेगी।

सर्व स्वर्णकार सोनी समाज का परिचय एवं विवाह सम्मेलन

दमोह। सर्व स्वर्णकार सोनी समाज विस जबेरा के संयुक्त तत्वावधान में कृषि उपज मंडी जबेरा में सर्व स्वर्णकार सोनी समाज का परिचय एवं विवाह सम्मेलन का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम 5 फरवरी को परिचय एवं 6 फरवरी को सामूहिक विवाह सम्मेलन होगा। इस तरह कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में फैली कुरीतियों छोटे बड़े का भेदभाव धन अभाव के कारण समाज के लोग अपने बच्चा बच्चियों के शादी नहीं कर पाते हैं। सम्मेलनों के माध्यम से विवाह योग्य अपने बच्चा बच्चियों की शादियां कर लेते हैं। यह सम्मेलन पूर्णतः निःशुल्क रहेगा। कार्यक्रम अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार मुन्नालाल सोनी, समिति अध्यक्ष प्रकाश सोनी जबलपुर, सह सचिव अखिलेश सोनी ने समाज के सभी वर्ग के लोगों से अपील करते हुए कहा है कि सम्मेलन में पधार कर समय का लाभ उठाएं।

जयकारे के साथ हुआ महाआरती का आयोजन

दमोह (स्वतंत्र मत)

शक्तिपुत्र महाराज की दिशा निर्देशन में मां आदि शक्ति जगत जननी जगदंबा की दिव्या मासिक महाआरती प्रति माह की भांति इस माह भी कृषि उपज मंडी सागर नाका दमोह में दोपहर 12 बजे संपन्न की गई। जिसमें भगवती मानव कल्याण संगठन भारतीय शक्ति चेतना पार्टी एवं सभी धर्म संप्रदाय के लोगों ने भाग लिया एवं अपने जीवन को धन्य बनाया संगठन की विचारधारा को रखते हुए प्रदेश अध्यक्ष किसान मोर्चा शोभा सिंह राजपूत ने कहा कि जब तक हम अपने कर्म अपनी दायित्व अपने कर्तव्यों को समाज के प्रति धर्म के प्रति एवं राष्ट्र के प्रति समर्पित नहीं करेंगे, तब तक हमें गुरुवर की विचारधारा पर चलकर समाज को नशामुक्त, भ्रष्टाचार मुक्त, छुआछूत जातिवाद मुक्त, धर्म संप्रदाय से ऊपर उठकर मानव कल्याण कार्य करनी होगी, तभी हमारा एवं समस्त जीवों का कल्याण होगा। संगठन के संभागीय अध्यक्ष डॉ. सुजान सिंह ने कहा कि हमारा परम सौभाग्य है की 22 दिसंबर को हमारे संगठन की केंद्रीय अध्यक्ष शक्ति स्वरूप बहन पूजा दीदी जी का आगमन होगा जो गुरुवार की विचारधारा से समाज को अवगत कराएंगी एवं जन कल्याणकारी दिशा में हमें निर्देश करेंगे। हमारा परम सौभाग्य है कि हमें केंद्रीय निर्देशन प्राप्त होता रहता है जिससे आज जो समाज में मानव विकृति रूढ़िवादी एवं बुराइयां पनप रही हैं उनका समाधान किया जा सकता है। अंत में सभी ने शक्ति जल एवं प्रसाद ग्रहण किया एवं मां गुरुवर का आशीर्वाद प्राप्त किया एवं सभी ने जय माता की जय गुरुवर के जयकारे लगाए।

सिविल अस्पताल में देवर ने भाभी को मारा

हटा। शनिवार रात हटा सिविल अस्पताल में एक व्यक्ति ने हंगामा खड़ा कर दिया और अपनी भाभी को घूंसा मार दिया। देवर द्वारा भाभी पर हमला करने का वीडियो भी सामने आया। हैरानी की बात ये है कि देवर कैलाश उपाध्याय द्वारा कीटनाशक का सेवन करने की खबर सुनते उसकी भाभी गीता इलाज के लिए सिविल अस्पताल हटा लेकर पहुंची थी लेकिन अस्पताल में देवर ने विवाद शुरू कर दिया और भाभी पर हमला कर दिया। विवाद बढ़ता देख अस्पताल प्रबंधन और ड्यूटी डॉक्टर ने हटा थाना पुलिस को सूचना देकर अस्पताल बुलाया। हटा थाना पुलिस ने आरोपी देवर को अभिरक्षा में लिया देवर भाभी मझगंवा पतोल निवासी बताये गए हैं।

नेशनल लोक अदालत में 584 प्रकरणों का हुआ निराकरण

दमोह (स्वतंत्र मत)

राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार परस्पर समझौते के आधार पर त्वरित एवं सुलभ न्याय दिये जाने के उद्देश्य से नेशनल लोक अदालत जिला न्यायालय दमोह तथा तहसील न्यायालय, हटा, पथरिया, तेंदूखेड़ा में प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दमोह सुभाष सोलंकी के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। जिला मुख्यालय दमोह पर नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ विशेष न्यायाधीश प्रभारी अधिकारी नेशनल लोक अदालत उदय सिंह मरावी द्वारा एडीआर भवन में मॉ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित कर किया गया। इस अवसर पर प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय मोहम्मद अजहर, मुख्य न्यायिक मजिस्टेट सुश्री स्नेहा सिंह सहित जिला मुख्यालय दमोह में पदस्थ समस्त न्यायाधीशगण, अध्यक्ष जिला अधिवक्ता संघ दमोह कमलेश भारद्वाज, उपाध्यक्ष सुरेश कुमार खत्री, जिला विधिक सहायता अधिकारी रजनीष चौरसिया, चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल मनीष नगाइच सहित समस्त डिफेंस काउंसिल, प्रशासनिक अधिकारी जिला न्यायालय एसएन ओझा, सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी सतीष कपस्या, अध्यक्ष तृतीय श्रेणी न्यायिक कर्मचारी संघ दीपक सोनी, अध्यक्ष चतुर्थ श्रेणी न्यायिक कर्मचारी संघ विश्वनाथ बिल्थरे सहित न्यायालयीन व विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारीगण उपस्थित हुए। विशेष न्यायाधीश/प्रभारी अधिकारी नेशनल लोक अदालत उदय सिंह मरावी ने संबोधित करते हुये कहा वर्ष की इस अंतिम लोक अदालत के सफल होने के लिये प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के द्वारा मोटर दुर्घटना व चैक बाउंस के प्रकरणों की प्रिसिटिंग आयोजित किये जाने हेतु निर्देश दिये गये थे, जिसके परिपालन में प्रिसिटिंग आयोजित की गयी हैं। प्रकरणों के निराकरण हेतु संपूर्ण जिले में 21 खण्डपीठों का गठन किया गया है। आशा है कि यह लोक अदालत पूर्व की भांति इस बार भी सभी के सहयोग से सफल होगी।

शंका के आधार पर अलग रह रहे पति-पत्नि हुए एक- कुटुम्ब न्यायालय में लंबित 43 प्रकरणों में पति-पत्नि द्वारा प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय मोहम्मद अजहर व सुलहकर्ता अधिवक्ता के द्वारा समझाईश दिये जाने पर आपसी राजीनामा कर अपने प्रकरणों को समाप्त किया। न्यायालय में लंबित भरण पोषण के एक प्रकरण में पत्नि के द्वारा पति के विरूद्ध प्रकरण प्रस्तुत कर स्वयं एवं अपने 3 बच्चों के लिये भरण पोषण राशि की मांग की गई थी। प्रकरण में राजीनामा की गुंजाइश को देखते हुए न्यायालय द्वारा उक्त प्रकरण को लोक अदालत में रखा गया और दोनों पक्षों को चर्चा हेतु आहूत किया गया। चर्चा के दौरान ज्ञात हुआ कि पति मकान निर्माण में मजदूरी का कार्य करता है जिसके कारण अक्सर वह विलंब से घर पहुंचता है, विलंब से घर पहुंचने के कारण पत्नि बेवजह पति पर शंका करती है जिसके कारण दोनों अलग-अलग रह रहे है। न्यायालय द्वारा समझाइश दिये जाने एवं 3 बच्चों का भविष्य देखते हुए वे एक साथ रहने तैयार हुए और न्यायालय में एक दूसरे को माला डालकर विदा हुए। दोनों पक्षों को न्यायाधीशगण द्वारा स्मृति के रूप में फलदार पौधे दिये गये। रजनीश चैरसिया जिला विधिक सहायता अधिकारी ने सभी के सहयोग हेतु आभार व्यक्त किया।

विकास कार्यो के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया : शिवहरे

दमोह। खजुराहो में आयोजित केबिनेट बैठक में बुंदेलखंड में हुई विकास कार्यो की घोषणा को लेकर दमोह जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे ने मुख्यमंत्री निवास पहुचकर मुख्यमंत्री मोहन यादव का आभार धन्यवाद ज्ञापित किया। विकास कार्यो में दमोह मेडिकल कालेज में स्वीकृति, दमोह से सागर फॉर लाइन सड़क एव जबेरा विधानसभा जलाशय सिचाई योजना स्वीकृत को लेकर दमोह की जनता की ओर से आभार व्यक्त किया एवं आगामी समय मे दमोह पधारने का

खेत में काम कर रहे किसान पर तेंदुए ने किया जानलेवा हमला

मुरई गांव का मामला, ग्रामीणों में भारी दहशत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

जबलपुर के मुरई गांव में उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब खेत में काम कर रहे एक किसान पर तेंदुए ने हमला कर दिया। हमले में किसान सुखरत गंभीर रूप से घायल हो गया। ग्रामीणों ने उसे तुरंत इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका उपचार चल रहा है। जानकारी के अनुसार सुखरत सुबह खेत में सिंचाई की पाइपलाइन बदलने गया था। इसी दौरान झाड़ियों में छिपे तेंदुए ने अचानक उस पर हमला कर दिया। किसान ने बचने की कोशिश की, लेकिन तेंदुए के हमले में वह बुरी तरह घायल हो गया। सुखरत की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे।

लोगों को आता देख तेंदुआ जंगल की ओर भाग गया। इसके बाद ग्रामीणों ने बिना देरी किए घायल किसान को अस्पताल पहुंचाया। इधर घटना के बाद से गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीण अब अकेले खेतों में जाने से डर रहे हैं। वन विभाग को मामले की जानकारी दे दी गई है। ग्रामीणों ने तेंदुए को जल्द पकड़ने और इलाके में सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है । घरों के अंदर तक पहुंच रहा तेंदुआ क्षेत्रीय लोगों ने बताया कि उनके गांव में पिछले कई दिनों से तेंदुए की दहशत है। गांव के आसपास तीन से चार तेंदुओं का झुंड अक्सर देखा जा रहा है, जिसके कारण लोग डर के माहौल में जीवन यापन कर रहे हैं। इतना ही नहीं तेंदुए अब उनके घरों के आंगन तक पहुंच रहे है । शाम होते ही ग्रामीण अपने घरों के भीतर चले जाते हैं। वन विभाग ने अलर्ट जारी किया है और ग्रामीणों को जंगल के अंदर अकेले न जाने की समझाइश दी जा रही है।

ट्रेडिंग कम्प्यूटर स्किल कार्यशाला आज से

हितकारिणी कम्प्यूट सेंटर द्वारा आयोजित कार्यशाला में विशेषज्ञ देंगे ट्रेनिंग

जबलपुर (स्वतंत्रमत)। हितकारिणी कम्प्यूटर सेंटर द्वारा आज सोमवार 15 से 20 दिसंबर तक हितकारिणी लॉ कॉलेज में ट्रेडिंग कम्पयूटर स्किल पर एक कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। यह जानकारी देते हुये हितकारिणी कम्प्यूटर सेंटर प्रभारी शैलजा गुप्ता ने बताया कि आयोजित कार्यशाला में विशेषज्ञ छात्र-छात्राओं के साथ ही टीचर्स को भी कम्प्यूटर स्किल से संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियों से अवगत कराया जाएगा। इसके साथ ही कम्प्यूटर स्किल पर ट्रेनिंग भी दी जाएगी। कार्यशाला 15 दिसंबर से प्रतिदिन 3 से 5 बजे तक हितकारिणी लॉ कॉलेज में आयोजित की जाएगी। कार्यशाला में प्रशिक्षक आदर्श गुप्ता बीटेक कम्प्यूटर साइंस एवं विश्वेस राठौर द्वारा प्राम्प्ट इंजीनियरिंग, एआई एप्लीकेशन, रिसपांसिबल एआई, एईओ ऑप्टीमाइजेशन मैथड्स आदि अन्य की ट्रेनिंग दी जाएगी।

ग्वारीघाट में बने भोजनालयों पर खाद्य विभाग की दबिश

कलेक्टर के निर्देश पर शहर के खाद्य प्रतिष्ठानों पर निरीक्षण जारी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

नववर्ष के अवसर पर बनाये जाने वाले केक, चॉकलेट आदि की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा रविवार को कई बेकरी निर्माण एवं विक्रय प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया तथा गौरीघाट स्थित भोजनालयों में खाद्य पदार्थों की भी जांच की। खाद्य सुरक्षा अधिकारी देवेंन्द्र कुमार दुबे के अनुसार खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने रविवार को यादव कॉलोनी स्थित न्यू आजाद बेकरी से चॉकलेट पेस्ट्री तथा कुकीज, लेबर चौक स्थित प्रोविजन्स किराना स्टोर से चॉकलेट, अधारताल स्थित साहनी बेकरी से केक तथा बिस्किट, तुलाराम चौक स्थित गुलमोहर बेकरी से टोस्ट, इंडस्ट्रियल एरिया रिछाई स्थित सिद्धि विनायक फूड प्रोडक्ट्स से चॉकलेट वेफर्स, अमरलाल फूड प्रोडक्ट्स से टोस्ट तथा चॉकलेट के नमूने लिये गये। निरीक्षण के दौरान केक तथा चॉकलेट निर्माण में प्रयुक्त होने वाले कच्चा माल जैसे रंग, एसेंस, एमल्सीफायर आदि के पैकिंग दिनांक, अवसान तिथि आदि को सूक्ष्मता से देखा गया तथा खाद्य कारोबार कर्ताओं को खाद्य पदार्थों का निर्माण के दौरान खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप स्वच्छता सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये। निरीक्षण में एकत्र किये गये नमूनों को जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल प्रेषित किया गया है। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा ग्वारीघाट स्थित भोजनालयों का भी निरीक्षण किया गया। इस स्थल पर अधिक संख्या में दर्शनार्थियों के आगमन को दृष्टिगत रखते हुये भोजन परोसने वाले खाद्य कारोबारियों को प्रतिष्ठानों में स्वच्छता तथा भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये।

पुरानी मोटरसाइकिल मिलने पर बिफरा पति पत्नी पहुंची थाने

जबलपुर (स्वतंत्रमत)। चरगवां थाने में रानू ठाकुर उम्र 21 वर्ष निवासी ग्राम उर्रम ने रिपोर्ट दर्ज कर बताया कि उसका मायका ग्राम जोहरिया थाना करेली में है । उसकी शादी ग्राम उर्रम निवासी भारत ठाकुर के साथ हिन्दू रीति रिवाज हुई है। जिससे एक लड़का भावेश ठाकुर उम्र 15 दिन है। शादी में उसके पिता ने लगभग 1 लाख रूपये खर्च किये थे । शादी के कुछ दिन के बाद से पति भारत ठाकुर उसे मोटरसाइकिल की मांग कर परेशान करने लगा। उसने अपने पिता को बताया तो पिताजी ने पुरानी मोटरसाइकिल को लाकर पति को दिये थे। जिसपर पति भारत ठाकुर ने कार की डिमांड पर उससे मारपीट करते हुये घर से निकाल दिया। पुलिस ने मामले को विवेचना में लिया है।

डिप्टी सीएम के आश्वासन के बाद आंदोलन में आई नरमी

सिहोरा जिला की मांग पर अन्न सत्याग्रह जारी

सिहोरा (स्वतंत्र मत)

सिहोरा जिला की मांग को लेकर जारी आंदोलन के बीच उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा द्वारा दिए गए आश्वासन के बाद सिहोरा में उत्साहजनक वातावरण देखने को मिला। लक्ष्य जिला सिहोरा आंदोलन समिति के आह्वान पर मंगलवार को बाजार खुले, जिससे जनजीवन आंशिक रूप से सामान्य होता नजर आया। आंदोलनकारियों में आशा और भरोसे का माहौल बना हुआ है। समिति ने बताया कि 16 दिसंबर को सैकड़ों की संख्या में लोग भोपाल पहुंचेंगे, जहां मुख्यमंत्री से भेंट कर सिहोरा को जिला बनाए जाने की मांग मजबूती से रखी जाएगी। भोपाल कूच की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं और विभिन्न क्षेत्रों से लोगों की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। इधर अस्पताल में भर्ती प्रमोद साहू अन्न सत्याग्रह पर डटे हुए हैं, वहीं धरना स्थल पर आठ अन्य आंदोलनकारी भी अन्न सत्याग्रह पर बैठे हैं। इनमें प्रदीप दुबे, राजभान मिश्रा, संतोष पांडे, पुरुषोत्तम गुप्ता, रामनरेश तिवारी, नत्थू पटेल, प्रेमचंद्र चौधरी और रामजी शुक्ला शामिल हैं। सत्याग्रहियों का कहना है कि जब तक सिहोरा जिला बनने की घोषणा नहीं होती, उनका संघर्ष जारी रहेगा।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्प्लेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-smatjbp1@ gmail.com, फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2023-25, **RNI No. 64561/96.**